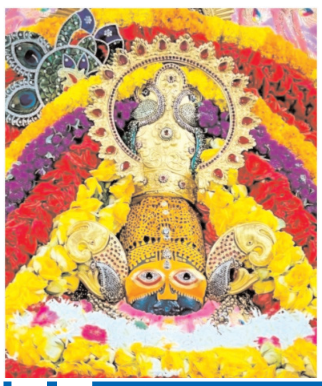

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:312। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 03 जुलाई 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

मुंबई, हिमाचल और जम्मू में आफत बनी बारिश

एजेंसी

विक्टोरिया। दिल्ली-एनसीआर में मानसून की पहली बारिश के बाद आंशिक राहत मिली। मौसम विभाग (IMD) के वरिष्ठ वैज्ञानिक नरेश यादव के मुताबिक मानसून जल्द ही पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात के पश्चिमी तट के कुछ हिस्सों सहित अतिरिक्त क्षेत्रों को कवर करेगा। उन्होंने कहा कि अगले चार से पांच दिनों में कोंकण क्षेत्र, गोवा और दक्षिण गुजरात में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है, और इन क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। ओडिशा और मध्य भारत में भी बहुत भारी वर्षा के आसार हैं। मुंबई के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण गंभीर समस्या की खबर है। जलभराव के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बारिश के बाद सामने आई तस्वीरों में वाहनों की लंबी कतार देखी गई। जम्मू-

कश्मीर के डोडा जिले में दो जगह बादल फटने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हिमाचल के लाहौल-स्पीति और चंबा में तीन जगह बादल फटने की घटनाएं सामने आईं। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम के लिए हैली सेवा स्थगित करनी पड़ी है और देहरादून के जौलीग्रांट हवाईअड्डे से चार उड़ानों को दूसरी जगहों पर भेजना पड़ा है। मुंबई के अलावा उत्तराखंड में मानसून की तेज बारिश अब आफत बन रही है। चमोली जिले के ज्योतिर्मठ क्षेत्र में मलबा कुछ घरों मेें भारी मलबा घुस गया। वहीं बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने से चारधाम यात्रा भी प्रभावित हुई और कई वाहन रास्ते में फंस गए। एक अन्य पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी बारिश का कहर दिख रहा है।

हिमाचल प्रदेश में मानसून की शुरुआत के साथ भारी बारिश और भूस्खलन से कई जिलों में व्यापक नुकसान हुआ है।

लाहौल-स्पीति में दो और चंबा में एक स्थान पर बादल फटने से सड़कें, फसलें और संपर्क मार्ग प्रभावित हुए। मंडी जिले में पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार 35 सड़कें बंद हैं और 127 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। उत्तराखंड के पांच जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बाकी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक फिलहाल बारिश से निजात मिलने के आशार नहीं है।

सामान्य से 251 फीसदी अधिक बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल में 30 जून की रात से एक जुलाई की शाम तक प्रदेश में सामान्य से 251 फीसदी अधिक बादल बरसे। इस अवधि में 4.1 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया है, जबकि 14.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। बिलासपुर में सामान्य से 308, चंबा में 544, हमीरपुर में 305, कांगड़ा में 572, कुल्लू में 501, मंडी में 171, शिमला में 11, सोलन में सात और ऊना में 3 फीसदी अधिक बारिश हुई। किन्नौर में सामान्य से 100, लाहौल–स्पीति में 64 और सिरमौर में 69 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर

असम के छह जिलों में 46,938 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, जबकि 3,809 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि पानी में डूब गई है। धेमाजी, लखीमपुर, बिस्वनाथ, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़ और चिरांग जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं। इन जिलों के 10 राजस्व सर्किलों के 221 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अरुणाचल प्रदेश में भी हालात नाजुक हैं। कई इलाकों का संपर्क कटने की भी खबर है। एक दिन पहले यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और किरेन रिजिजू बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने पहुंचे थे।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने खरगे की जगह सलमान खुर्शीद जाएंगे ईरान

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे स्वयं कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए उन्होंने उन्हें आधिकारिक रूप से नामित किया है। कांग्रेस के विदेश मामलों के विभाग के प्रमुख सलमान खुर्शीद ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि उसी दिन वह शाम चार बजे रवाना होने वाली विशेष उड़ान से तेहरान जाएंगे और खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े सभी कार्यक्रमों में शामिल होने का प्रयास करेंगे। ईरानी अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है कि वह कांग्रेस अध्यक्ष और कांग्रेस की ओर से इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार समारोह के लिए कई लोगों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन सीटों और प्रतिनिधिमंडल के आकार की सीमाएं हैं। ऐसे में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि और कौन-कौन लोग यात्रा में शामिल होंगे।

ओम बिरला बंगाल के विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तीन जुलाई (शुक्रवार) को कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। लोकसभा सचिवालय के अनुसार इस दो दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य नए विधायकों को विधायी और संसदीय कार्यप्रणाली की बारीकियों से परिचित कराना है। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र बोस, राज्य के संसदीय कार्य मंत्री डॉ. शंकर घोष और विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी सहित कई गणमान्य जन मौजूद रहेंगे।

सिया और चेतन का 'सच से सामना कराएगी' लोनावाला पुलिस

पुणे। पुणे हत्याकांड मामले में एक अहम मोड़ आया है। लोनावला ग्रामीण पुलिस व्यवसायी केतन अग्रवाल की हत्या के आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी का पॉलीग्राफ परीक्षण कराने के लिए अदालत से अनुमति लेने की तैयारी कर रही है। क्योंकि जांचकर्ताओं का मानना है कि अपराध से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य अभी भी छिपाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अधिकारियों के अनुसार, पुलिस सिया गोयल को पुणे में उस जगह ले गई, जहां उसने और चेतन चौधरी ने कथित तौर पर केतन अग्रवाल को चट्टान से नीचे धकेलने की रिहर्सल की थी। लोनावला ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ के दौरान कथित तौर पर महत्वपूर्ण जानकारी छुपाई है। सच्चाई का पता लगाने और उनके बयानों की पुष्टि करने के लिए, पुलिस पॉलीग्राफ परीक्षण के लिए अदालत से अनुमति लेने की योजना बना रही है। चल रही जांच के तहत, पुलिस गुरुवार को मुख्य आरोपी सिया गोयल को पंचनामा (घटनास्थल और साक्ष्यों का आधिकारिक दस्तावेजीकरण) प्रक्रिया पूरी करने के लिए उसके आवास पर ले गई।

यूपी पुलिस में रिकार्डतोड़ तबादले, 125 डिप्टी एसपी इधर से उधर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस में रिकॉर्डतोड़ फेरबदल किए गए हैं। गुरुवार को एक साथ 125 डिप्टी एसपी अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है। इनमें वो सभी अधिकारी शामिल हैं, निरीक्षक से डिप्टी एसपी के पद पर प्रमोशन दिया गया है। जारी तबादला सूची के अनुसार विभिन्न जनपदों, पुलिस कमिश्नरेट, पीएसी, एटीएस, रेलवे पुलिस तथा अन्य इकाइयों में तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस व्यापक तबादले का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और प्रशासनिक कार्यों में गति लाना बताया जा रहा है। शासन के आदेश के बाद सभी स्थानांतरित अधिकारियों को शीघ्र नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी सूची के अनुसार, कमलेश कांत का तबादला मुरादाबाद से गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट किया गया है, जबकि सुनील कुमार सिंह को भदोही से बिजनौर भेजा गया है। अरुण कुमार शुक्ला को गोंडा से कौशांबी, मुकेश कुमार त्यागी को सहारनपुर से 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद तथा जावेद इकबाल खान को खीरी से 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र में नई तैनाती दी गई है।

● 'छोटी बहन' पीएम ताकाइची से द्विपक्षीय वार्ता के बाद पीएम मोदी बोले

'ये भारत-जापान के बीच नए अध्याय की शुरुआत'

'प्रधानमंत्री ताकाइची और मेरा विश्वास है कि टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी।'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम साने ताकाइची ने एक साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान भारत के पीएम ने दोनों देशों की साझेदारी को और सुदृढ़ करने का संकल्प दिखाया। पीएम ताकाइची को प्रधानमंत्री ने छोटी बहन कह कर संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वागत करते हुए कहा, 'भारत-जापान शिखर सम्मेलन के लिए छोटी बहन प्रधानमंत्री ताकाइची का भारत में अपनी पहली यात्रा पर स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री भी हैं और एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता भी हैं। प्रधानमंत्री ताकाइची और मेरा विश्वास है कि टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी विजन को साकार करने के लिए, आज एआई के क्षेत्र में हमने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी किया है।' भारत के पीएम ने आगे कहा, 'ताकाइची नारा प्रीफेक्चर से आती हैं, जो साझा बौद्ध विरासत का केंद्र है। जी7 में मैंने कहा था कि उथल पुथल के माहौल में यह एक वैश्विक स्ट्रेटजिक एसेट है। भारत-जापान की साझेदारी इस कसौटी पर खरी उतरती है। पिछले कई दशकों में ऑटोमोटिव से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक में जापान ने भारत की ग्रोथ स्टोरी का अहम हिस्सेदार बनकर दोस्ती और विश्वास की एक अमूल्य पूंजी बनाई है। आज ताकाइची की यात्रा से हम अपनी स्पेशल स्ट्रेटजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप के नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं।'

पीएम ने दोनों ही देशों को आर्थिक तौर पर काफी मजबूत बताते हुए आगे कहा, कि आज भारत और जापान दोनों ही विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से हैं। एक स्वतंत्र, समृद्ध और नियम आधारित इंडो पैसिफिक हमारी साझा प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने तकनीकी क्षेत्र में हो रहे निवेश की चर्चा की। आगे कहा, 'जापान की प्रीसिजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति और शक्ति देगा। डिफेंस के क्षेत्र में आज हमने भारत और जापान के पहले को-डेव्लेपमेंट प्रोजेक्ट पर समझौता किया है। भारत और जापान की निवेशक के तौर पर साझेदारी निरंतर सुदृढ हो रही है। पिछले 1 वर्ष में करीब 120 नए व्यावसायिक समझौते हुए हैं, जिनसे भारत में 10 बिलियन डॉलर से अधिक जापानी निवेश आएगा।'

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

30 जुलाई को होगा मतदान

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 30 जुलाई को मतदान होगा और 3 अगस्त को परिणाम घोषित किए जाएंगे। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुसार, बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होगा। इसके लिए 6 जुलाई को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। 13 जुलाई नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिर तारीख है और 14 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख 16 जुलाई तय की गई है। मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर राजेंद्र भारती की सदस्यता निलंबित किए जाने के बाद उपचुनाव होगा। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने भाजपा के नरोत्तम मिश्रा को 7 हजार से अधिक वोटों के अंतर से हराया था। राजेंद्र भारती को कुल 88,977 वोट मिले, जबकि नरोत्तम मिश्रा के पक्ष में 81,235 लोगों ने मतदान किया। हालांकि, इसी साल एक फर्जीवाड़े के मामले में राजेंद्र भारती को दोषी ठहराया गया, जिसके बाद उन्हें दतिया सीट से अयोग्य घोषित किया गया।

खेड़ा LCB या 'करप्शन ब्रांच'?

अहमदाबाद ट्रांसफर होने के बाद भी केवल वेकरिया किस 'जुगाड़' से टिके रहे? मुख्य सिंडिकेटर मुकेश बारोट और जयेश रबारी की जुगलबंदी ने पूरे जिले को सट्टेबाजों-तस्करों के हवाले किया!

कागज़ पर सिंघम जैसा पराक्रम, पर्दे के पीछे बुटलेगरों के साथ अरबों की 'सेटिंग'

महानगर मेट्रो विशेष खोजी रिपोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नडियाद। नडियाद सहित पूरे खेड़ा जिले की कानून-व्यवस्था इस समय पूरी तरह भगवान भरोसे है। जिस लोकल क्राइम ब्रांच पर जिले में अपराध और अपराधियों को कुचलने की मुख्य जिम्मेदारी है, वह आज जनता की नजरों में 'लोकल करप्शन ब्रांच' बन चुकी है। जून महीने के ऑन-रिकॉर्ड आंकड़ों को मीडिया में चमकाकर अपनी पीठ थपथपाने वाली खेड़ा एलसीबी का असली चेहरा यदि रेंज आईजी या राज्य के डीजीपी निष्पक्षता से जांच लें, तो खाकी की आड़ में चल रहे इस संगठित काले साम्राज्य का ऐसा सनसनीखेज पर्दाफाश होगा कि पूरा महकमा दहल उठेगा। चर्चा है कि स्टेट मॉनिटरिंग सेल (स्म्स्ट) के ताबड़तोड़ छापों से अपनी खाल बचाने और उच्च अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकने के लिए ही एलसीबी ने इस तथाकथित 'विशेष परफॉर्मेंस' का ढोंग रचा है।

तबादला रद्द होने का रहस्य क्या? वेकरिया-बारोट की अटूट 'सिंडिकेट'

खेड़ा पुलिस महकमे में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला सवाल यह उठ रहा है कि एलसीबी में पिछले करीब 5 से 6 साल से जमे बैठे पुलिस इंस्पेक्टर के.आर. वेकरिया का जब अहमदाबाद ट्रांसफर कर दिया गया था, तो ऐसी कौन सी राजनीतिक छत्रछाया या 'आर्थिक महासेटिंग' थी जिसके दम पर उनका तबादला रद्द हो गया और वे ठोक-बजाकर फिर से उसी मलाईदार सीट पर बैठ गए? इतना ही नहीं, एलसीबी में सेकंड पीआई के तौर पर जिले के मुख्य 'वहीवटदार'

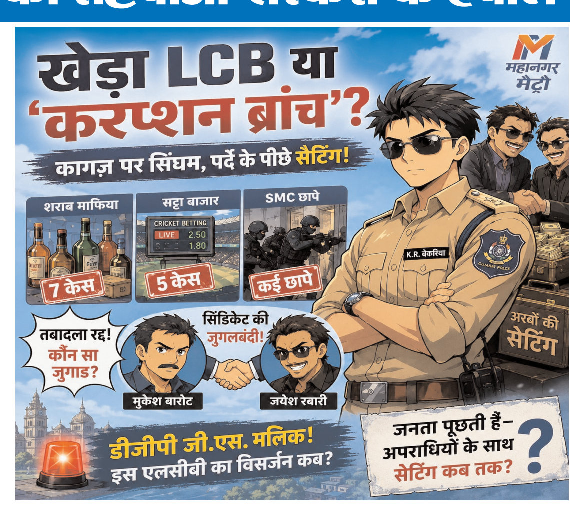

(लेनदेन के सिंडिकेटर) माने जाने वाले मुकेश बारोट को खुफिया पोस्टिंग देकर पूरे जिले में व्यवस्थित तरीके से भ्रष्टाचार की एक ऐसी सिंडिकेट बना दी गई है, जो सीधे एसपी विजय पटेल के सिर पर बैठकर राज कर रही है।

चेन स्नैचिंग और मातर फायरिंग केस में 'जोड़-तोड़' का गंदा खेल!

एलसीबी ने नडियाद पश्चिम इलाके में हुई चेन स्नैचिंग की वारदात को सुलझाने का बड़ा दावा ठोका है, लेकिन इस मामले में पर्दे के पीछे क्या खेल हुआ और कितने का लेन-देन हुआ, इसकी जांच हो तो चौंकाने वाले सच सामने आएंगे। ठीक इसी तरह, मातर में एक रिटायर्ड पीएसआई के घर पर हुए हमले और फायरिंग जैसी अति गंभीर वारदात को दबाने के पीछे भ्रष्ट वेकरिया, मुकेश बारोट और डिफॉल्टर जयेश रबारी ने पर्दे के पीछे रहकर क्या खिचड़ी पकाई? बुटलेगरों (शराब तस्करों) की गोदी में बैठे ये अफसर कानून-व्यवस्था को ताक पर रखकर अपराधियों को वीआईपी प्रोटेक्शन दे रहे हैं।

शराब की नदियों के बीच एलसीबी की 'गांधीगिरी', बड़े लट्ठाकांड की आशंका!

पूरे खेड़ा जिले की सीमाओं में देसी-विदेशी शराब की नदियां बह रही हैं, लेकिन एलसीबी ने अपनी पूरी जून महीने की बहादुरी में विदेशी शराब के सिर्फ 7 और देसी शराब का महज 1 केस दर्ज कर इतिश्री कर ली! इसके उलट, इसी जून महीने में स्टेट मॉनिटरिंग सेल (स्म्स्ट) ने जिले में कितने बड़े छापे मारे, अगर उसका हिसाब निकाला जाए तो एलसीबी की निष्क्रियता की धज्जियां उड़ जाएंगी। वडताल का गुताल, चकलासी का चलाली, महेमदाबाद का बोडीरोजी, नडियाद टाउन का मलारपुरा व खाड, और कठलाल के काकरखाड से इन भ्रष्ट वहीवटदारों की शह पर देसी शराब की खेप ट्रेनों, बसों और निजी गाड़ियों के जरिए धड़ल्ले से अहमदाबाद और वडोदरा भेजी जा रही है। इस सिंडिकेट का यह लालच किसी दिन जिले में बड़े लट्ठाकांड (जहरीली शराब कांड) को दावत देगा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता।

सट्टा बाज़ारों से आंखें मूंदीं, हर महीने करोड़ों की वसूली का फिक्स नेटवर्क

चकलासी, महेमदाबाद, नडियाद टाउन और नडियाद रूरल की सरहदों में पुलिस की मेहरबानी से बड़े-बड़े जुए और सट्टे के अड्डे धमक रहे हैं, लेकिन एलसीबी ने जून में सट्टेबाजी और क्रिकेट सट्टे के नाम पर सिर्फ 5 केस दिखाकर अपनी ड्यूटी पूरी कर ली। असलियत यह है कि एलसीबी के शोपीस बन चुके पीआई केवल वेकरिया, मुकेश बारोट, पीएसआई चंपावत और टाउन के शातिर वहीवटदार सुभाष ने इस समय अवैध लेन-देन के लिए फर्जी अर्जियां (शिकायतें) खड़ी करवाकर 'जोड़-तोड़' की दुकानें खोल रखी हैं।

डीजीपी जी.एस. मलिक साहब! इस भ्रष्ट एलसीबी का विसर्जन कब?

गुजरात के ईमानदार और कड़क डीजीपी जी.एस. मलिक अगर खेड़ा एलसीबी के इन दोनों पीआई के.आर. वेकरिया और एम.जे. बारोट की सर्विस शीट मंगवा लें और उनके कार्यकाल में पड़े एसएमसी के छापों की लिस्ट देख लें, तो इस पूरी टीम को तत्काल सस्पेंड कर पूरी एलसीबी का विसर्जन करना पड़ जाएगा। कागजों पर खुद को शेर दिखाने वाली इस क्राइम ब्रांच की अगर किसी केंद्रीय एजेंसी से 'मासिक हफ्ता वसूली' की जांच करा ली जाए, तो भ्रष्टाचार का यह रेला डिफॉल्टर जयेश रबारी से शुरू होकर गांधीनगर के कई बड़े आकाओं के बंगलों तक पहुंचेगा! मेट्रो का सीधा सवालः खेड़ा जिले की जनता को अपराधियों, बुटलेगरों और सटोरियों के रहमोकरम पर छोड़ने वाले इन खाकीधारी माफियाओं पर राज्य सरकार कब हंटर चलाएगी?

सिद्धांतों का चीरहरण या करोड़ों का घोटाला?

करजण में अक्षय पटेल का 'दलबदलू' इतिहास और रेत-मिट्टी खनन में रॉयल्टी चोरी का महापर्दाफाश!

महानगर मेट्रो विशेष खोजी रिपोर्ट

सत्ता की आड़, रेत पर वार! जनता से विश्वासघात?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजण। लोकतंत्र में मतदाता एक पवित्र उम्मीद के साथ वोट देता है, लेकिन जब कोई नेता अपने निजी स्वार्थ के लिए जनमत के टुकड़े-टुकड़े कर दे, तो जनता खुद को ठगा हुआ महसूस करती है। करजण विधानसभा सीट से विधायक अक्षय पटेल (अक्षयकुमार ईश्वरभाई पटेल) का राजनीतिक इतिहास किसी आदर्श जननायक का नहीं, बल्कि सत्ता के इर्द-गिर्द घूमने वाले, दलबदल करने वाले और अपने ही क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा को बेरहमी से लूटने वाले राजनेता का रहा है। आज करजण की जनता इनके अधूरे वादों और भ्रष्टाचार के इस खेल को देखकर आक्रोश में है।

2017 में जिस पार्टी के भरोसे जीते, 2020 में उसी की पीठ में घोंपा खंजर!

साल 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में करजण की जनता ने भाजपा शासन के खिलाफ गुस्सा दिखाते हुए अक्षय पटेल को कांग्रेस के टिकट पर जिताया था। जनता को उम्मीद थी कि अक्षय पटेल विपक्ष में रहकर सरकार के सामने जनता की आवाज बुलंद करेंगे। लेकिन, जून 2020 में राज्यसभा चुनाव आते ही अक्षय पटेल का 'इमश्चड्डह्लद्ध' डगमगा गया। रातों-रात कांग्रेस और विधायकी पद से इस्तीफा देकर वे भाजपा की शरण में चले गए। यह कोई वैचारिक बदलाव नहीं था, बल्कि सत्ता की मलाई खाने की लालसा थी, जिसने करजण की जनता पर एक बेवजह के उपचुनाव का आर्थिक बोझ थोप दिया।

नदियों का सीना चीरा: रेत और मिट्टी खनन का खूनी खेल!

अक्षय पटेल
विधायक करजन

अक्षय पटेल के संरक्षण में आज करजण क्षेत्र में सबसे बड़ा काला कारोबार फल-फूल रहा है–अवैध रेत और मिट्टी का खनन! स्थानीय लोगों के गंभीर आरोपों के मुताबिक, विधायक की सीधी छत्रछाया में करजण की पवित्र नदियों और सरकारी जमीनों का सीना दिन-रात चीरा जा रहा है। अवैध रूप से चल रहीं हिताची मशीनें और ओवरलोडेड डंपर कुदरती संपदा को बेरहमी से निगल रहे हैं। यह तबाही सिर्फ पर्यावरण को ही नुकसान नहीं पहुंचा रही, बल्कि नदी किनारे बसे गांवों के अस्तित्व के लिए भी बड़ा खतरा बन चुकी है।

सरकारी खजाने पर डाका: करोड़ों रुपये की रॉयल्टी चोरी का सिंडिकेट!

इस अवैध खनन के पीछे सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं हो रहा, बल्कि सरकारी खजाने को भी करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। सरकारी कागजों पर अंधेरा रखकर, बिना टैक्स और रॉयल्टी चुकाए करोड़ों रुपये सीधे निजी जेबों में जा रहे हैं। जो पैसा जनता के विकास, स्कूल और अस्पतालों के लिए इस्तेमाल होना चाहिए था, वह आज रॉयल्टी चोरी के रास्ते सिंडिकेट के आकाओं के घर पहुंच रहा है। इतना बड़ा घोटाला होने के बावजूद प्रशासन ने आंखें मूंद रखी हैं, जिसका सीधा कारण है–विधायक का वरदहस्त!

तानाशाही रवैया और मूल कार्यकर्ताओं में सुलगता आक्रोश!

भाजपा में शामिल होने के बाद भी अक्षय पटेल अपनी पुरानी तानाशाही आदतों को छोड़ नहीं पाए हैं। करजण भाजपा के जमीनी और निष्ठावान कार्यकर्ता आज इस 'आयातित नेता' के अहंकार और मनमानी से त्रस्त हैं। विकास के नाम पर सिर्फ अपनी पीठ थपथपाना, जर्जर सड़कों और खस्ताहाल स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाली पर पर्दा डालना और खनन माफियाओं को खुली छूट देना ही अक्षय पटेल की राजनीति का असली चेहरा बन चुका है।

जनता कब तक सहेगी यह जुल्म?

पार्टी बदलकर और सत्ता के दम पर बार-बार चुनाव जीतना मुमकिन हो सकता है, लेकिन जनता के दिलों में जगह नहीं बनाई जा सकती। सिद्धांतों को ताक पर रखने वाली राजनीति और प्रकृति को लूटकर करोड़ों की रॉयल्टी चोरी करने वालों का हिसाब करजण की जनता आने वाले वक्त में जरूर चुकता करेगी, क्योंकि लोकतंत्र में आखिरी फैसला जनता की अदालत में ही होता है!

किसानों और स्थानीय युवाओं के साथ सिर्फ छलावा?

अक्षय पटेल खुद को 'किसान नेता' बताते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि करजण-पोर क्षेत्र के किसान आज भी सिंचाई के पानी के लिए तरस रहे हैं। अंधाधुंध अवैध खनन के कारण भूजल स्तर (वाटर लेवल) लगातार नीचे गिर रहा है, जिससे खेती बर्बाद हो रही है। इसके अलावा, क्षेत्र के उद्योगों में स्थानीय बेरोजगार युवाओं को 85' नौकरी देने का नियम सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। सत्तापक्ष का विधायक होने के बावजूद वे स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

भगवान जगन्नाथ जी की 149वीं रथ यात्रा के मौके पर एक बड़ा ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा सिर्फ़ एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि यह कौमी एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है। आज, यानी 2 जुलाई 2026, गुरुवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक, हर साल की तरह, अहमदाबाद के ऐतिहासिक जमालपुर इलाके में भगवान श्री जगन्नाथ जी की 149वीं रथ यात्रा के मौके पर एक बड़ा ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया। यह इंसानियत भरा प्रोग्राम अहमदाबाद सिटी पुलिस कमिश्नर, भगवान श्री जगन्नाथ जी मंदिर, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ-साथ हिंदू और मुस्लिम कम्युनिटी के नेताओं और सोशल वर्करों ने मिलकर ऑर्गनाइज़ किया था। इस ब्लड डोनेशन कैंप में हिंदू और मुस्लिम दोनों कम्युनिटी के लोगों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर ब्लड डोनेट किया और समाज में एकता का एक अनोखा मैसेज दिया। गणमान्य लोगों की शानदार मौजूदगी इस ब्लड डोनेशन कैंप में समाज और प्रशासन के कई नेता शामिल हुए और ब्लड डोनर्स का उत्साह बढ़ाया। जगन्नाथ मंदिर के महंत श्री दिलीप दासजी महाराज, मौलाना मोहम्मद हुसैन (मम्मी चाचा) और सुरक्षा के माहौल में प्रोग्राम को सफल बनाया। गायकवाड़ हवेली पुलिस स्टेशन और दानिलिमडा पुलिस स्टेशन की पीस कमेटी के सदस्यों के साथ-साथ सोशल वर्कर्स ने भी इस कैंप को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।डोनेशन कैंप में एकता का एक ही रंग, यानी इंसानियत का रंग भर दिया है।

कार और बाइक के बीच हुए भयानक एक्सीडेंट में दो गंभीर, प्रशासन की बड़ी लापरवाही पर लोगों में गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई के पास तरसाना चौकड़ी 'मौत का क्रॉसिंग' बनता दिख रहा है, क्योंकि यहां बार-बार एक्सीडेंट हो रहे हैं। आज सुबह-सुबह उसी जगह पर एक कार और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस भयानक एक्सीडेंट में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक्सीडेंट होते ही स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और घायलों को इलाज के लिए डभोई के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां यह बताना जरूरी है कि तरसाना चौकड़ी वडोदरा, डभोई, वाघोडिया और बोडेली को जोड़ने वाला एक बहुत ही महत्वपूर्ण चौराहा है। इस मुख्य सड़क पर भारी वाहनों सहित सैकड़ों छोटी और बड़ी गाड़ियां 24 घंटे चलती हैं। इतना ज़रूरी और बिज़ी चौराहा होने के बावजूद, ज़िम्मेदार अधिकारियों की बड़ी लापरवाही की वजह से यहाँ कोई सिक्योरिटी की सुविधा नहीं बनाई गई है, जिसकी वजह से यह पूरा इलाका अब एक्सीडेंट ज़ोन बन गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस चौराहे पर गाड़ी चलाने वालों को चेतावनी देने के लिए कोई साइन बोर्ड नहीं लगाया गया है। रात में गाड़ी चलाने वालों को मोड़ या गोल घेरे दिखें, इसके लिए रेडियम स्ट्रिप भी नहीं हैं, और न ही स्पीड ब्रेकर पर सफ़ेद पट्टियाँ पेंट की गई हैं। इतना ही नहीं, चारों सड़कों पर ब्लिंकर लाइट (सिग्नल लाइट) का भी कोई इंतज़ाम नहीं है। इन बेसिक सुविधाओं की कमी की वजह से अनजान गाड़ी चलाने वाले आखिरी समय में गाड़ी पर से कंट्रोल खो देते हैं और एक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं। आज का एक्सीडेंट भी अधिकारियों की इसी सुस्ती का नतीजा है। लगातार हो रहे एक्सीडेंट की वजह से अब इस सड़क से गुज़रने वाले गाड़ी चलाने वालों में डर का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों में यह बात गूंज रही है कि क्या एडमिनिस्ट्रेशन किसी बेकसूर नागरिक की जान जाने का इंतज़ार कर रहा है? अधिकारी आंखें मूंदे क्यों हैं? इससे पहले कि कोई बड़ी जान जाए या किसी परिवार का चिराग बुझ जाए, लोगों की मांग ज़ोर पकड़ रही है कि प्रशासन अपनी नींद से जागे और तुरंत तरसाना चौराहे पर सही ट्रैफिक मैनेजमेंट, स्पीड ब्रेकर, ब्लिंकर लाइट और रेडियम साइनबोर्ड लगाए।

डभोई तालुका में हसपुरा-पुडा के पास पीने के पानी का वाल्व लीकेज: हर दिन नालियों में हजारों गैलन पानी बर्बाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। एक तरफ लोग गर्मी के मौसम में या आम दिनों में भी पीने के पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सरकार प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। डभोई तालुका में हसपुरा और पुडा गांवों के पास पीने के पानी की मेन लाइन का वाल्व पिछले कुछ समय से लीक हो रहा है। इस लीकेज की वजह से हर दिन हजारों गैलन साफ पीने का पानी पास की खाइयों और नालों में बहकर बर्बाद हो रहा है।

अधिकारियों की लापरवाही, जनता परेशान

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जल आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बड़ी लापरवाही की वजह से यह गंभीर स्थिति पैदा हुई है। साफ और फिल्टर किया हुआ पीने का पानी सड़क पर और खाइयों में बह रहा है, जिससे न सिर्फ पानी की बर्बादी हो रही है, बल्कि आसपास के इलाकों में गंदगी और मच्छरों का प्रकोप बढ़ने का भी डर है। सरकार के दावे खोखले एक तरफ गुजरात सरकार 'पानी ही जीवन है' और 'पानी की हर बूंद बचाओ' के बड़े-बड़े कैंपेन चला रही है, वहीं दूसरी तरफ सरकारी अधिकारियों की सुस्ती की वजह से डभोई तालुका में लाखों लीटर पानी खुलेआम बर्बाद हो रहा है।

डभोई तालुका में लगातार हो रही घटनाएं

स्थानीय लोगों में गुस्सा है कि डभोई तालुका में पानी की पाइपलाइन या वाल्व लीकेज की यह पहली घटना नहीं है। ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। इसके बावजूद, जिम्मेदार इंजीनियर या अधिकारी जल्दी क्यों नहीं जागते? लाइन का रेगुलर मेंटेनेंस या मॉनिटरिंग क्यों नहीं हो रही? यह एक बड़ा सवाल है।

जनता की जल्द मरम्मत की मांग

अगर इस लीक हो रहे वाल्व की मरम्मत का काम जल्द से जल्द हो जाए, तो रोजाना हजारों लीटर साफ पानी बर्बाद होने से रोका जा सकता है और लोगों को सही प्रेशर से पानी मिल सकता है। हसापुरा और आसपास के इलाकों के गांव वालों की मांग है कि बड़े अधिकारी इस मामले पर तुरंत ध्यान दें और अपनी नींद से जागकर इस लीकेज को जल्द से जल्द बंद करवाएं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर इदर में BJP का बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन: हॉल खचाखच भरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इदर,साबरकांठा। राष्ट्रवाद और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने साबरकांठा जिला लेवल का एक बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन इदर में किया। इदर-हिम्मतनगर हाईवे पर CTRM होटल के हॉल में हुए इस सम्मेलन में BJP कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में ज़बरदस्त उत्साह देखा गया।

बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी

इस सम्मेलन में जिला और तालुका लेवल के अलग-अलग मोर्चों के पदाधिकारी और ज़मीनी कार्यकर्ता इतनी बड़ी संख्या में मौजूद थे कि होटल का बड़ा हॉल खचाखच भरा हुआ था। पूरे प्रोग्राम को प्रेमलभाई देसाई ने सफलतापूर्वक और दिलचस्प तरीके से मैनेज किया। साबरकांठा जिले के जाने-माने नेता मौजूद रहे कॉन्फ्रेंस को सफल बनाने के लिए जिला BJP अध्यक्ष कनुभाई पटेल, साबरकांठा प्रभारी बृजराजसिंह झाला, राज्य कार्यकारिणी सदस्य बाबूभाई जेबालिया और हितेशभाई पटेल, और प्रांतीय MLA गजेंद्रसिंह खास तौर पर मौजूद रहे। इसके अलावा, जिला महासचिव बिपिनभाई ओझा, जिला पंचायत अध्यक्ष रीनाबेन पटेल, पूर्व तालुका पंचायत अध्यक्ष कांतिभाई पटेल, इदर नगर पालिका अध्यक्ष अनसुयाबेन पटेल, इदर तालुका BJP अध्यक्ष दिनेशभाई पटेल, शहर BJP अध्यक्ष कृणाल कंसारा, वडाली तालुका BJP अध्यक्ष कनुभाई पटेल, गिरीशभाई ब्रह्मभट्ट, वडाली शहर अध्यक्ष प्रद्युम्नसिंह चंपावत, विपुलभाई लोनवाला, केशुभाई रबारी, दीवानजी ठाकोर, तरुणभाई पटेल और तालुका महासचिव केवलभाई पटेल मौजूद थे। लघुमती मोर्चा अध्यक्ष जाकिर एस. मेमन के साथ-साथ जिले की अलग-अलग नगर पालिकाओं पंचायतों के अध्यक्ष, सदस्य और बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद थे। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवाद को याद करके संगठन को मज़बूत करने की अपील की।

---

16 लाख रुपये से ज़्यादा कीमत की विदेशी शराब के साथ इनोवा कार ज़ब्त

वडोदरा PCB का भंडाफोड़शराब तस्करों में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा सिटी पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर शराबबंदी की गतिविधियों को खत्म करने के लिए एक्शन में आई PCB (पुलिस कंट्रोल रूम) ब्रांच को एक बड़ी कामयाबी मिली है। सूचना के आधार पर, वडोदरा PCB स्टाफ ने निगरानी रखी और एक लग्ज़री इनोवा कार से 16 लाख रुपये से ज़्यादा कीमत की विदेशी शराब ज़ब्त की और शराबबंदी के जुर्म का पर्दाफ़ाश किया।

सूचना के आधार पर PCB ने निगरानी रखी

मिली जानकारी के मुताबिक, PCB पुलिस को खास और प्राइवेट जानकारी मिली थी कि एक सफेद रंग की इनोवा कार में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की तस्करी वडोदरा शहर में की जा रही है। इस सूचना के आधार पर, PCB टीम ने कड़ी चेकिंग और निगरानी रखी। इसी बीच, पुलिस ने सूचना के मुताबिक संदिग्ध इनोवा कार को घेर लिया और उसे रोक लिया। इनोवा कार में भारी मात्रा में विदेशी शराब मिली जब पुलिस ने इनोवा कार की तलाशी ली, तो अधिकारी भी हैरान रह गए। कार के अंदर, सीक्रेट कम्पार्टमेंट और सीटों के पीछे भारत में बनी विदेशी शराब की छोटी और बड़ी बोतलें और बीयर के टिन छिपाए गए थे। पुलिस ने कार से अलग-अलग ब्रांड की कुल 16 लाख रुपये से ज़्यादा की विदेशी शराब ज़ब्त की है।

गैर-कानूनी सामान ज़ब्त करने के बाद आगे की कार्रवाई की गई है

इस पूरे ऑपरेशन के दौरान, PCB पुलिस ने लाखों रुपये की विदेशी शराब के साथ-साथ तस्करी के लिए इस्तेमाल की गई इनोवा कार समेत गैर-कानूनी सामान भी ज़ब्त किया है। पुलिस ने इस दिशा में जांच शुरू कर दी है कि इतनी शराब कहां से लाई गई थी और वडोदरा में किस बूटलेगर को सप्लाई की जानी थी। वडोदरा PCB की इस कार्रवाई से लोकल बूटलेगरों और शराब तस्करों में भारी हलचल मच गई है।

बिरलाग्राम नागदा: वार्ड 26 की आंगनबाड़ी में बच्चों को पिलाई गई 'दो बूंद जिंदगी की', इंद्र फाउंडेशन ने बांटे बिस्कुट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। जीवनलाल जैन। देश को पूरी तरह से पोलियो मुक्त बनाने के उद्देश्य से संपूर्ण भारत में चलाए जा रहे राष्ट्रीय अभियान के तहत बिरलाग्राम नागदा के वार्ड क्रमांक 26 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर पल्स पोलियो अभियान का सफल आयोजन किया गया। अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के कुल 109 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई गई। यह अभियान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मीना पटेल, सहायिका मिथिलेश तिवारी और अध्यक्षा गोविंदकुंवर के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित इंद्र फाउंडेशन की अध्यक्षा रेखा इंद्र ने बच्चों को दवा

पिलाकर 'दो बूंद जिंदगी की' का संदेश दिया। अभियान को और अधिक उत्साही बनाने के लिए इंद्र फाउंडेशन की ओर से उपस्थित सभी बच्चों को बिस्कुट का वितरण भी किया गया। लायंस क्लब के सदस्य राजेश इंद्र ने गोद ली है यह आंगनबाड़ी उल्लेखनीय है कि इस आंगनबाड़ी केंद्र को समाजसेवी संस्था लायंस क्लब नागदा के सदस्य लायन राजेश इंद्र द्वारा गोद लिया गया है। उनके माध्यम से पूर्व में भी यहां बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, खिलौने, बिस्कुट और पौष्टिक आहार का वितरण किया जा चुका है। इतना ही नहीं, बच्चों के मनोरंजन के लिए आंगनबाड़ी में पहले भी बड़े खिलौने भेंट किए जा चुके हैं।

जल्द लगेंगे झूले और फिसलपट्टी

इंद्र फाउंडेशन की अध्यक्षा रेखा इंद्र ने इस अवसर पर बच्चों के सुनहरे भविष्य और उनके मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी केंद्र में बहुत जल्द फिसलपट्टी (स्लाइडर) और झूले लगवाने की घोषणा की। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी बच्चों की जरूरत के अनुसार संस्थान द्वारा यथासंभव मदद जारी रहेगी।

वार्ड पार्षद सहित कई गणमान्य नागरिक रहे उपस्थित

इस सेवा कार्य और राष्ट्रीय अभियान के दौरान वार्ड पार्षद संदीप चौधरी, वरिष्ठ महिला गीता देवी शर्मा, राधा सिंह, बालकृष्ण शर्मा, इंदौर से आई ममता साहू सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र की मातृशक्ति और वार्ड के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

अनुपम सिंह गहलोत नए अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर नियुक्त होम डिपार्टमेंट ने देर शाम ऑफिशियल ऑर्डर जारी किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एडमिनिस्ट्रेटिव और पुलिस बेड़े से एक बहुत ही ज़रूरी और बड़ी खबर सामने आई है। सीनियर IPS ऑफिसर अनुपम सिंह गहलोत को राज्य के सबसे अहम और मेगा सिटी अहमदाबाद का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। इस बारे में गुजरात सरकार के होम डिपार्टमेंट ने एक ऑफिशियल ऑर्डर जारी किया है। वह अब तक सूरत के पुलिस कमिश्नर के तौर पर सफलतापूर्वक काम कर रहे थे, जहाँ से अब उनका अहमदाबाद ट्रांसफर कर दिया गया है। यहां यह बताना ज़रूरी है कि अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर का यह ज़रूरी पोस्ट अहमदाबाद के पूर्व पुलिस कमिश्नर जी. एस. मलिक के गुजरात के परमानेंट डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस चुने जाने के बाद खाली हुई थी। आने वाले दिनों में रथ यात्रा समेत बड़े त्योहार आने वाले हैं, ऐसे में सरकार ने शहर में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था की स्थिति को और मज़बूत करने के लिए एक अनुभवी ऑफिसर को चुना है। अनुपम सिंह गहलोत 1997 बैच के टैलेंटेड ऑफिसर हैं नए पुलिस चीफ अनुपम सिंह गहलोत गुजरात कैडर के 1997 बैच के बहुत काबिल और सख्त IPS ऑफिसर हैं। उन्होंने पहले राजकोट, वडोदरा और हाल ही में सूरत जैसे राज्य के बड़े शहरों के पुलिस कमिश्नर के तौर पर बहुत अच्छा काम किया है। इसके अलावा, उन्होंने भावनगर और पाटन के SP के साथ-साथ वडोदरा रेंज और इंटेलिजेंस ब्यूरो पर भी अहम एडमिनिस्ट्रेटिव जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्हें पुलिस फोर्स में क्रिमिनल्स पर नकेल कसने, गैर-कानूनी कामों पर रोक लगाने और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने के लिए जाना जाता है। अब शहर की पुलिस को उनके बड़े अनुभव का फायदा अहमदाबाद जैसे बड़े शहर में क्राइम कंट्रोल और ट्रैफिक मैनेजमेंट को और मजबूत करने में मिलेगा।

तरसाना झील में मगरमच्छों का खौफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दभोई। तालुका के तरसाना में मछली पकड़ने से मौत झील में काले मुंह वाले मगरमच्छों की मौजूदगी के बावजूद मछुआरे अपनी जान जोखिम में डालकर पानी में उतर रहे हैं, प्रशासन किसी बड़ी आपदा का इंतजार करेगा। दभोई हाल के दिनों में राज्य भर में नदियों और झीलों में मगरमच्छों के हमला करने और लोगों को घसीटने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। दभोई तालुका के तरसाना गांव की झील में ऐसी ही भयावह और जानलेवा लापरवाही देखने को मिल रही है। झील में विशालकाय मगरमच्छों की मौजूदगी के बावजूद स्थानीय मछुआरे अपनी जान हथेली पर रखकर गहरे पानी में मछली पकड़ने

के लिए उतर रहे हैं। अब स्थानीय लोगों में यह सवाल उठ रहा है कि अगर कोई बड़ी आपदा आती है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? स्थानीय सूत्रों के अनुसार पांच दिन पहले ही तरसाना गांव में इस झील के किनारे एक विशालकाय मगरमच्छ को टहलते देखा गया था। आशंका जताई जा रही है कि झील में एक नहीं बल्कि कई मगरमच्छ हैं। मगरमच्छों की मौजूदगी के प्रत्यक्ष प्रमाण के बावजूद मछुआरे पूरी लापरवाही के साथ झील के गहरे पानी में जाल डाल रहे हैं। हर सुबह-शाम होने वाली यह जानलेवा हरकत कभी भी किसी की जान ले सकती है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में राज्य की अलग-अलग नदियों और झीलों में मगरमच्छों द्वारा जानवरों और लोगों को किनारे खींचकर ले जाने की घटनाएं लगातार अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं। ऐसे में, तरसाना गांव के मछुआरों के जानबूझकर मौत के मुंह में जाने के दृश्य सामने आए हैं। स्थानीय लोगों के मन में यह सवाल उठ रहे हैं कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अगर कोई मछुआरा झील में मगरमच्छ का शिकार हो जाता है, तो कौन जिम्मेदार होगा? प्रशासन, पंचायत या खुद मछुआरे जो अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, वे कब जागेंगे? क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना और किसी बेगुनाह की मौत का इंतजार कर रहा है? लालच या मजबूरी में जान बचाने का खेल खेल रहे इन मछुआरों को कौन रोकेगा? वन विभाग या स्थानीय प्रशासन उन्हें कानूनी तौर पर रोकने के लिए कोई सख्त कदम क्यों नहीं उठा रहा है? झील के आसपास चेतावनी और गश्त जरूरी है। गांव के जागरूक नागरिकों की मांग है कि वन विभाग और स्थानीय प्रशासन इस मामले में तुरंत दखल दे। झील के चारों ओर चेतावनी वाले बोर्ड लगाए जाने चाहिए, जिन पर लिखा हो, 'पानी में न जाएं क्योंकि वहां मगरमच्छ हैं' और गैर-कानूनी या खतरनाक तरीके से मछली पकड़ने पर तुरंत रोक लगानी चाहिए, ताकि समय रहते किसी बड़ी घटना से बचा जा सके।

संक्षिप्त न्यूज

अहमदाबाद में जुहापुरा-विशाला सर्किल के पास प्रशासन की बड़ी लापरवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जुहापुरा। अहमदाबाद के जुहापुरा विशाला सर्किल के पास ब्रिज निर्माण कार्य की लोहे की शीट पैदल यात्री पर गिर गई। हादसे में उसके कंधे में फ्रैक्चर हो गया। लोगों ने निर्माण एजेंसी और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

निष्पक्षता, सच्चाई और जनता की चिंताः 'महानगर मेट्रो' का पक्का इरादा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महानगर मेट्रो निष्पक्ष, तथ्यपरक और जनहित की पत्रकारिता के प्रति लगातार प्रतिबद्ध है। स्थानीय समस्याओं, प्रशासनिक कमियों और आमजन की आवाज को प्रमुखता से उठाते हुए अखबार समाज में जवाबदेही और जागरूकता का प्रयास करता है। फेक न्यूज के दौर में महानगर मेट्रो हर खबर की जांच के बाद पाठकों तक सही जानकारी पहुंचाने का संकल्प दोहराता है। पाठकों, वितरकों और शुभचिंतकों के विश्वास के साथ अखबार आगे भी सच्चाई की राह पर चलता रहेगा।

बचे बिस्किट-चायपत्ती ले जाने पर कर्मचारी बर्खास्त, हाईकोर्ट की फटकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सरकारी कार्यालय में बैठकों के बाद बची चायपत्ती और बिस्किट घर ले जाने के आरोप में 17 साल से कार्यरत चपरासी रंजीत कुमार को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। मामला हाईकोर्ट पहुंचने पर अदालत ने विभाग की कार्रवाई को कठोर बताते हुए फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने कहा कि छोटी-सी बात पर गरीब कर्मचारी और उसके परिवार का भविष्य बर्बाद करना उचित नहीं है। अदालत ने मामले में मानवीय और न्यायसंगत दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए हैं।

जेतपुर में किसान आंदोलन तेज, बारिश में भी धरना जारी रखने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। मोरबी के जेतपुर में किसानों का आंदोलन तेज हो गया है। आंदोलनकारियों ने बारिश के मौसम में धरना जारी रखने के लिए वॉटरप्रूफ डोम तैयार करना शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि यह लड़ाई अब पूरे गुजरात के किसानों की है। बिजली कंपनियों और राज्य सरकार के खिलाफ मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी गई है।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल डीजल के दाम घटाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल पर 5 रुपये और डीजल पर 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती की घोषणा की है। कंपनी के पंपों पर नई दरें तत्काल लागू होने की बात कही गई है। इससे वाहन चालकों और आम उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। ईंधन कीमतों में इस कमी के बाद लोगों ने सरकारी तेल कंपनियों से भी पेट्रोल-डीजल के दाम घटाकर जनता को राहत देने की मांग उठाई है।

अहमदाबाद के नए 'रक्षक': IPS अनुपम सिंह गहलोत के हाथों में कमान, अपराधियों में खौफ, जनता में विश्वास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र, मेगा सिटी अहमदाबाद के नए पुलिस कमिश्नर के रूप में 1997 बैच के जांबाज, कड़क और बेहद लोकप्रिय आईपीएस अधिकारी अनुपम सिंह गहलोत ने कमान संभाल ली है। गृह विभाग के इस फैसले से पूरे पुलिस महकमे और जनता में एक नया उत्साह देखा जा रहा है। अहमदाबाद जैसे संवेदनशील और विशाल क्षेत्र वाले शहर की कमान जब अनुपम सिंह जैसे अनुभवी अधिकारी के हाथों में सौंपी जाती है, तो यह केवल एक प्रशासनिक फेरबदल नहीं होता, बल्कि अपराधियों के लिए एक सख्त चेतावनी और आम नागरिकों के लिए सुरक्षा का पक्का भरोसा होता है। अनुपम सिंह गहलोत गुजरात पुलिस का एक ऐसा नाम हैं, जिसके जिक्र मात्र से ही असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच जाता है। 1997 में आईपीएस बनने के बाद उन्होंने गुजरात के कई जिलों और महानगरों में अपनी अद्वितीय सेवाएं दी हैं। गुजरात के लगभग सभी प्रमुख शहरों के पुलिस कमिश्नर रह चुके हैं। राजकोट, वडोदरा और हाल ही में सूरत के पुलिस कमिश्नर के रूप में उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। महत्वपूर्ण विभागों में कुशल नेतृत्व कमिश्नर पद के अलावा वे भावनगर और पाटन जैसे जिलों में एसपी के रूप में, वडोदरा रेंज के आईजी के रूप में और राज्य की सबसे महत्वपूर्ण खुफिया एजेंसी 'इंटेलिजेंस ब्यूरो' के प्रमुख के तौर पर भी शानदार सेवाएं दे चुके हैं। टेक्नोलॉजी के उस्ताद और आधुनिक पुलिसिंग के प्रणेता अनुपम सिंह गहलोत न केवल पारंपरिक पुलिसिंग में माहिर हैं, बल्कि स्मार्ट और आधुनिक टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल में भी हमेशा सबसे आगे रहे हैं। सूरत में सीसीटीवी नेटवर्क और ड्रोन सर्विलांसः सूरत के कमिश्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शहर को सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक सीसीटीवी कमांड कंट्रोल सिस्टम और ड्रोन तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया। साइबर क्राइम के खिलाफ सख्त मुहिमः डिजिटल युग में बढ़ते साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए उन्होंने सूरत और वडोदरा में विशेष साइबर सेल को मजबूत किया, जिसकी

मदद से लाखों रुपये की धोखाधड़ी के जटिल मामलों को सुलझाया गया। अपराधियों के लिए 'काल' और जनता के लिए 'मित्र' एक आईपीएस अधिकारी के रूप में अनुपम सिंह गहलोत की कार्यशैली के दो मुख्य पहलू हैं, जो उन्हें सबसे अलग बनाते हैं:

1. संगठित अपराध पर सर्जिकल स्ट्राइकः वे ब्याजखोरों, भू-माफियाओं, ड्रग्स तस्करों और महिलाओं से छेड़छाड़ करने वाले तत्वों के खिलाफ जरा भी ढिलाई नहीं बरतते। सूरत और राजकोट में उनके कार्यकाल के दौरान कई नामी गैंगस्टरों और बूटलेगरों को सलाखों के पीछे भेजा गया। अपराध मुक्त माहौल बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

2. कम्युनिटी पुलिसिंग (जन-उन्मुख प्रशासन): दूसरी तरफ, आम नागरिकों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए वे हमेशा सुलभ रहे हैं। 'पुलिस प्रजा की मित्र है' के नारे को उन्होंने जमीनी स्तर पर सच कर दिखाया है। रथयात्रा, दिवाली या गणेशोत्सव जैसे बड़े त्योहारों के दौरान वे खुद सड़कों पर उतरकर शांति समितियों के साथ बैठकें करते हैं और आपसी सौहार्द बनाए रखने में हमेशा सफल रहते हैं। अहमदाबाद जैसे मेगा सिटी में ट्रैफिक प्रबंधन, साइबर अपराध और आने वाले समय में होने वाली ऐतिहासिक जगन्नाथ जी की रथयात्रा का विशाल सुरक्षा बंदोबस्त नए कमिश्नर के लिए मुख्य चुनौतियां होंगी।अहमदाबाद की जनता को पूरा विश्वास है कि अनुपम सिंह गहलोत के नेतृत्व में शहर की शांति, सुरक्षा और समृद्धि को और मजबूती मिलेगी।

लेखन: विशेष संवाददाता, महानगर मेट्रो

जयपुर में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाईः भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सैकड़ों आंसू गैस के गोले दागे गए, अब स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में प्रदर्शन स्थल पर माहौल अचानक तनावपूर्ण होने के बाद एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। मामला तब बिगड़ा जब आरक्षण की मांग को लेकर जमा हुए प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस और STF की टीमों ने लाठीचार्ज किया और सैकड़ों आंसू गैस के गोले दागे गए। हालांकि, पता चला है कि पुलिस के सख्त रुख के बाद अब स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में है। मिली जानकारी के मुताबिक, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों के पदाधिकारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर विद्याधर नगर स्टेडियम में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के एक डेलीगेशन की दोपहर में सचिवालय में उच्च अधिकारियों के साथ मीटिंग भी हुई। मीटिंग के बाद जब नेता पंडाल लौटे और धरना खत्म करने पर बातचीत हो रही थी, तो भीड़ में से कुछ असामाजिक तत्व और युवा मुख्यमंत्री के घर को घेरकर वहीं डेरा डालने पर अड़ गए। इसी बीच, प्रदर्शनकारियों ने अचानक पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात बिगड़ते देख मौके पर तैनात ti और जवान तुरंत हरकत में आ गए। पुलिस ने गुस्साई भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और 70 से ज़्यादा आंसू गैस के गोले दागे और पूरे पंडाल को खाली करा लिया। भीड़ को आसपास के रिहायशी इलाकों में घुसने से रोकने के लिए सीकर रोड समेत सभी कनेक्टिंग रोड पर कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई थी।

पुलिस कमिश्नर मौके पर, 15 से ज़्यादा उपद्रवी गिरफ्तार

इस हिंसक हंगामे के बाद जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल और DCP नॉर्थ करण शर्मा बड़े अधिकारियों के साथ काफिले के साथ मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस ने आंदोलन के नेता

समेत 15 से ज़्यादा दंगाइयों को सरकारी काम में रुकावट डालने और तोड़फोड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया है और कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस की सतर्कता और सख्त कार्रवाई की वजह से फिलहाल पूरे इलाके में शांति का माहौल है और हालात पूरी तरह से काबू में हैं।

एक दिन में 1 करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे, गृह मंत्री अमित शाह 12 जुलाई को अभियान की शुरुआत करेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देश और दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग दिन-ब-दिन बढ़ रही है। शहरीकरण के साथ-साथ प्रदूषण की मात्रा भी लगातार बढ़ रही है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ रहा है। चूंकि ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण से लड़ने का एकमात्र उपाय पेड़ लगाना है, इसलिए अब एक ऐतिहासिक और सराहनीय अभियान शुरू किया गया है। गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र को पूरी तरह से हरा-भरा बनाने के लिए एक ही दिन में 1 करोड़ पेड़ लगाने का एक अद्भुत संकल्प लिया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह डिजिटल रूप से लॉन्च करेंगे

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए इस अभूतपूर्व अभियान की औपचारिक शुरुआत केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 12 जुलाई को करेंगे। इस अभियान के तहत, पूरे गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सभी गांवों, सोसायटियों, सार्वजनिक सड़कों और सरकारी कार्यालय परिसरों में बड़े पैमाने पर पेड़ लगाए जाएंगे। प्रशासन और संगठन का लीडरशिप प्लान एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में पौधे लगाकर पर्यावरण सुरक्षा का नया रिकॉर्ड बनाना है।

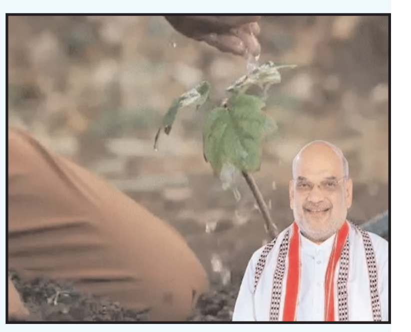

पौधे पाने के लिए प्रशासन द्वारा घोषित हेल्पलाइन नंबर

आम नागरिक, स्वयंसेवी संगठन और सामाजिक संस्थाएं भी इस जनभागीदारी अभियान में उत्साह के साथ शामिल हो सकें, इसके लिए खास इंतजाम किए गए हैं। जो भी नागरिक या संगठन अपने इलाके में पेड़ लगाने के लिए मुफ्त पौधे पाना चाहते हैं, वे सरकार और वन विभाग द्वारा घोषित ऑफिशियल कॉन्टैक्ट नंबर पर कॉल करके अपना नाम और पौधों की संख्या पहले से रजिस्टर करा सकते हैं। प्रशासन ने अपील की है कि इस 'ग्रीन कैंपेन' को सफल बनाने के लिए हर नागरिक कम से कम एक पेड़ जरूर लगाए और उसकी देखभाल करे।

बैंकॉक से ट्रॉली बैग में खाने के पैकेट में छिपाकर लाया गया 4.276 kg गांजा ज़ब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम्स डिपार्टमेंट की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की है। कस्टम्स डिपार्टमेंट ने बैंकॉक से आ रहे एक पैसेंजर से 4.276 द्मद्द हाई-क्वालिटी गांजा (मारिजुआना) ज़ब्त किया है। कस्टम्स टीम ने पैसेंजर को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। एयरपोर्ट पर कस्टम्स डिपार्टमेंट की एयर इंटेलिजेंस यूनिट टीम विदेश से आने वाले पैसेंजर्स पर कड़ी नज़र रख रही थी। इसी बीच, अधिकारियों को बैंकॉक से फ्लाइट से अहमदाबाद एयरपोर्ट पर उतरे एक पैसेंजर पर उसकी संदिग्ध हरकतों और प्रोफाइलिंग के आधार पर शक हुआ। इसलिए कस्टम्स टीम ने उसे ग्रीन चैनल पार करने से पहले ही रोक लिया और उससे कड़ी

पूछताछ और जांच शुरू कर दी। ट्रॉली बैग के खाने के पैकेट में मारिजुआना के 22 पैकेट मिले जब कस्टम अधिकारियों ने इस यात्री के ट्रॉली बैग की अच्छी तरह से तलाशी ली, तो वे भी हैरान रह गए। शरारती यात्री ने कस्टम चेकिंग से बचने के लिए ट्रॉली बैग के अंदर रखे खाने के सामान (फूडस्टफ) के पैकेट में यह नशीला पदार्थ छिपा रखा था। जब पुलिस ने खाने के सामान के पैकेट खोले, तो उनमें कुल 22 पैकेट मिले, जिनमें प्रतिबंधित ड्रग्स की मात्रा भरी हुई थी। कस्टम डिपार्टमेंट द्वारा जब्त की गई संदिग्ध मात्रा का तुरंत एयरपोर्ट पर फील्ड टेस्ट किट का इस्तेमाल करके टेस्ट किया गया।

नाडियाड के लिए दिल दहला देने वाला हादसा
अमेरिका के एक होटल में लगी भीषण आग में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाडियाड। विदेश में रहने वाले गुजरातियों के लिए एक और बहुत ही दुखद और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। अमेरिका के वॉर्सेस्टर शहर में लगी भीषण आग में दम घुटने से नाडियाड के एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दुखद मौत हो गई है। इस चौंकाने वाली घटना के बाद नाडियाड शहर में भारी अफरा-तफरी के साथ मातम का माहौल है।

आग से बचने के लिए बाथरूम में भरा धुआं

मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, नाडियाड का यह बढ़ई परिवार अमेरिका के वॉर्सेस्टर शहर के 'इकोनो लॉज' होटल में ठहरा हुआ था। इसी बीच किसी वजह से इस लॉज में अचानक भीषण आग लग गई। जैसे ही आग की लपटें और धुआं पूरी बिल्डिंग में फैला, पूरा परिवार जान बचाने के लिए कमरे के बाथरूम में भाग गया और दरवाजा बंद कर लिया। लेकिन

बदकिस्मती से, आग पर काबू पाने में देर हो गई, जिससे बाथरूम धुएं से भर गया और दम घुटने से तीनों सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई।

नाडियाड के सुथार परिवार ने तीन हीरे खो दिए

इस भयानक हादसे में अपनों को खोने वालों में नाडियाड के रहने वाले हितेशभाई सुथार, उनकी पत्नी हिनाबेन सुथार और उनकी लगभग 20 साल की मासूम बेटी ईशानी सुथार शामिल हैं। अमेरिका जैसे देश में बसे और सुनहरे भविष्य का सपना देखने वाले इस हंसते-खेलते परिवार के दुखद अंत से उनके होमटाउन नाडियाड में रहने वाले उनके रिश्तेदारों और चाहने वालों में गहरे दुख की लहर दौड़ गई है।

शापर-वेरावल में दिल दहला देने वाला मर्डर केसः इंस्टाग्राम की 'पूनम' मैन बनकर पति का चेहरा पत्थर से कुचलकर बेरहमी से मर्डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट जिले के शापर-वेरावल से एक अजीब और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जो सोशल मीडिया के ज़रिए प्यार में अंधे हुए युवाओं के लिए आंखें खोलने वाला है। जिस महिला से युवक पागलों की तरह प्यार करता था, वह महिला नहीं बल्कि पुरुष निकली और तीन साल से चल रहा झगड़ा एक खूनी मर्डर केस में खत्म हो गया। राजकोट रूरल पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर कुछ ही दिनों में इस सुनसान जगह पर मिली बॉडी की पहचान कर ली है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

27 जून, 2026 को शापर-वेरावल के पास मस्कट फाटक के पास रेलवे की दीवार के पास एक अनजान व्यक्ति की सड़ी-गली बॉडी मिली थी। शुरुआत में पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया, लेकिन फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम में सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिससे यह साफ हो गया कि यह मामला मर्डर का है। पुलिस ने CCTV फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर

जांच करने के बाद 20 साल के आरोपी पीयूष कुमार खरवार को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में जो बातें सामने आईं, वे चौंकाने वाली थीं। आरोपी पीयूष जब हैदराबाद में रह रहा था, तो फेसबुक पर 'निशा कुमार' और इंस्टाग्राम पर 'पूनम' ID के ज़रिए उसकी मुलाकात चंदन कुमार नाम के एक युवक से हुई। चंदन ने सोशल मीडिया पर खुद को एक महिला के तौर पर पेश किया और पीयूष को अपने प्यार के जाल में फंसा लिया। दोनों के बीच रिश्ता इतना गहरा हो गया कि पीयूष ने चंदन की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी पत्नी मान लिया और वे दोनों साथ रहने लगे। साथ रहने के बावजूद, चंदन हमेशा 'धार्मिक विश्वासी' होने के बहाने पीयूष के साथ फिजिकल रिलेशन बनाने से बचता रहा। इस घटना से पीयूष के पैरों तले ज़मीन खिसक गई और उसे पता चला कि जिसे वह अपनी पत्नी मान रहा था, वह कोई औरत नहीं बल्कि एक आदमी है। इस खुलासे के बाद दोनों के बीच रोज़ाना झगड़े होने लगे। रोज़ाना की इस परेशानी से तंग आकर आरोपी पीयूष चंदन को रेलवे ट्रैक के पास एक सुनसान जगह पर ले गया और वहां उसने उसके सिर और शरीर पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके और फैक्ट्री में ऐसे काम करने लगा जैसे उसे कुछ पता ही न हो। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ BNS सेक्शन 103(1) के तहत केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि मृतक चंदनकुमार सोशल मीडिया पर औरतों की तरह कपड़े पहनकर फोटो अपलोड करता था। वह औरतों जैसा मेकअप करता था, औरतों की तरह लंबे बाल रखता था और बालों को कर्ल करता था। इतना ही नहीं, वह एक बार में दो से तीन जींस पहनता था ताकि उसका फिगर औरतों जैसा दिखे और किसी को शक न हो। यह मामला एक रेड लाइट की तरह साबित करता है कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से आई कॉन्टैक्ट करने से पहले उनकी असली पहचान जांचना कितना ज़रूरी है।

सूरत के विवादित DCP नकुम को नसीरनगर तोड़फोड़ के लिए सरकार से मिला 'इनाम'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। जहां एक तरफ गुजरात हाई कोर्ट सूरत के रांदेर इलाके के नसीरनगर के विवादित 'घोस्ट डेमोलिशन' (रातों-रात हुआ गैर-कानूनी तोड़फोड़) के मामले में पुलिस और एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों को आड़े हाथों ले रहा था, वहीं दूसरी तरफ चौंकाने वाली बात सामने आई है कि इस पूरे विवाद के सेंटर में रहे सीनियर पुलिस ऑफिसर को राज्य सरकार से बड़ा 'इनाम' मिला है। नसीरनगर तोड़फोड़ मामले में विवादों में घिरे सूरत के तत्कालीन DCP नकुम को प्रमोट करने और उन्हें IPS कैडर में नॉमिनेट करने के ऑफिशियल ऑर्डर ने पुलिस फोर्स और पॉलिटिकल सर्कल में काफी चर्चा छेड़ दी है। हाई कोर्ट ने पुलिस की भूमिका पर कड़े सवाल उठाए गौरतलब है कि सूरत के नसीरनगर में बिना कोई लीगल नोटिस दिए पुलिस फोर्स की मौजूदगी में गरीबों के घर मनमाने ढंग से गिरा दिए गए थे। जब यह मामला गुजरात हाई कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस तरह की गैर-कानूनी तोड़फोड़ निगम अधिकारियों और लोकल पुलिस की मिलीभगत के बिना मुमकिन नहीं है। इस घटना के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार DCP नकुम की भूमिका पर भी कई सवाल उठाए गए और हाई कोर्ट ने सिस्टम की कड़ी आलोचना की।

मानसून को लेकर एक्शन मोड में पुलिस सिस्टमः राज्य पुलिस चीफ जी. एस. मलिक की अध्यक्षता में हुई ज़रूरी रिव्यू मीटिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य में मानसून के मौसम की वजह से पैदा होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए गुजरात पुलिस सिस्टम तैयार हो गया है। राज्य पुलिस चीफ श्री जी. एस. मलिक की अध्यक्षता में मानसून की तैयारियों और डिज़ास्टर मैनेजमेंट पर एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग हुई। इस मीटिंग में बारिश या तूफ़ान जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जान का नुकसान कम करने और तेज़ी से राहत ऑपरेशन चलाने के रोडमैप पर गहराई से चर्चा हुई। मीटिंग के दौरान, राज्य पुलिस चीफ श्री जी. एस. मलिक ने लोकल लेवल पर वायरलेस कम्युनिकेशन नेटवर्क को पूरी तरह तैयार रखने के सख्त निर्देश दिए हैं ताकि आपदाओं के दौरान कम्युनिकेशन में रुकावट न आए पेट्रोल हर पुलिस स्टेशन लेवल पर पहले से काफ़ी मात्रा में उपलब्ध रखने का आग्रह किया गया है। प्री-प्लानिंग के तहत SDRF की 11 कंपनियां तैनात किसी भी इमरजेंसी में तुरंत बचाव और राहत ऑपरेशन शुरू करने की प्री-प्लानिंग के तहत, SDRF की 11 कंपनियों के कुल 1036 जवानों को राज्य के अलग-अलग सेंसिटिव इलाकों में तैनात किया गया है। बाढ़ या भारी बारिश होने पर लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाने का काम तेज़ी से किया जा सके।

अहमदाबाद के मानेकचौक में सनसनीः एक ज्वैलर्स के यहां ग्राहक बनकर आया चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सोने-चांदी के हब माने जाने वाले ऐतिहासिक मानेकचौक इलाके में चोरी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। मानेकचौक में मौजूद एक जाने-माने ज्वैलर्स शोरूम में ग्राहक बनकर आया एक चालाक चोर, महिला स्टाफ की नज़रों को नज़रअंदाज़ करके 2.80 लाख रुपये के सोने के गहने लेकर फरार हो गया। इस बारे में फर्नीचर डीलर जिगरकुमार शाह ने खाड़िया पुलिस स्टेशन में एक अनजान युवक के खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, 26 जून को दोपहर में मानेकचौक में 'जिनेश्वर ज्वैलर्स' में एक अनजान युवक खरीदारी करने के बहाने आया था। वह काउंटर पर मौजूद महिला स्टाफ से सोने के गहने देखने लगा। स्टाफ को बातों में उलझाकर और उन्हें देखकर चोर ने कीमती गहने चुरा लिए और जाते हुए कहा, 'मैं बाद में आकर खरीद लूंगा' और चला गया। यह घटना 26 जून की है, लेकिन व्यापारी को उस समय चोरी का पता नहीं चला।

दैनिक राशिफल

3 जुलाई 2026, शुक्रवार

मेष — कार्यक्षेत्र में नई जिम्मदरियां मिल सकती हैं। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। खर्च पर नियंत्रण रखें।

वृषभ — आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होने के योग हैं।

मिथुन — नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी में निर्णय न लें।

कर्क — पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह — आत्मविश्वास बढ़ेगा और नए काम की शुरुआत हो सकती है। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

कन्या — मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, लेकिन सफलता मिलेगी। अनावश्यक विवादों से दूर रहें।

तुला — व्यापार में प्रगति के संकेत हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।

वृश्चिक — कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं, धैर्य रखें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाएं।

धनु — शिक्षा और करियर के क्षेत्र में अच्छे अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।

मकर — नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन संबंधी मामलों में लाभ होगा। सेहत सामान्य रहेगी।

कुंभ — नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। खर्च बढ़ने की संभावना है।

मीन — मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में लाभ और नौकरी में प्रगति के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है।

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है।

आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्जी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल

स्त्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्त्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए।

आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-'प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है।

आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संपादकीय

पर्यटक सीजन की घिसाई

हिमाचल में जून का महीना, कितना पसीना और कितना सुकून से जीना की अवधारणा से पर्यटन की मांग को निरूपित करता रहा है। हम मान सकते हैं कि विभिन्न पर्यटक स्थलों पर होटलों में ऑक्यूपेंसी सौ फीसदी चल रही है, लेकिन ऐसे उफनते पर्यटन से कितने किनारे टूटे, इस पर गौर नहीं। अगर ऑक्यूपेंसी सौ या सौ प्रतिशत से ऊपर है, तो इसके साइड व अशोभनीय फैक्टर भी होंगे। क्या सौ फीसदी या इससे ऊपर ऑक्यूपेंसी के रिकार्ड पर खुश हों या इस खनक से पैदा हुए खनन को पहचाने। एक पर्यटक वह भी है जो वाहनों को सडक किनारे खड़े करके बस स्टॉप या वर्षाश्रालय में पनाह लेता है। कुछ डेस्टिनेशन पर्यटक ऑक्यूपेंसी के साइड इफैक्ट के रूप में कहीं अन्यत्र चले जाते हैं। मसलन मकलोडगंज फुल हो गया, तो सैलानी कांगड़ा घाटी के अलग-अलग स्थानों को कूच कर जाते हैं, लेकिन ट्रैफिक जाम के सिलसिलों में पूरे सीजन की घिसाई हो गई। कहना न होगा कि बढ़ते पर्यटन से हिमाचल की सादगी, विनम्रता और सदाशयता को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया पर कोई वीडियो युद्ध चल रहा है। बेशक कुछ सिरफिरे पर्यटक भी सामाजिक, सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत हिमाचल में माहौल खराब करते हैं, लेकिन यह भी सच है कि प्रदेश की पर्यटन अधोसंरचना व व्यवस्था अपूर्णनीय व अक्षम है। बाहर से आने वाला पर्यटक किसी डेस्टिनेशन पर नहीं, बल्कि प्रवेश द्वार पर पर्यटक माना जाए, इसके लिए पंजीकरण तथा ऐप के जरिए संचालन चाहिए। प्रवेश द्वारों पर ही ऐप पर पंजीकरण से रूट तथा ठहराव चिन्हित हो और अगर किसी कारण कहीं अत्यंत भीड़ या अनियंत्रित भीड़ है, तो सैलानियों को विकल्प देकर उन्हें सहूलियत प्रदान की जाए। मकलोडगंज में रिहाइश न मिलने पर ही पर्यटक क्यों पालमपुर या समीपवर्ती स्थलों का रुख अख्तियार करे। यह तो पंजीकरण करते वक्त ही ऐप सुनिश्चित कर सकती है। इसी परिप्रेक्ष्य में सडकों के विकल्प, वन-वे परिवहन की सुविधा तथा होटलों में बुकिंग की स्थिति प्रदर्शित हो सकती है। पिछले कई सालों से प्रमुख पर्यटक स्थलों से खाली हाथ लौटते पर्यटकों की सहूलियत के लिए क्या किया। बिना बुकिंग के कई परिवार अगर भटकते हैं, तो उनके लिए रेस्ट हाउस बुकिंग का एक विकल्प पैदा करना होगा था इन्हें इमरजेंसी राहत का कोई आश्वासन मिलना चाहिए। सरकार जून के महीने में आपात की स्थिति में भूखे-प्यासे या बिना प्री बुकिंग के भटकते सैलानियों के लिए राहत का बंदोबस्त करे। इसके लिए रेस्ट हाउस व छात्रावासों में भुगतान के साथ इंतजाम हो सकता है। इसी सीजन में फॉरेस्ट विभाग के दखल से कुछ डाक बंगले अगर छह लाख कमा सकते हैं, तो एक तैयारी के तहत सारे रेस्ट हाउस शिरकत कर सकते हैं। जून का पर्यटक सीजन एक चुनौती बनता जा रहा है, लिहाजा सभी विभागों की समन्वय समितियां बना कर योजनाएं व बंदोबस्त होने चाहिएं।

ईरान का आमंत्रण, भारत के लिए रिश्ते सुधारने का एक मौका

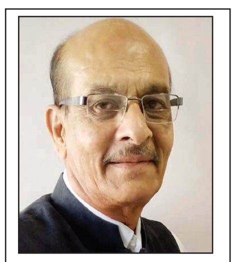

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे धर्मगुरु अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ईरान की सरकार ने दुनिया के सैकड़ों राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और शासकों को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। ईरान की सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और जैन संत जो अहिंसा विश्वा भारती के संस्थापक हैं आचार्य लोकेश मुनि को भी आमंत्रण भेजा है। जैन मुनि ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि वह शांति और सद्भाव के लिए ईरान जाएंगे। अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक पार्टी के नेता भी ईरान जा रहे हैं। इस अवसर पर लगभग 2 करोड़ लोग खामनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए ईरान में एकत्रित हो रहे हैं। भारत सरकार की ओर से जो शुरूआती संकेत मिले हैं, उसके अनुसार भारत सरकार का प्रतिनिधित्व बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा करेंगे। भारत के साथ ईरान के बहुत पुराने सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रिश्ते रहे हैं। दोनों देशों के बीच में शिक्षा, व्यापार और संस्कृति को लेकर बड़े घनिष्ठ संबंध रहे हैं। पिछले कई दशकों में जब भी भारत को ईरान की जरूरत पड़ी ईरान भारत के साथ खड़ा रहा। पिछले कुछ वर्षों में भारत की नजदीकी अमेरिका और इजराइल के साथ बढी। इसके साथ ही भारत और ईरान के संबंधों में वह मधुरता नहीं रही जो उसके पहले होती थी। ईरान ने भारत के साथ राजनीतिक, कूटनीतिक और व्यापारिक संबंध हमेशा बनाए रखे। यहां तक की जब अमेरिका ने ईरान के ऊपर प्रतिबंध लगाए उस समय ईरान सरकार ने भारत को भारतीय मुद्रा में न केवल कच्चा तेल सप्लाई किया वरन उतनी ही कीमत का सामान भारत से आयात करके अपने रिश्तों को बेहतर बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया।

समय के साथ बदलाव आते हैं पिछले कुछ वर्षों में भारत की इजराइल के साथ नजदीकी बढ़ती रही और ईरान के साथ दूरी बढ़ती गई। भारत को ऐसा लगता था कि अमेरिका और इजराइल अजेय हैं। भारत ने ईरान की उपेक्षा शुरू कर दी। भारत की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव आ गया। ईरान और भारत के रिश्तों में एक बड़ा तनाव तब देखने को मिला जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल जाकर यह कह दिया कि इजराइल फादरलैंड है। उसके दो दिन बाद इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका और इजराइल को इस युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान आज एक विजेता के रूप में फिर से एक महत्वपूर्ण स्थिति में आ गया है। ईरान की सरकार अभी भी भारत के साथ अपने पुराने रिश्तों को ध्यान में रखते हुए अपने संबंध बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को जो रिश्ते बिगड़ चुके हैं उनको एक बार फिर पटरी में लाने का मौका है। अमेरिका और इजराइल के हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई सहित कई बड़े योद्धा तथा ईरान के स्कूल में पढ़ने वाली 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत हुई थी। उस समय भारत ने चुप्पी साध रखी थी। भारत ने ईरान के अनुरोध करने के बाद भी ब्रिक्स संगठन देशों की बैठक नहीं बुलाई। अब स्थिति बहुत हद तक साफ हो चुकी है। ऐसे समय पर भारत सरकार को ईरान के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाने के लिए दुख की इस घड़ी में ईरान जाकर घाव में मलहम लगाने की जरूरत है। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन लोगों को ईरान ने आमंत्रित किया है, उनमें शामिल हैं। उन्हें भारतीय दल के रूप में साथ ले जाकर ईरान के साथ भारत के रिश्ते फिर बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस समय जो अवसर मिला है, इसका लाभ उठाया जा सकता है।

मन मित्र है या शत्रु? 'योग का अर्थ दुनिया से दूर भागना नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर स्थिर होना है।

श्रृंखलाः श्रीमद्भगवद्गीताध्याय - 6 (आत्मसंयम योग)

कर्म का पथ पत्थर की लकीर है, और मन उसका शिल्पी (मूर्तिकार) है। यदि शिल्पी के हाथ में संयम की छैनी होगी, तो जीवन एक सुंदर मूर्ति बनेगा; अन्यथा वह मात्र एक पत्थर बनकर रह जाएगा। पिछले अध्याय में हमने देखा कि संसार में रहकर, अपने कर्तव्यों को निभाते हुए भी संन्यासी कैसे बना जा सकता है। लेकिन अर्जुन और हम सभी के मन में एक बड़ा सवाल उठता हैः 'हे कृष्ण, ये सभी बड़ी बातें सुनने में बहुत अच्छी लगती हैं, लेकिन जब संसार की आपाधापी के बीच कोई तनाव आता है, तब मन भटक जाता है। इस चंचल मन को वश में कैसे रखा जाए? आज के डिजिटल युग में यह समस्या 10 गुना*बढ़ गई है। सुबह आँख खुलने से लेकर रात को सोने तक हमारा मन सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन्स, रील्स की स्क्रॉलिंग और डिजिटल डिस्ट्रैक्शन (भटकाव) के जाल में फंसा रहता है। यह आज के जमाने का अर्जुन जैसा ही युद्ध है। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि मन पर नियंत्रण करने का अर्थ है हमारी स्वतंत्रता का छिन जाना। लेकिन वास्तव में आत्मसंयम स्वयं पर लगाया गया एक पवित्र बंधन है, जो हमें नकारात्मकता से बचाता है। रामायण में लक्ष्मण जी ने सीता जी की रक्षा के लिए 'लक्ष्मण रेखा' खींची थी। जब तक सीता जी उस रेखा के भीतर थीं, तब तक रावण जैसे शक्तिशाली राक्षस में भी इतनी ताकत नहीं थी कि वह उनका बाल भी बांका कर सके। लेकिन जैसे ही मन अति-दया या मोहवश होकर संयम की उस रेखा को पार कर गया, वैसे ही मुसीबतों की शुरुआत हो गई।

हमारे जीवन में भी नैतिकता, नियमितता और मर्यादा की एक 'लक्ष्मण रेखा' होनी चाहिए। आत्मसंयम हमें बांधता नहीं है, बल्कि रावण रूपी दुर्गुणों और सोशल मीडिया के भटकावों से हमारी रक्षा करता है।

एक धनुर्धर के पास तीन प्रकार के तीर होते हैंः

जो अतीत के स्टोर में पड़े हैं, जिनका अभी तक उपयोग नहीं हुआ है।

जो कमान से छूट चुका है, जिसे वापस नहीं लौटाया जा सकता और उसका परिणाम भुगतना ही पड़ता है (जैसे हमारा वर्तमान जीवन और परिस्थितियाँ)।

और जो इस समय ठीक हमारे हाथ में है, जिसे हम जहाँ चाहें वहाँ छोड़ सकते हैं।

जो तीर छूट चुका है उस पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है। लेकिन जो तीर अभी कमान पर है (अर्थात हमारा वर्तमान समय), उसे किस दिशा में छोड़ना है, यह पूरी तरह से केवल और केवल हम पर निर्भर करता है। यदि इस समय मन वश में होगा, तो भविष्य का तरकश (कर्म) अपने आप सुधर जाएगा। जब गुरु द्रोणाचार्य ने वृक्ष पर रखे नकली पक्षी की आँख पर निशाना लगाने की परीक्षा ली, तब अन्य राजकुमारों को वृक्ष, पत्ते, आकाश और पूरा पक्षी दिखाई दे रहा था। लेकिन जब अर्जुन से पूछा गया, तब

उनका सटीक उत्तर थाः 'गुरुदेव, मुझे केवल पक्षी की आँख ही दिखाई दे रही है, और कुछ भी नहीं। '* आज के समय में जो पक्षी की आँख है, वह हमारा 'लक्ष्य' है और जो पत्ते, डालियाँ या आकाश हैं, वे सोशल मीडिया के डिस्ट्रैक्शन हैं। अर्जुन जैसा आत्मसंयम ही हमें भटकने से बचाता है। कर्म का सिद्धांत बहुत स्पष्ट और अटल है। यदि आप किसी गहरे कुएं में जाकर चिल्लाएंगे कि 'मैं तुमसे नफरत करता हूँ ', तो कुएं से वही आवाज वापस आएगी। लेकिन यदि आप कहेंगे 'मैं तुमसे प्यार करता हूँ ', तो प्यार की ही गूंज सुनाई देगी। हमारा मन भी इसी कुएं की तरह है। यदि आत्मसंयम के अभाव में हम मन में ईर्ष्या, क्रोध, आलस्य या नकारात्मक विचार डालेंगे, तो कार्मिक नियम के अनुसार हमें जीवन में वही वापस मिलेगा। मन को संयमित रखकर उसमें लगातार सकारात्मक और सेवा के विचार बोना ही सर्वश्रेष्ठ कर्म है। सितार या गिटार के तार यदि बहुत ज्यादा खींच दिए जाएं तो वे टूट जाते हैं, और यदि बिल्कुल ढीले छोड़ दिए जाएं तो उनमें से सुर ही नहीं निकलता। जीवन का संगीत भी तभी मधुर बनता है जब आहार, विहार, नींद और काम, सब कुछ Balance यानी संतुलित हो। जब अर्जुन कहते हैं कि 'कृष्ण, यह मन तो वायु की तरह चंचल है, इसे रोकना असंभव है!' तब जगद्गुरु बहुत ही व्यावहारिक समाधान देते हैं. मन को 'अभ्यास' और 'वैराग्य' से वश में किया जा सकता है। हर रोज मन भागे तो उसे प्रेम से वापस लाओ (अभ्यास) और हर नोटिफिकेशन या ट्रेंड के पीछे भागना जरूरी नहीं है, इतना वैराग्य विकसित करो। इस अध्याय का सबसे शक्तिशाली मंत्र यह है किः 'आप ही अपने उद्धारक हैं और आप ही अपने शत्रु हैं।' यदि आपके पास सेल्फ-कंट्रोल (आत्म-नियंत्रण) है, तो आप विजेता हैं। सब कुछ छोड़कर जंगल में जाकर आँखें बंद करना आसान हो सकता है, लेकिन मोबाइल स्क्रीन सामने होने के बावजूद, सोशल मीडिया की दुनिया के बीच रहने के बावजूद, रचनात्मक कर्म करते हुए अपने मन की शांति बनाए रखना... यही सच्चा 'आत्मसंयम योग' है (क्रमशः: आगामी अध्याय 7 में हम समझेंगे 'ज्ञानविज्ञान योग'–ईश्वर का सही पता कहाँ है? विज्ञान और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय!)

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट) स्पोर्ट्स टीचर।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातालांप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा रहेगी जाममुक्त! ACP ने ट्रैफिक अधिकारियों के साथ मिलकर बनाया प्लान

कांवड़ यात्रा को जाममुक्त बनाने के लिए यातायात पुलिस ने अपनी कमर कस ली है। बुधवार को एसीपी ने यातायात पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और जाममुक्त बनाने के लिए यातायात पुलिस ने अपनी कमर कस ली है। बुधवार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त लॉ एंड ऑर्डर राजकरन नैय्यर ने यातायात पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक में शहर के प्रमुख चौराहों और कांवड़ मार्गों पर विशेष निगरानी रखने को लेकर चर्चा हुई। वहीं, नया बस अड्डा पर

ट्रायल के तौर पर गोलचक्कर बनाया जाएगा। इसके अलावा मोहन नगर में अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई और मेट्रो स्टेशन के बाहर ऑटो संचालन की नई व्यवस्था बनाई जाएगी।

'किसी भी स्थित में जाम नहीं लगने देंगे'

अतिरिक्त पुलिय आयुक्त राज करन नैय्यर ने बैठक में स्पष्ट कहा कि इस बार कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी स्थित में जाम नहीं लगने दिया जाएगा और सभी विभाग मिलकर समन्वय बनाकर समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करेंगे। बैठक में शहीद स्थल चौराहे पर सड़क चौड़ीकरण और गोलचक्कर बनाने की योजना का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

मुख्य मार्गों पर अनावश्यक कट होंगे बंद

अधिकारियों ने पहले ट्रायल के तौर पर जर्सी बैरियर लगाकर गोलचक्कर बनाने के निर्देश दिए हैं। यदि इससे यातायात सुचारु रहता है तो आगे इसे स्थायी रूप दिया जाएगा। इसके अलावा मुख्य मार्ग पर बने अनावश्यक कटों को भी बंद करने की योजना बनाई गई है। कांवड़ यात्रा में तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों के लिए भी विशेष तैयारी की जा रही है। बारिश की संभावना को देखते हुए रेनकोट, छाते, बूट, टॉर्च, रिफ्लेक्टिव टेप, रस्से और कैनोपी जैसी आवश्यक सामग्री पहले से उपलब्ध कराई जाएगी।

दारोगा की बहू ने SP की कुर्सी पर बैठकर बनाई REEL, मचा बवाल तो इंस्टा अकाउंट किया डिलीट,

रिटायर्ड दारोगा की बहू सभागार में एसपी की कुर्सी पर बैठकर रील बनाई. इंस्टाग्राम पर वीडियो वायरल होने से हड़कंप मच गया.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। औरैया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इसमें एक महिला एसपी की कुर्सी पर बैठकर रील बनाती नजर आ रही है. जांच के बाद पता चला कि वीडियो हाल ही का है और महिला एक दारोगा के परिवार की है. रिटायरमेंट की पार्टी में शामिल होने वह पुलिस कार्यालय आई थी, जहां उसने रील बना ली. विवाद होने पर उसने माफी भी मांग ली है. आइये जानते हैं पूरा मामला... दरअसल, 30 जून 2026 को ककोर स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार कक्ष में चार पुलिसकर्मियों के सेवानिवृत्ति का विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस समारोह के समाप्त होने और अधिकारियों के जाने के बाद, एक रिटायर्ड उप निरीक्षक के परिवार की महिला सदस्य (बहू) ने खाली ऑडिटोरियम में पुलिस अधीक्षक (एसपी) की कुर्सी पर बैठकर एक रील वीडियो बना लिया. महिला ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया, जिससे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और सरकारी कार्यालय की गरिमा को लेकर सवाल उठने लगे. मामला बढ़ने पर पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेकर रिटायर्ड दारोगा से संपर्क किया, जिसके बाद महिला ने वीडियो डिलीट कर लिखित और वीडियो के जरिए माफी मांगी. जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को आयोजित विदाई समारोह बेहद शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ था. कार्यक्रम खत्म होने के बाद जब सभी बड़े अधिकारी और पुलिसकर्मी वहां से चले गए, तब रिटायर्ड दारोगा की परिवार की महिला सदस्य वहीं रुक गई. उन्होंने खाली पड़े सभागार में सीधे एसपी की मुख्य कुर्सी संभाली और उस पर घूमते हुए रील रिकॉर्ड कर ली. सोशल मीडिया की यह खुमारी तब भारी पड़ी जब महिला ने इसे अपने करीब 16 हजार फॉलोअर्स वाले इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड कर दिया.

महकमे में खलबली और पुलिस का एक्शन

वीडियो अपलोड होते ही वह तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो गया और लोगों ने इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दीं. जैसे ही यह मामला पुलिस प्रशासन के सामने आया, पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के निर्देश पर तुरंत जांच शुरू कर दी गई. औरैया पुलिस ने तत्काल रिटायर्ड उप निरीक्षक से संपर्क साधा. पुलिस की इस त्वरित सक्रियता के बाद आरोपी महिला और दारोगा ने अपनी भूल स्वीकार की. उन्होंने साफ किया कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना या संस्थान की मर्यादा को कम करना नहीं था. विवाद को बढ़ता देख महिला ने न सिर्फ वह विवादित रील हटाई, बल्कि अपना 16 हजार फॉलोअर्स वाला इंस्टाग्राम अकाउंट भी पूरी तरह डिलीट कर दिया.

सिंगरौली में टावर निर्माण रुकवाने पहुंचे जमीन मालिक की पाइप उखाड़ते ही मौत, हवा में उछलने का वीडियो आया सामने

हवा में उछलने का खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंगरौली। जिले के खम्हरिया ग्राम पंचायत के परदेही गांव में पावरग्रिड कंपनी के टावर निर्माण का विरोध कर रहे एक जमीन मालिक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मृतक जमीन में गड़े एक भारी-भरकम पाइप को उखाड़ने की कोशिश करता दिख रहा है, लेकिन अगले ही पल एक भयानक धमाके या तेज दबाव के साथ वह पाइप सहित हवा में कई फीट ऊपर उछल जाता है। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे में परदेही गांव के रहने वाले जमीन मालिक जगदीश शाह की मौके पर ही जान चली गई। वहां मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते या उन्हें संभालते, तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था।

परिजनों ने पावरग्रिड कंपनी पर मढ़े गंभीर आरोप

हादसे के बाद गांव में भारी आक्रोश और शोक की लहर है। मृतक जगदीश शाह के परिजनों ने प्रशासनिक और कंपनी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जिस जमीन पर टावर का निर्माण किया जा रहा था, उसे लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। परिवार की आपत्तियों और बार-बार मना करने के बावजूद कंपनी द्वारा निर्माण कार्य जबरन जारी रखा गया था, जिसके कारण जगदीश शाह खुद काम रुकवाने पहुंचे थे।

हाई-प्रेशर या लापरवाही? पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी नजर

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह हादसा पाइप के भीतर किसी अत्यधिक दबाव (हाई-प्रेशर) के कारण हुआ या इसके पीछे निर्माण कार्य में बरती गई कोई बड़ी लापरवाही थी, इसका सटीक खुलासा विस्तृत तकनीकी जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया गया है।

रीवा में ट्रैक्टर से तांडव, जमीन विवाद में परिवार को रौंदने लगा आरोप, एक व्यक्ति घायल; देखें वीडियो

मध्यप्रदेश के रीवा के मांगी गांव में ट्रैक्टर चढ़ाकर पीड़ितों को रौंदने की कोशिश की गई है। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। जिले के त्योंथर क्षेत्र के चाकघाट अंतर्गत मांगी गांव में जमीनी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। गांव के एक व्यक्ति पर ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रैक्टर से हमला करने का प्रयास दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने गांव के तीन लोगों पर जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

लंबे समय से चल रहा है जमीन विवाद

मांगी निवासी हरिपूजन पयासी मिश्रा ने आरोप लगाया है कि गांव में लंबे समय से चल रहे जमीन विवाद के चलते उनके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या करने का प्रयास किया गया। पीड़ित का आरोप है कि गांव के ही रमाशंकर शुक्ला, पुष्पेंद्र शुक्ला और विनय शुक्ला ने उन्हें निशाना बनाते हुए ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं।

वीडियो भी आया है सामने

घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रैक्टर को पीड़ित की ओर तेजी से बढ़ते हुए देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पीड़ित का कहना है कि यदि वह समय रहते खुद को नहीं बचाते तो जान भी जा सकती थी।

कड़ी कार्रवाई की मांग

घटना के बाद घायल हरिपूजन पयासी मिश्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जमीनी विवाद को लेकर पहले भी विवाद होता रहा है,

लेकिन इस बार आरोपियों ने सीधे जान लेने की नीयत से हमला किया।

ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश

वीडियो में दिख रहा है आरोपी ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहा है पीड़ित पक्ष के लोग पहुंचते हैं तो वह उन पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश करता है आरोपी बार-बार उन पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश करता पूरा मामला मांगी गांव का है, घटना के बाद जांच में जुटी पुलिस पुलिस कर रही है जांच उधर, रीवा पुलिस का कहना है

वर्चस्व की लड़ाई में गई 17 महीने की शावक की जान... पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघ P-661 ने किया अटैक

जंगल के अपने नियम होते हैं. यहां ताकत ही कई बार जिंदगी और मौत का फैसला करती है. मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व से ऐसी ही एक दुखद खबर आई है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों के बीच टेरिटरी की लड़ाई एक 17 महीने की शावक की मौत का कारण बन गई. पार्क प्रबंधन के मुताबिक, बाघ P-661 के हमले में बाघिन P-151 की शावक की मौत हो गई. घटना मडला वन परिक्षेत्र के कंचन नाला इलाके की है. शावक की मां ने बचाने की कोशिश की, लेकिन एक पल की दूरी उसकी जिंदगी पर भारी पड़ गई. वन विभाग के मुताबिक, बाघ P-661 के हमले में बाघिन की शावक ने दम तोड़ दिया. घटना मडला वन परिक्षेत्र के कंचन नाला इलाके की है. अधिकारियों के अनुसार, बाघ P-661 सुबह से ही इलाके में घूम रहा था और बाघिन P -151 के शावकों पर नजर बनाए हुए था. बाघिन ने कई बार अपने शावकों को बचाने के लिए उसका सामना किया. कुछ देर के लिए वह बाघ को पीछे हटाने में भी सफल रही.लेकिन दोपहर में हालात बदल गए. बाघिन अपने शावकों को लेकर आगे बढ़ी, जबकि 17 महीने की फीमेल शावक कुछ दूरी पर पीछे रह गई. बस, यही वह मौका था जिसका इंतजार बाघ P-661 कर रहा था. उसने अचानक हमला कर दिया. हमला इतना तेज था कि शावक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही टाइगर रिजर्व का स्टाफ मौके पर पहुंचा. वन विभाग ने तय प्रक्रिया के तहत शावक का पोस्टमार्टम कराया और बाद में उसे दफनाया गया. अधिकारियों का कहना है कि अन्य शावकों और बाघिन की निगरानी की जा रही है.

घटना को लेकर क्या बोले डिप्टी डायरेक्टर

पन्ना टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर बीरेंद्र कुमार पटेल ने बताया कि यह घटना बाघों के बीच टेरिटोरियल संघर्ष का हिस्सा है. उनके मुताबिक, दोपहर में शावक के पीछे रह जाने का फायदा उठाकर बाघ P-661 ने हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई. वन्यजीव विशेषज्ञ बताते हैं कि बाघ अकेले रहने वाले और अपने इलाके को लेकर बेहद संवेदनशील जीव होते हैं. वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, बाघ अपने इलाके पर कब्जा बनाए रखने के लिए अक्सर दूसरे बाघों या उनके शावकों पर हमला कर देते हैं. इसे टेरिटोरियल बिहेवियर कहा जाता है और यह जंगल के प्राकृतिक जीवनचक्र का हिस्सा है.

सीएम योगी की MYUVA योजना, बिना गारंटी 5 लाख तक लोन, युवाओं को आत्मनिर्भर बना रही सरकार

जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। अर्थव्यवस्था को नई गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की सबसे बड़ी ताकत युवा आबादी पर विशेष फोकस किया है. सरकार का लक्ष्य हर साल 1 लाख नए युवा उद्यमी तैयार करना है. इसी उद्देश्य के साथ 10 सालों में 10 लाख आत्मनिर्भर उद्यमियों को तैयार करने की व्यापक योजना पर काम किया जा रहा है. देश में कारोबार शुरू करने की इच्छा रखने वाले अधिकांश युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूंजी जुटाने की होती है. पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था में अक्सर भारी गारंटी या संपत्ति गिरवी रखने जैसी शर्तें होती हैं, जिन्हें पूरा करना किसी युवा या नए उद्यमी के लिए आसान नहीं होता. रूड्ड्र्क योजना इसी चुनौती का समाधान पेश करती है. उत्तर प्रदेश के स्थायी निवासी 21 से 40 साल की आयु के पात्र युवा अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए ?5 लाख तक का ब्याज-मुक्त और बिना गारंटी वाला ऋण ले सकते हैं. इस योजना के तहत ऋण लेने के लिए किसी तीसरे व्यक्ति की गारंटी या संपत्ति गिरवी रखने की आवश्यकता नहीं होती. सरकार परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान भी देती है, जिससे व्यवसाय शुरू करने का शुरुआती वित्तीय बोझ कम हो जाता है. आयु: 21 से 40 वर्ष निवास: उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी शैक्षणिक योग्यता: कम से कम आठवीं पास शैक्षणिक योग्यता: कम से कम आठवीं पास अन्य पात्रता: किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से तकनीकी डिग्री/डिप्लोमा या सरकारी कौशल प्रशिक्षण विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, आईटीआई आदि का प्रमाणपत्र योजना के तहत आवेदन प्रक्रिय आधिकारिक MYUVA पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किए जाते हैं.

चंपत राय और अनिल मिश्रा पर भी दर्ज होगा मुकदमा, बार एसोसिएशन ने दी तहरीर

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में अयोध्या बार एसोसिएशन ने बड़ा कदम उठाया है..

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अयोध्या बार एसोसिएशन ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए आज थाना रामजन्मभूमि में तहरीर दी है. बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने बताया कि अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल थाना रामजन्मभूमि पहुंचकर संबंधित पदाधिकारियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज करने की मांग की. उन्होंने बताया कि यदि पुलिस तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं करती है तो बार एसोसिएशन अदालत का दरवाजा खटखटाएगा और कानून के तहत एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी. कालिका प्रसाद मिश्र के अनुसार, चढ़ावा प्रकरण को लेकर अधिवक्ताओं में गहरा आक्रोश है. उनका कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि यदि किसी स्तर पर कोई जिम्मेदारी बनती है तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सके. बार एसोसिएशन के इस फैसले को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच पहले से ही विभिन्न स्तरों पर जारी है. इस प्रकरण में 8 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और पुलिस के साथ विशेष जांच दल (एसआईटी) भी मामले के अलग-अलग पहलुओं की जांच कर रहा है. ऐसे समय में बार एसोसिएशन का एफआईआर की मांग को लेकर सामने आना इस पूरे मामले को नया कानूनी आयाम दे सकता है. यदि पुलिस तहरीर पर कार्रवाई करती है तो जांच का दायरा और व्यापक हो सकता है. वहीं, यदि मुकदमा दर्ज नहीं होता है तो मामला अदालत तक पहुंचने की संभावना है. अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि पुलिस बार एसोसिएशन की तहरीर पर क्या निर्णय लेती है. यदि मामला अदालत तक पहुंचता है तो आने वाले दिनों में इस प्रकरण में कानूनी गतिविधियां और तेज हो सकती हैं. फिलहाल पूरे घटनाक्रम पर प्रशासन, पुलिस और स्थानीय लोगों की नजर बनी हुई है.

शासन ने बढ़ाया जांच का समय

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य शासन ने एसआईटी को जांच पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय दिया है. अब एसआईटी अपनी विस्तृत रिपोर्ट 15 जुलाई तक शासन को सौंप सकती है. जांच एजेंसियों का मानना है कि उपलब्ध दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड, बरामदगी और अन्य साक्ष्यों की विस्तृत पड़ताल के बाद ही पूरे मामले की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी. सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने प्रारंभिक चरण में मुख्य रूप से आपराधिक पहलुओं की जांच की थी. इसी आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ और कई आरोपियों की गिरफ्तारी हुई.

लखनऊ में बिल्डिंग की 11वीं मंजिल पर मिला मिनी जामताड़ा साइबर अपराधियों का पर्दाफाश, 119 हिरासत में

लखनऊ पुलिस ने साइबर अपराधियों के एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। यह रैकेट विदेशियों को निशाना बनाता था। पुलिस ने इस मामले में 119 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस रैकेट के तार संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। लखनऊ पुलिस ने शहर के गोमती नगर की समिट बिल्डिंग की 11वीं मंजिल से चल रहे एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच करने वाले अधिकारियों ने इसे 'मिनी जामताड़ा' कहा है। ऑइस मामले में पुलिस ने 119 लोगों को हिरासत में लिया है। यह सभी कथित तौर पर अमेरिका के नागरिकों को निशाना बनाने वाले एक बहुत ही संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े थे।पुलिस ने बताया कि यह रैकेट सोलारिस सॉल्यूशन नाम के एक फर्जी कॉल सेंटर से चलाया जा रहा था। यह रैकेट कामर्शियल कॉम्प्लेक्स में स्थित दो ऑफिसों में करीब 18 महीनों से काम कर रहा था। साइबर अपराध रैकेट के खिलाफ कार्रवाई डीसीपी (क्राइम) अनिल यादव और एडिशनल डीसीपी (क्राइम) किरण यादव के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने की।

पुलिस ने समिट बिल्डिंग में छापा मारा

इस रैकेट के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस ने समिट बिल्डिंग में छापा मारा। पुलिस ने पाया कि वहां एक अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर चल रहा है। इसमें आधुनिक कम्युनिकेशन सिस्टम, कई वर्कस्टेशन और कॉलिंग के लिए खास टीमें काम कर रही थीं। ऑपरेशन के दौरान 119 कर्मचारियों और सहयोगियों को हिरासत में लिया गया। जांचकर्ताओं ने 100 लैपटॉप, 178 मोबाइल फोन, स्टोरेज डिवाइस और बहुत सारे डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए। यह सामान फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार साइबर अपराधियों का यह सिंडिकेट कथित तौर पर राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल और कई पूर्वोत्तर राज्यों से अंग्रेजी बोलने वाले युवाओं को 30 -35 हजार रुपये की मासिक सैलरी पर भर्ती करता था। भर्ती किए गए लोगों को काम पर लगाने से पहले अमेरिकी लहजे, पहले से तय बातचीत और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करने की तकनीकों की ट्रेनिंग दी जाती थी। जांच अधिकारियों के अनुसार, यह रैकेट मुख्य रूप से कानूनी एजेंसियों, बैंकों और टेक्नोलॉजी कंपनियों के अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करके अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाता था। शिकार बनाए जाने वाले लोगों को कथित तौर पर बताया जाता था कि मनी लॉन्ड्रिंग, पहचान छुपाने या वित्तीय धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों के लिए उनकी जांच चल रही है और उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया है।

त्र्यंबकेश्वर मंदिर नासिक के अमृतकुंड की सफाई के दौरान 65 फीट नीचे नजर आया अद्भुत शिवलिंग

सावन का महीना अभी शुरू होने वाला है नासिक में इस बार कुंभ भी है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। त्र्यंबकेश्वर मंदिर में एक दुर्लभ शिवलिंग दिखा है। यह शिवलिंग अमृतकुंड की सफाई के दौरान नजर आया। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इन दिनों संरक्षण अभियान चला रहा है। इसी दौरान अमृतकुंड की सफाई हो रही थी। जब सफाई के लिए कुंड का पूरा पानी निकाला गया तो कुंड की तलहटी में मौजूद प्राचीन शिवलिंग साफ-साफ दिखाई देने लगा। एएसआई ने बताया कि नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में,स्ढ्ढ (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) द्वारा किए जा रहे संरक्षण कार्यों के दौरान, मंदिर के ऐतिहासिक जल कुंड, जिसे स्थानीय रूप से 'अमृत कुंड' कहा जाता है, की सफाई (गाद हटाने) के समय पत्थर का एक शिवलिंग मिला। जमा हुई गाद और मलबे को हटाते समय यह शिवलिंग कुंड की तली में मिला। यह उल्लेखनीय खोज इस बात को उजागर करती है कि किस तरह संरक्षण के प्रयास भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और पवित्र विरासत को सामने लाने और उन्हें संरक्षित करने का काम जारी रखते हैं। 65 फीट गहरा है

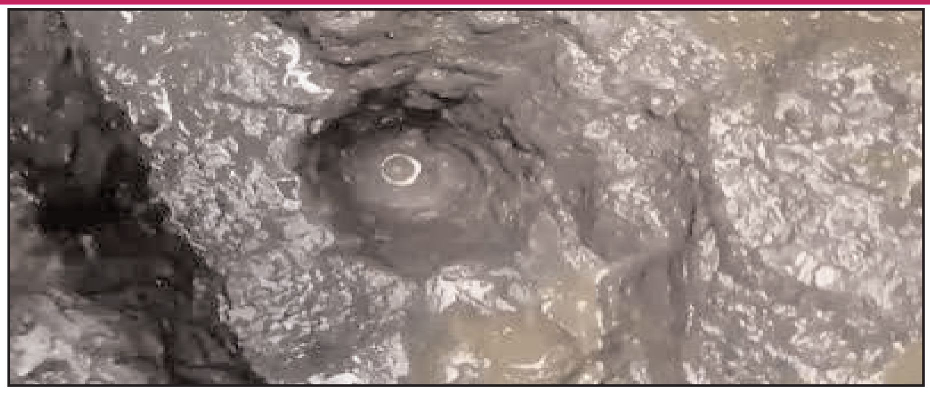

अमृतकुंड त्र्यंबकेश्वर मंदिर परिसर का 'अमृतकुंड' लगभग 65 फीट गहरा है। इस कुंड का निर्माण पेशवा काल में हुआ था। लगभग 200 साल पुराने इस अमृतकुंड के जल को पवित्र माना जाता है। इसी कुंड के जल से रोज त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग को स्नान कराया जाता है। पूजा और अभिषेक में इसी जल का प्रयोग होता है। अमृतकुंड के तलहटी में प्राचीन शिवलिंग मिलने के बाद यहां की धार्मिक और ऐतिहासिक महत्ता और बढ़ गई है। सुरक्षा कारणों से यहां श्रद्धालुओं की एंट्री बैन कर दी गई है। इधर शिवलिंग नजर आने के बाद यहां काम कर रहे लोगों ने जो तस्वीरें खींची और वीडियो बनाए, वे सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

नासिक कुंभ की तैयारी

नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला अथॉरिटी ने आने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए सफाई का एक बड़ा प्लान पेश किया है। इस धार्मिक आयोजन में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने के लिए 56,000 अस्थायी शौचालय बनाने, 8,000 से ज़्यादा सफाई कर्मचारियों को तैनात करने और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर रोक लगाने का प्रस्ताव है। नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला अथॉरिटी (NTKMA) ने साधुग्राम, नदी के घाटों, पार्किंग एरिया, होल्डिंग एरिया, अप्रोच रोड और नासिक व त्र्यंबकेश्वर जाने वाले हाईवे पर शौचालय बनाने का प्रस्ताव दिया है। गोदावरी में पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं के लिए घाटों के पास लगभग 2,000 चेंजिंग रूम बनाने की भी योजना है।

दिल्ली में ISI आतंकियों के नेटवर्क का भंडाफोड़, थानों की रेकी करने वाले 4 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी ढ्ढस्ढ्ढ हैंडलर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगियों के निर्देश पर दिल्ली-एनसीआर में एक बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश रचने वाले चार आरोपियों को कई राज्यों में छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया है. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ के स्पॉन्सर्ड अंतरराज्यीय आतंकी और हथियार तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया है. पुलिस ने इस मामले में पंजाब से तीन और दिल्ली से एक आरोपी को गिरफ्तार कर उनके पास से विदेशी हथियार बरामद किए हैं. जांच में पता चला है कि आरोपियों ने पाकिस्तान स्थित ढ्ढस्ढ्ढ हैंडलर शहजाद भट्टी के निर्देश पर दिल्ली में धार्मिक स्थलों और दिल्ली पुलिस के महत्वपूर्ण ठिकानों पर आतंकी हमले की साजिश रची थी. एक आरोपी को इन जगहों की रेकी करने और पुलिस प्रतिष्ठानों पर फायरिंग करने का टास्क सौंपा गया था. पुलिस ने बताया कि स्पेशल सेल को विश्वनीय सूत्रों से पुख्ता सूचना मिली थी कि पाकिस्तानी हैंडलर शहजाद भट्टी पंजाब के युवाओं को अपने नेटवर्क में शामिल कर दिल्ली में बड़ा हमला करने की फिराक में है. इस इनपुट के आधार पर पुलिस ने पंजाब के अमृतसर स्थित मजीठा रोड पर छापेमारी कर पहले आरोपी शुभदीप सिंह उर्फ विशाल को गिरफ्तार किया. शुभदीप सिंह से मिली जानकारियों के आधार पर पुलिस ने पंजाब में आगे की कार्रवाई करते हुए उसके दो और साथियों गुरजंत सिंह उर्फ ऋषि और साजन सिंह उर्फ हनी को धर दबोचा. पुलिस ने इन दोनों के कब्जे से एक अत्याधुनिक जिगाना पिस्तौल, चार कारतूस और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं. जांच में सामने आया कि 23 वर्षीय शुभदीप सिंह और 28 वर्षीय साजन सिंह का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वो दोनों पहले भी पंजाब पुलिस द्वारा एनडीपीएस के मामलों में गिरफ्तार किए जा चुके हैं.

थानों और धार्मिक स्थलों की रेकी

इस पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस ने 24 अप्रैल को चौथे आरोपी गगनप्रीत को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया. गगनप्रीत मूल रूप से पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले का रहने वाला है और उसके मोबाइल फोन से पुलिस को कई आपत्तिजनक डिजिटल सबूत मिले हैं. पाकिस्तानी हैंडलरों ने गगनप्रीत को विशेष रूप से दिल्ली के संवेदनशील धार्मिक स्थलों, महत्वपूर्ण पुलिस थानों और पुलिस पिकेट की वीडियो बनाकर रेकी करने का जिम्मा सौंपा था. इसके साथ ही उसे दिल्ली के इन पुलिस प्रतिष्ठानों पर अंधाधुंध फायरिंग करने का टास्क भी दिया गया था.

दिल्ली में तैयार होगा कुरानी वन, इस्लामी परंपराओं में है काफी महत्व

दिल्ली में हरियाली और सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने के लिए कुरानी वन विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में हरियाली बढ़ाने की कोशिश के साथ अब संस्कृति को जोड़ने की पहल हो रही है। अलग-अलग थीम पर विकसित किए जा रहे ऋतु वन, नक्षत्र वन, पंचवटी वन के बाद राजधानी में कुरानी वन बनेगा। वन विभाग इस प्रपोजल पर काम शुरू कर चुका है। वन विभाग के अधिकारी के मुताबिक शुरुआती स्तर पर ऐसे पौधों और पेड़ों को शामिल करने पर विचार हो रहा है जिनका इस्लामी परंपराओं में महत्व माना जाता है। इनमें खजूर जैसे पेड़ भी शामिल होंगे। ऋतु वन में मौसमों के अनुसार फूल और पत्तियों में बदलाव दिखाने वाले पेड़ लगाए जाएंगे। नक्षत्र वन में तारों और नक्षत्रों से जुड़े पौधे होंगे, जबकि राशि वन राशि चक्र की अवधारणा पर आधारित होगा। तीर्थंकर वन जैन परंपरा से प्रेरित होगा, बेल वन में बेल वृक्ष केंद्र में रहेगा।

क्या होते हैं कुरानी वन?

इसका मतलब ऐसे वन से है जिसमें उन पेड़-पौधों को लगाया जाए जिनका उल्लेख कुरान में मिलता है या जिनका इस्लामी परंपराओं में विशेष महत्व माना जाता है। इस जंगल में आमतौर पर खजूर, जैतून, अंजीर, अनार आदि के पेड़ होते हैं।

कहां-कहां हैं कुरानी वन?

कतर में कुरानिक बॉटेनिकल गार्डन काफी चर्चित है। इसे 2008 के आसपास शुरू किया गया था। दुबई का कुरानिक पार्क 2019 में शुरू हुआ। यहां कई थीम वाले बगीचे हैं। पाकिस्तान में भी कुरान गार्डन हैं। इन्हें धार्मिक-सांस्कृतिक शिक्षा से जोड़ा गया है

AAP के बागी गुट IVP का दिल्ली BJP में हो सकता है विलय, 16 पार्षदों की नजर नगर निकाय के अहम पदों पर

जिसके तहत इनकी पार्टी 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' बीजेपी में विलय कर सकते हैं। बताया जा रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले पार्षदों की बनाई 'इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी' के बनने के मुश्किल से 14 महीने बाद ही, इसके BJP में विलय के कयास लगाए जा रहे हैं। पार्टी के 16 पार्षदों के एमसीडी चलाने वाली बीजेपी में शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, आईवीपी और बीजेपी के विलय को लेकर सीनियर लेवल पर बातचीत हो चुकी है और दोनों पक्षों के बीच सहमति बन गई है। जल्द ही इसकी औपचारिक घोषणा हो सकती है।

यह कदम चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन के चुनाव के पहले उठाया गया

यह कदम इस महीने 12 एसमीडी जोन में चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन के साथ-साथ छह स्टैंडिंग कमेटी सदस्यों के चुनाव से पहले उठाया गया है। फरवरी 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार के तीन महीने के अंदर ही आम आदमी पार्टी को एक और झटका लगा, जब उसके 16 पार्षदों ने अलग होकर आईवीपी बना ली। इस घटनाक्रम से वार्ड कमेटियों और स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव में रुकावट आई। मेयर का पद गंवाने के बाद, आम आदमी पार्टी ने स्टैंडिंग कमेटी में भी अपना बहुमत खो दिया। तब से, छह बार पार्षद रहे मुकेश गोयल के नेतृत्व वाली आईवीपी म्युनिसिपल हाउस में अप्रत्यक्ष रूप से बीजेपी का समर्थन कर रही है, हालांकि, कई मुद्दों पर दोनों पार्टियों के बीच मतभेद भी सामने आए हैं। एमसीडी में कुल 250 पार्षदों में से बीजेपी के पास 123 और आम आदमी पार्टी के पास 100 पार्षद हैं। आईवीपी के 16 पार्षदों के अलावा, कांग्रेस के पास नौ पार्षद हैं, फॉरवर्ड ब्लॉक के पास एक है

भारत की पहली मराठी महिला ने जॉइन की स्ट्र आर्मी, मिलिए महाराष्ट्र के रत्नागिरी की बेटी प्राजक्ता बोंगले से

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रत्नागिरी. महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के दापोली की रहने वाली प्राजक्ता भाम्बुरे-बोंगले ने अमेरिकी सेना के आठ महीने के कड़े मिलिट्री ट्रेनिंग प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद सेना में जगह बनाई है। उनकी इस उपलब्धि की कोंकण क्षेत्र में हर तरफ़ तारीफ़ हो रही है और कई लोग इसे महाराष्ट्र और भारत, दोनों के लिए गर्व का पल बता रहे हैं। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के दापोली की रहने वाली कोंकण सुकन्या प्राजक्ता भाम्बुरे बोंगले अपनी शादी के बाद पति के साथ अमेरिका चली गईं। अब वह अमेरिकी सेना में सीधे चयनित हो गई हैं। प्राजक्ता वर्तमान में अमेरिकी सेना के चिकित्सा विभाग में कार्यरत हैं। प्राजक्ता ने दापोली के ए. जी. हाई स्कूल से पढ़ाई की है। एजी हाई स्कूल से इंटर करने के बाद उन्होंने रत्नागिरी के गोगेट जोगलेकर कॉलेज में एडमिशन लिया। बीएससी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने मुंबई के रूपारेल कॉलेज से एंडोक्रिनोलॉजी में एमएससी की उपाधि प्राप्त की।

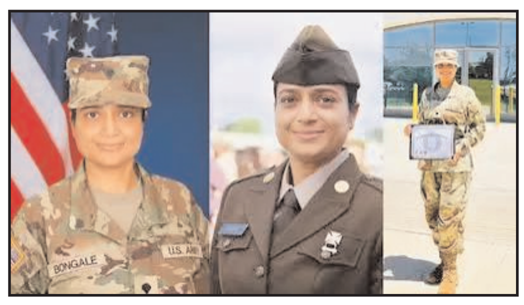

उत्कृष्ट निशानेबाजी का मिला पदक

अपने पूरे प्रशिक्षण के दौरान, प्राजक्ता बोंगले को उत्कृष्ट निशानेबाजी के लिए निशानेबाजी पदक प्राप्त हुआ है। उन्होंने पूरे प्रशिक्षण बैच में सर्वोच्च शैक्षणिक अंक प्राप्त करके उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

बचपन से ही सेना में जाने का था सपना

शादी के बाद प्राजक्ता अमेरिका में बस गईं। आठ महीने के कठोर और शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अमेरिकी सेना ने आधिकारिक तौर पर स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली है। प्रजाक्ता को बचपन से ही सेना में शामिल होने का बहुत शौक था। दापोली में पढ़ाई के दौरान भी उनका यही सपना था।

दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों को फिर से बनानी होगी फीस कमेटी, आदेश जारी

दिल्ली सरकार ने निजी स्कूलों को 15 जुलाई तक स्कूल लेवल फीस रेगुलेशन कमेटी बनाने का निर्देश दिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मनमानी फीस को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार ने नए कानून के तहत सभी प्राइवेट स्कूलों को कमेटी बनाने के लिए कहा है। यह कमेटी तय करेगी कि तीन अकैडमिक सेशन की फीस क्या हो। सभी स्कूलों को 15 जुलाई तक स्कूल लेवल फीस रेगुलेशन कमेटी बनाने के लिए कहा गया है। 'दिल्ली स्कूल एजुकेशन-ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस 2025' के तहत दिल्ली की शिक्षा निदेशक वेदिता रेड्डी ने फीस कमेटी को बनाने को लेकर आदेश जारी किया है। कमेटी में स्कूल मैनेजमेंट का एक प्रतिनिधि अध्यक्ष होगा, जबकि स्कूल का प्रिंसिपल सेक्रेटरी रहेगा।

ड्रॉ के जरिए चुने गए तीन टीचर और पांच पैरेंट्स सदस्य होंगे।

शिक्षा निदेशालय की ओर से नामित एक अधिकारी कमेटी के ऑब्जर्वर के रूप में पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगा। पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य होगी। 15 जुलाई तक कमेटी बनाने और स्कूल 31 जुलाई तक तीन वर्षों (2026-27 से तीन सेशन) के लिए प्रस्तावित फीस स्ट्रक्चर कमेटी के सामने पेश करेंगे। तीन वर्षों के चार्टर्ड अकाउंटेंट से प्रमाणित ऑडिट किए गए दस्तावेज भी जमा करने होंगे। कमेटी प्रस्तावित फीस की जांच कर उसे मंजूरी देगी या आवश्यक बदलाव सुझाएगी।

कमेटी बनाने पर रोक नहीं: आशीष सूद

हाई कोर्ट ने ना ही एक्ट में और ना ही कमेटी में स्टे लगाया था, बल्कि फीस तय करने से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए कहा था। कोर्ट ने फीस बढ़ोतरी पर रोक लगाई थी, जब तक नई कमेटी फैसला नही लेती। तो अब हमने स्कूलों से स्कूल लेवल फीस रेगुलेशन कमेटी बनाने को कहा है ताकि वो तीन सेशन की फीस तय कर सकें। कमेटी बनाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। हाई कोर्ट के 28 फरवरी के आदेश का हवाला देते हुए शिक्षा निदेशालय ने साफ किया है कि जब तक नई फीस को मंजूरी नहीं मिलती, तब तक स्कूल 2025-26 के बराबर ही फीस वसूल सकेंगे। अतिरिक्त वसूली गई राशि अभिभावकों को वापस करनी होगी या एडजस्ट करनी होगी।निदेशालय ने चेतावनी दी है कि नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी डायरेक्टर शिखा बग्गा का कहना है

मानसून सत्र के पहले ND का मिशन दो तिहाई बहुमत, शरद पवार के 8 सांसदों पर नजर

मानसून सत्र की शुरुआत से पहले सत्ताधारी एनडीए दो तिहाई बहुमत का आंकड़ा जुटाने के मिशन में जुटा हुआ है. पहले टीएमसी और फिर उद्धव ठाकरे की पार्टी में बगावत के बाद अब नजर शरद पवार की पार्टी पर है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने वाला है और इससे पहले सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) दो तिहाई बहुमत जुटाने की जुगत में जुटा हुआ है. पहले तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों के पाला बदल और फिर उद्धव ठाकरे की पार्टी के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल होने के बाद अब एनडीए की नजर शिवसेना (यूबीटी) की गठबंधन सहयोगी शरद पवार की पार्टी के सांसदों पर है. सूत्रों की मानें तो एनसीपी (शरद पवार) के लोकसभा में आठ सांसद एनडीए के संपर्क में हैं. हालांकि, इसे लेकर अभी कुछ भी तय नहीं है कि इस सांसदों का ठिकाना कौन सी पार्टी होगी. एनडीए की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) इन सांसदों को लेने के लिए तैयार नहीं है. बीजेपी नेतृत्व ने इनमें से किसी को मंत्री पद देने के कयास भी खारिज कर दिए हैं. शरद पवार की पार्टी के सांसद भविष्य में सुनेत्रा परिवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में जा सकते हैं. एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की संभावनाएं फिलहाल नकारी जा रही हैं. एनसीपी (शरद पवार) के सांसदों की बगावत के पीछे पार्टी के कांग्रेस में विलय के कयासों को वजह बताया जा रहा है. कहा जा रहा है कि कांग्रेस में विलय की अटकलों से शरद पवार की पार्टी के सांसदों में बेचैनी है. शरद पवार की पार्टी के सांसद 2029 के लोकसभा चुनाव में अपने टिकट को लेकर सशंकित हैं. एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसदों का यह भी कहना है कि केंद्र में एनडीए की सरकार है ही, महाराष्ट्र में भी एनडीए ही सत्ता में है. ऐसे में उनको अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कराने, विकास कार्य कराने में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. इन सबके बीच चर्चा इस बात की है कि शरद पवार की अगुवाई वाली पार्टी के सांसदों का समर्थन किस तरह से एनडीए ले सकता है, इसकी संभावनाएं तलाशी जा रही हैं. इस पूरी कवायद के पीछे महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिशें हैं.

गाड़ियां बहीं, शक्तिमान ट्रक भी जलभराव में लाचार, मुंबई की बारिश ने मजे के साथ सजा भी दे दी

मुंबई में मानसून की रफ्तार तेज हो गई है। गुरुवार को लगातार तीसरे दिन हुई भारी बारिश से मायानगरी की रफ्तार पर ब्रेक लग गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में मानसून की पहली तेज बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी तो वहीं शहर की रफ्तार पर भी ब्रेक लगा दिया। कई इलाकों में भारी जलभराव के कारण सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। हालात ऐसे बने कि सड़क किनारे खड़ी गाड़ियां पानी के तेज बहाव में बहती नजर आईं। यहां तक कि ताकत और मजबूती का प्रतीक माने जाने वाले शक्तिमान ट्रक भी पानी में फंसकर बेबस दिखे। एक तरफ लोगों ने बारिश का आनंद लिया, तो दूसरी तरफ इस बारिश ने शहर की बदहाल ड्रेनेज व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों की पोल खोल दी।

ट्रेन सेवाएं और उड़ानें भी प्रभावित

पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में 90 मिमी से 99 मिमी के बीच हुई मूसलाधार बारिश की वजह से कई निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई। इस जलभराव के कारण सड़क यातायात और उपनगरीय (लोकल) ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। वहीं खराब मौसम के चलते मुंबई आने वाली तीन उड़ानों का मार्ग भी बदलना पड़ा। हालांकि, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बाद में सभी उड़ानें सुरक्षित मुंबई लौट आईं।

भारी बारिश का अलर्ट

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 24 घंटों में मुंबई और उसके उपनगरों में तेज हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके साथ ही आईएमडी ने आज के लिए पड़ोसी जिले पालघर में और गुरुवार और शुक्रवार दोनों दिन के लिए रायगढ़ में भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों से अपील की। उन्होंने कहा कि शहर में अगले तीन घंटों के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट है। अगर कोई जरूरी काम हो तभी घर से बाहर निकलें, वरना सावधानी बरतते हुए सुरक्षित रहें। लगातार बारिश के कारण अंधेरी सबवे, सांताक्रूज, खार, बांद्रा, कुर्ला, विक्रोली, पवई, घाटकोपर, भांडुप और मुलुंड जैसे निचले इलाकों से जल भराव की शिकायतें मिलीं। अंधेरी सबवे में पानी भरने के कारण प्रशासन को यातायात का रूट बदलना पड़ा।

दिल्ली में EV पॉलिसी 2.0 लागू, 10 हजार से लेकर 1 लाख रुपये तक मिलेगी सब्सिडी

नई ईवी पॉलिसी 2.0 के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क माफ रहेगा। विभिन्न श्रेणियों में सब्सिडी, चार्जिंग नेटवर्क विस्तार, सरकारी बेड़े का विद्युतीकरण और बैटरी रीसाइक्लिंग की व्यवस्था भी नीति का हिस्सा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने श्वड्ड पॉलिसी 2.0 की अधिसूचना जारी कर दी है। नई नीति के तहत 1 जुलाई 2026 से खरीदी जाने वाली श्वड्ड पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क पूरी तरह माफ रहेगा। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों की श्वड्ड पर निर्धारित मानकों के अनुसार सब्सिडी का भी लाभ मिलेगा। सीएम रेखा गुप्ता का दावा है कि इस नीति से प्रदूषण कम करने, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने और EV खरीदना किफायती भी होगा। नई EV पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक टूव्हीलर, थ्रीव्हीलर, ई-रिक्शा, मालवाहक गाड़ियों और चुनिंदा फोर व्हीलर EV के लिए 10 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक की सब्सिडी तय की गई है। EV खरीदने पर पात्र उपभोक्ताओं को आवेदन के 60 दिनों के भीतर सब्सिडी सीधे बैंक खाते में उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा पुराने BS-4 गाड़ियों को स्क्रैप कराने पर भी एक लाख तक की इंसेंटिव का प्रावधान है। यह इंसेंटिव चार कैटेगरी, टूव्हीलर, थ्रीव्हीलर, निजी फोर व्हीलर कार और ग्रामीण सेवा के लिए है। यह EV पॉलिसी मार्च 2030 तक के लिए लागू होगा।

EV पॉलिसी की खास बातें

सरकार का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में राजधानी में EV की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि करना है। इसके लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, बैटरी स्वैपिंग सुविधाओं को बढ़ावा, सार्वजनिक स्थानों और आवासीय परिसरों में अधिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का प्रावधान भी EV पॉलिसी में किया गया है। अगले चार साल में दिल्ली में 32 हजार से अधिक चार्जिंग पॉइंट शुरू होंगे नई EV नीति में कमर्शियल गाड़ियों के विद्युतीकरण पर भी विशेष जोर दिया गया है।ई-रिक्शा, ई-कार्ट और इलेक्ट्रिक मालवाहक गाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए अलग प्रावधान किए गए हैं ताकि अंतिम छोर तक माल ढुलाई और सार्वजनिक परिवहन में स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ सके। सरकार का कहना है कि इससे प्रदूषण और ईंधन पर निर्भरता, दोनों में कमी आएगी। रकार इस नीति पर 7000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। एग्रीगेटर्स सेवा देने वाली कंपनियों को भी अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक गाड़ियां शामिल करनी होगी। अब एग्रीगेटर्स अपने बेड़े में सिर्फ इलेक्ट्रिक टूव्हीलर ही शामिल करेंगे। हालांकि BS-6 कैटेगरी वाली गाड़ियों को दिसंबर 2026 तक के लिए छूट दी गई है। नीति लागू होने के बाद सरकारी बेड़े में शामिल होने वाली नई गाड़ियां भी होंगी ई-व्हीकल। रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली नई इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में दिल्ली सरकार ने यह भी फैसला किया है कि नीति लागू होने के बाद सरकारी बेड़े में शामिल होने वाले नए वाहन भी इलेक्ट्रिक होंगे। इसका उद्देश्य प्रदूषण कम करना, ईंधन पर होने वाला खर्च घटाना और दिल्ली में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना है। नई नीति के अनुसार, दिल्ली परिवहन निगम और परिवहन विभाग द्वारा खरीदी जाने वाली सभी नई इंट्रा स्टेट बसें केवल इलेक्ट्रिक होंगी।

झालोदः JP के विकास रथ ने पकड़ी रफ़्तार, रामसागर झील बनेगी शहर का सबसे खूबसूरत आकर्षण का केंद्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। झालोद शहर में विकास के चक्र को और रफ़्तार देते हुए, BJP शासित नगर पालिका एक के बाद एक बड़े प्रोजेक्ट लागू कर रही है। खासकर, शहर का दिल और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर रामसागर झील को मॉडर्न सुविधाओं के साथ डेवलप करने के लिए शुरू किए गए विकास कार्य अब शहरवासियों के बीच चर्चा का विषय बन गए हैं। सालों से शहरवासी मांग कर रहे थे कि रामसागर झील को घूमने, हेल्दी माहौल और परिवार के साथ समय बिताने के लिए एक बेहतरीन जगह के तौर पर डेवलप किया जाए। अब BJP के विकास रथ के तहत यह सपना साकार हो रहा है। रामसागर झील को झालोद की पहचान माना जाता है। यहां सुबह-शाम बड़ी संख्या में लोग घूमने और प्राकृतिक माहौल का आनंद लेने आते हैं। इस जगह को और भी आकर्षक और सुविधाजनक बनाने के लिए, नगर पालिका झील के चारों ओर लगभग एक किलोमीटर लंबी और तीन मीटर चौड़ी नई छ्ष्ट सड़क बनाने के लिए ज़ोर-शोर से काम कर रही है। यह सड़क सिर्फ़ सड़क ही नहीं होगी, बल्कि शहरवासियों के लिए खुली हवा में एक हेल्दी वॉकिंग स्ट्रीट के तौर पर उभरेगी। वॉकिंग स्ट्रीट के चारों ओर मज़बूत रेलिंग, मॉडर्न लाइटिंग और सुरक्षा सुविधाएं बनाई जा रही हैं, ताकि शहरवासियों को दिन-रात आराम से घूमने-फिरने की सुविधा मिले। नगर पालिका प्रशासन ने इस पूरे प्रोजेक्ट को दिवाली से पहले पूरा करने का भरोसा दिया है। इसके अलावा, रामसागर झील के घाट का निर्माण, एक ऐतिहासिक कुएं का विकास, एक नया क्रिकेट ग्राउंड, झील की पिचिंग का काम, डंपिंग साइट का आधुनिकीकरण और कचरे से जैविक खाद बनाने के प्रोजेक्ट भी उसी रफ़्तार से चल रहे हैं। इन योजनाओं को न सिर्फ़ विकास, बल्कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और खेलों को बढ़ावा देने के लिए भी अहम कदम माना जा रहा है। नगर पालिका के BJP पार्षद झालोद को एक सुंदर, साफ़ और दर्शनीय शहर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। हर इलाके में विकास पहुंचे और शहरवासियों को बेहतरीन सुविधाएं मिलें, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। BJP का डेवलपमेंट मॉडल अब झालोद के चेहरे पर साफ दिख रहा है। इस बारे में नगर पालिका के एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट दिनेश पांचाल ने कहा, 'नगर पालिका झालोद को डेवलपमेंट की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कमिटेड है। रामसागर झील को शहर की शान और लोगों के लिए एक हेल्दी जगह बनाने के लिए कई प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं।

मोरबी के जेटपार में किसानों का आंदोलन और तेज़ वाटर-प्रूफ डोम के साथ पंजाब जैसे लंबे संघर्ष की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। गुजरात में किसानों और सरकार के बीच संघर्ष अब आर-पार की लड़ाई की ओर बढ़ रहा है। मोरबी तालुका के जेटपार में चल रहा भूख हड़ताल अब सिर्फ़ एक लोकल विरोध प्रदर्शन नहीं रहा, बल्कि पूरे राज्य के किसानों के गुस्से का केंद्र बन गया है। आंदोलनकारियों ने अब मानसून के मौसम को ध्यान में रखते हुए भूख हड़ताल कैंप साइट पर एक बड़ा 'वाटर-प्रूफ डोम' बनाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है, जिससे साफ़ संकेत मिलता है कि किसान अब आर-पार की लंबी लड़ाई के लिए कमर कस चुके हैं। आंदोलन कैंप से आ रही खबरों और सोशल मीडिया पर बह रहे गुस्से के मुताबिक, नेता और किसान नेता इस संघर्ष को पंजाब के ऐतिहासिक किसान आंदोलन जैसा लंबा और मज़बूत रूप देने का आधिकारिक तौर पर ऐलान कर रहे हैं। किसानों का कहना है, 'पंजाब के 600 से ज़्यादा किसान दिल्ली के बॉर्डर पर शहीद हो गए, फिर भी वे झुके नहीं। गुजरात के किसान भी अपने हक के लिए इतने लंबे और कुर्बानी वाले संघर्ष के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं।जेतपार से उठी यह आवाज़ अब पूरे गुजरात में जंगल की आग की तरह फैल रही है। आंदोलनकारियों का सीधा आरोप है कि यह संघर्ष अब सिर्फ़ मोरबी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गुजरात के सभी 56 लाख किसानों की बिजली कंपनियों और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार के खिलाफ सीधी लड़ाई बन गई है। किसानों के हितों की अनदेखी और बिजली व दूसरी खेती की नीतियों के खिलाफ अन्नदाताओं में जो गुस्सा भड़क रहा है, वह कभी भी बड़ा रूप ले सकता है।

कच्छ पुलिस में गहरा शोकः भचाऊ के बहादुर ASI सुभाष चंद्र राजगोर की हार्ट अटैक से मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

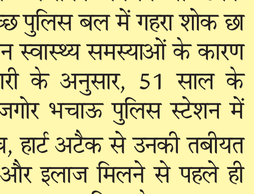

भचाऊ। गुजरात पुलिस परिवार से एक और बहुत दुखद और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। कच्छ जिले के भचाऊ पुलिस स्टेशन में सेवारत और अपने ईमानदार काम के लिए जाने जाने वाले 51 साल के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र राजगोर का हार्ट अटैक से दुखद निधन हो गया है। एक बहादुर और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी के अचानक निधन से उनके परिवार समेत पूरे कच्छ पुलिस बल में गहरा शोक छा गया है ड्यूटी के दौरान स्वास्थ्य समस्याओं के कारण निधन मिली जानकारी के अनुसार, 51 साल के ASI सुभाष चंद्र राजगोर भचाऊ पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे। इसी बीच, हार्ट अटैक से उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और इलाज मिलने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। गुजरात पुलिस के इस बहादुर कर्मचारी ने हमेशा प्रशासन और जनता की सेवा की, और उनकी असामयिक मृत्यु ने उनके साथी पुलिसकर्मियों और उच्च अधिकारियों को स्तब्ध कर दिया है। गार्ड ऑफ़ ऑनर के साथ विदाई जब दिवंगत पुलिसकर्मी सुभाष चंद्र राजगोर का पार्थिव शरीर उनके होमटाउन वापस लाया गया तो माहौल बहुत गमगीन हो गया।

सीएम विजय ने किया खेलाः एआईएडीएमके के 100 नेता टीवीके में शामिल होंगे

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सियासी हलचल अपने चरम पर है, जहाँ मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी एक बड़ा विस्तार करने जा रही है। ऐसी खबरें हैं कि राज्य के प्रमुख दल एआईएडीएमके के लगभग सौ बड़े नेता टीवीके में शामिल होने को तैयार हैं, जिसे टीवीके के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब एआईएडीएमके में आंतरिक कलह की खबरें जोरों पर हैं, और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन लगातार विधानसभा चुनाव जल्द होने का दावा कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि करीब 15 पूर्व विधायक, 5 पूर्व मंत्री और सैकड़ों पार्टी कैडर गुरुवार को ममल्लपुरम के एक रिसॉर्ट में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में टीवीके का दामन थाम सकते हैं। इन नेताओं में पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर, एम.आर. विजयभास्कर, एम.एस.एम. आनंदन, एस. वलारमति और पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरि की बेटी कायलविझि जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा, करूर और पुडुकोट्टई जिलों से भी कई पूर्व नेता और जिला स्तरीय पदाधिकारी टीवीके में शामिल हो सकते हैं। यह कोई पहली बार नहीं है जब एआईएडीएमके के बड़े नेता टीवीके में आ रहे हैं; इससे पहले भी चार पूर्व मंत्री, जिनमें एमसी संपत, एन.आर. शिवपति, कादंबूर सी. राजू और उदुमलाई के. राधाकृष्णन शामिल हैं, टीवीके में शामिल हो चुके हैं।

इस बीच, टीवीके ने डीएमके पर अपने विधायकों को लुभाने और खरीदने की कोशिश करने का गंभीर आरोप भी लगाया है। तमिलनाडु के मंत्री और टीवीके नेता आर. निर्मल कुमार ने दावा किया कि डीएमके नेतृत्व, जिसमें एम.के. स्टालिन और उदयनिधि शामिल हैं, ने सेंथिल बालाजी जैसे लोगों के इशारे पर टीवीके के कई विधायकों से संपर्क किया और उन्हें 10 करोड़ से 50 करोड़ रुपये तक की पेशकश की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस ने कृष्णगिरि जिले के उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक एन. इलैयाराजा से संपर्क करने के आरोप में नरेश नामक व्यक्ति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस के अनुसार, विधायक को विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव में उनके सहयोग के बदले 35 करोड़ रुपये का प्रलोभन दिया गया था। कुमार ने आरोप लगाया कि पिछले लगभग 40 दिनों से डीएमके और एआईएडीएमके के शीर्ष नेता अनुचित तरीके से सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन सभी घटनाक्रमों से तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।

अमन की आशा पहल पर प्रियंका चतुर्वेदी ने दागे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद बहाल करने की मांग को लेकर लिखे गए संयुक्त पत्र पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वालों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार उसी विचार को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसे अधिकांश भारतीय पहले ही खारिज कर चुके हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमन की आशा पहल का समर्थन करने वाले लोगों को यह बताना चाहिए कि वे पाकिस्तान से बातचीत के बेकार विचार को लगातार क्यों दोहरा रहे हैं। उन्होंने पूछा, क्या आपने पिछली कोशिशों से कोई सबक नहीं सीखा? क्या आप 26/11 मुंबई आतंकी हमले और 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को भूल गए हैं? दरअसल, एक दिन पहले भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रतिष्ठित नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को संयुक्त पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच शांति, सामान्य कूटनीतिक संबंध और संवाद प्रक्रिया बहाल करने की अपील की थी। पत्र में नई दिल्ली और इस्लामाबाद में उच्चायुक्तों की नियुक्ति, सामान्य वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने और दोनों देशों के बीच एयरस्पेस खोलने जैसी मांगें भी शामिल थीं। इस पहल पर हस्ताक्षर करने वालों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की महबूबा मुफ्ती, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा, पूर्व रॉ प्रमुख ए.एस. दुलत, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर, पूर्व सांसद जवाहर सरकार, मीरवाइज उमर फारूक, प्रो. अपूर्वानंद, संदीप पांडेय, मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, रीता मंचंदा और अन्य प्रमुख हस्तियां शामिल हैं।

मप्र भाजपा में 'चिट्ठी बम' से हड़कंप; विजयवर्गीय के कथित पत्र से सियासी पारा चढ़ा

– इंदौर के विकास, प्रशासनिक अनदेखी और विभागीय असहयोग पर उठे सवाल, विपक्ष ने साधा निशाना

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की सियासत में बुधवार को उस समय तेज हलचल मच गई जब नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखा एक कथित पत्र सामने आने की चर्चा ने राजनीतिक गलियारों में गर्मी बढ़ा दी। इस पत्र को लेकर सत्ताधारी भाजपा के भीतर असंतोष और प्रशासनिक खींचतान की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के अनुसार, 20 जून की तारीख वाले इस कथित पत्र में इंदौर के विकास कार्यों, विशेषकर मास्टर प्लान में देरी, मेट्रोपॉलिटन रीजन में इंदौर की स्थिति तथा नगरीय विकास विभाग के कामकाज को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई गई हैं। पत्र में यह भी उल्लेख है कि पिछले ढाई वर्षों से उन्हें लगातार ÷असहयोग, उपेक्षा और विरोध÷ का सामना करना पड़ रहा है।

कथित पत्र में यह आरोप भी लगाए गए हैं कि विभागीय स्तर पर महत्वपूर्ण तबादलों और निर्णयों में मंत्री की सहमति या जानकारी को दरकिनार किया जा रहा है। साथ ही, इंदौर से जुड़े विकास प्रकरणों पर अपेक्षित गति नहीं मिलने पर असंतोष जताया गया है।

बताया जा रहा है कि पत्र के अंत में चेतावनी भरे अंदाज में यह भी कहा गया है कि यदि शहर के विकास से जुड़े मुद्दों का समाधान शीघ्र नहीं हुआ तो वे जनता के बीच जाकर अपनी बात रखने को मजबूर होंगे।

हालांकि, इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया के सवालों को टालते हुए कहा कि उन्हें इस पत्र की जानकारी नहीं है और इसकी वास्तविकता के लिए अखबारों से पूछा जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद मामला और अधिक उलझ गया है।

उधर, विपक्षी कांग्रेस ने इस घटनाक्रम को भाजपा के भीतर गहरे मतभेद और आंतरिक शक्ति-संघर्ष का संकेत बताया है। कांग्रेस नेताओं में दिग्विजय सिंह और उमंग सिंघार सहित अन्य नेताओं ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर तंज कसे हैं।

कांग्रेस का कहना है कि यह स्थिति सरकार के भीतर समन्वय की कमी और प्रशासनिक निर्णयों में टकराव को दर्शाती है, जिसका असर राज्य के विकास कार्यों पर पड़ सकता है।

फिलहाल, कथित पत्र की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह मामला राजनीतिक हलकों में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की पड़तालः शिंदे का लक्ष्य बहुमत या फडणवीस?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर दल-बदल और आंतरिक सत्ता संघर्ष के चरम पर है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को लगातार झटके लग रहे हैं। लोकसभा के छह सांसदों के पाला बदलने के ठीक एक हफ्ते बाद, उद्धव सेना के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने भी पाला बदल लिया है। बुधवार को उन्हें सत्तारूढ़ शिवसेना यानी एकनाथ शिंदे गुट के उम्मीदवार के रूप में निर्विरोध विधान परिषद का उपसभापति चुना गया। आदित्य ठाकरे के बेहद करीबी माने जाने वाले सचिन अहीर का यह कदम उद्धव गुट के लिए एक बड़ा मनोवैज्ञानिक झटका है, जिसने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की राजनीतिक ताकत को और मजबूत कर दिया है। राजनीतिक गलियारों में उद्धव सेना के सांसदों और नेताओं के इस सामूहिक दल-बदल को ऑपरेशन टाइगर का नाम दिया जा रहा है। इस ऑपरेशन के जरिए शिंदे न केवल राज्य की राजनीति में, बल्कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के भीतर भी खुद को एक अपरिहार्य नेता के रूप में स्थापित करने में सफल रहे हैं।

महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषकों और अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, इस ऑपरेशन टाइगर के पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण माने जा रहे हैं। पहला कारण संसद में दो-तिहाई बहुमत की रणनीति है। कहा जा रहा है कि इस ऑपरेशन को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिली है, क्योंकि केंद्र सरकार को आने वाले समय में परिसीमन, एक राष्ट्र, एक चुनाव और महिला आरक्षण जैसे कुछ बेहद महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को संसद में पारित कराना है, जिसके लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। शिंदे की यह मुहिम इस बहुमत को जुटाने में मददगार साबित हो रही है। दूसरा कारण एकनाथ शिंदे की अपनी महत्वाकांक्षा है। साल 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को 132 सीटें मिली थीं, जबकि शिंदे की शिवसेना को 57 और एनसीपी (अजीत पवार) को 41 सीटें मिलीं, जिसके कारण मुख्यमंत्री पद देवेंद्र फडणवीस के पास चला गया और शिंदे को उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा। शिंदे गुट का मानना है कि महायुति की चुनावी जीत उनकी सरकार की लाडकी बहिन योजना के कारण हुई थी, इसलिए सीएम पद न मिलने से शिंदे काफी समय से असहज थे। अब वे भाजपा के केंद्रीय आलाकमान के पसंदीदा नेताओं की सूची में आकर 2029 के चुनावों के लिए फिर से शीर्ष पद पर अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और दिलचस्प पहलू महायुति गठबंधन के भीतर का आंतरिक सत्ता संघर्ष है। गठबंधन के ही कुछ अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि शिंदे के राजनीतिक कद को जानबूझकर बढ़ावा देना एक रणनीतिक चाल भी हो सकती है, ताकि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित रखा जा सके।

राम मंदिर दान चोरी : चंपत राय लापरवाह हैं तो एक्शन होगा : आलोक कुमार

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में हुई दान चोरी की घटना ने दुनियाभर के हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। इस मामले में एसआईटी जांच के बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय पर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की संभावित कार्रवाई को लेकर वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया कि चंपत राय लापरवाही के दोषी हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि परिषद उनके खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई पर विचार करने से पहले एसआईटी जांच के नतीजों का इंतजार करेगी। इसके बाद मछली बड़ी हो या छोटी सभी पर एक्शन होगा। आलोक कुमार ने यह भी साफ किया कि राम मंदिर में हुई दान चोरी के लिए विश्व हिंदू परिषद सीधे तौर पर जवाबदेह नहीं है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के दिन ही उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वीएचपी का काम अब खत्म हो गया है और मंदिर का निर्माण तथा उसका संचालन करना उनका काम नहीं है। उन्होंने इस चोरी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इस घटना का बचाव करने या कोई बहाना बनाने का सवाल ही नहीं उठता, और परिषद चाहती है कि पुलिस तथा एसआईटी सभी कोणों से इसकी गहन जांच करे। चंपत राय वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं, लेकिन आलोक कुमार ने कहा कि वीएचपी ने उन्हें ट्रस्ट के महासचिव पद के लिए नामित नहीं किया था और वह वहां वीएचपी का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर इस मामले में वीएचपी, आरएसएस और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को निशाना बनाया जा रहा है। कुमार ने यह भी बताया कि अभी तक चंपत राय पर सीधे तौर पर कोई आरोप नहीं लगे हैं, बल्कि आरोप उनके ड्राइवर पर हैं, जिसके पास स्ट्रॉन्ग रूम की चाबियां थीं।

शांति के लिए दुश्मनों से भी बातचीत जरूरीः पूर्व रॉ प्रमुख दुलत

भारत-पाक संवाद बहाल करने की अपील का समर्थन, बोले- युद्ध नहीं, कूटनीति ही स्थायी समाधान का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से ठप पड़े संवाद को फिर से शुरू करने की मांग के बीच रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख अमरजीत सिंह दुलत ने कहा है कि शांति स्थापित करने के लिए बातचीत आवश्यक है और कूटनीति का मूल सिद्धांत यही है कि बातचीत दुश्मनों से की जाती है, क्योंकि दोस्त तो पहले से ही साथ होते हैं।

भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रमुख नागरिकों द्वारा दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को लिखे गए संयुक्त पत्र का समर्थन करते हुए दुलत ने कहा कि कूटनीति और शांति स्थापना के लिए संवाद हमेशा जरूरी होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कश्मीर में आतंकवाद और हालिया पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर कोई संदेह नहीं है, लेकिन इसके बावजूद बातचीत बंद रखना बेहतर विकल्प नहीं हो सकता।

एक बातचीत के दौरान दुलत ने कहा, शांति कायम करने के लिए सबसे पहले अपने दुश्मनों से ही बात की जाती है। बातचीत सफल होगी या नहीं, यह समय बताएगा, लेकिन संवाद का रास्ता बंद कर देना समाधान नहीं है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि मित्र देशों के नेताओं के साथ संवाद संभव है तो पड़ोसी देशों के बीच भी बातचीत की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। उन्होंने पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का जिक्र करते हुए कहा कि वे हमेशा भारत-पाक शांति के समर्थक रहे हैं। दुलत ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर यात्रा और उनका प्रसिद्ध संदेश हम जंग नहीं होने देंगे भी याद किया।

पूर्व रॉ प्रमुख ने कहा कि चाहे अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल हो, डॉ. मनमोहन सिंह का दौर या वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण, सभी ने अलग-अलग अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उनके अनुसार, दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए कूटनीतिक संवाद ही सबसे प्रभावी माध्यम है।

इसरो के सैटेलाइट ने भेजी मॉनसून की तस्वीरें, देखकर टेंशन हुई खत्म

–1500 किलोमीटर लंबी बारिश वाले बादलों की पट्टी दिखी, खूब बरसेगा पानी

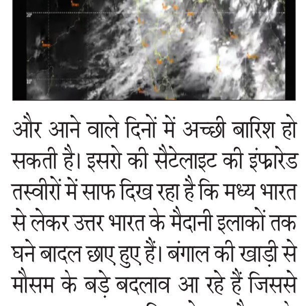

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के सैटेलाइट ने मॉनसून की काफी सुखद तस्वीरें दिखाई हैं। इन्हें देखकर पिछले कुछ दिनों से चली आ रही सबसे बड़ी टेंशन दूर हो जाएगी। सैटेलाइट की तस्वीरों ने मॉनसून की जबर्दस्त वापसी दिखाई है, ऐसे में 125 साल में 5वें सबसे ज्यादा सूखे रहे जून की भरपाई होने की संभावना है। इसरो ने बुधवार को सैटेलाइट से ली गई तस्वीरें जारी की हैं। इनमें साफ दिख रहा है कि अब उत्तर भारत में मानसून के घने बादल बहुत तेजी से फैल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई की शुरुआत में अब मानसून जोर पकड़ रहा है और आने वाले दिनों में अच्छी बारिश हो सकती है। इसरो की सैटेलाइट की इंफ्रारेड तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि मध्य भारत से लेकर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों तक घने बादल छाए हुए हैं। बंगाल की खाड़ी से मौसम के बड़े बदलाव आ रहे हैं जिससे मानसून एकाएक सक्रिय हो गया है। इसके अलावा देखा भी जा रहा है कि इन बादलों की वजह से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अच्छी बारिश हो रही है। 2 जुलाई को दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में भी बारिश की शुरुआत हो गई।

सैटेलाइट तस्वीरों में इस हफ्ते करीब 1500 किलोमीटर लंबी लगातार बारिश वाली बादलों की पट्टी दिखी जो पश्चिम बंगाल से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई थी। यह बताता है कि बादल बिखरे हुए नहीं हैं, बल्कि एक लंबी कतार में जुड़े हैं और अगर एक बार मॉनूसन की बारिश शुरू होती है तो फिर वह छिटपुट नहीं होगी बल्कि लगातार और मूसलाधार होगी। इसका फायदा जमीन, खेत, किसान और मौसम को होगा। गर्मी से राहत मिलेगी और सूखे की आशंकाओं पर भी विराम लगेगा। लिहाजा अब अल नीनो के असर से घबराने की जरूरत नहीं है। इन तस्वीरों से साफ है कि मौसम अब राहत देने के मूड में है और जुलाई में जून की भरपाई हो सकती है।

अमरनाथ यात्रा शुरु, जम्मू-कश्मीर एलजी ने हरी झंडी दिखाकर पहले जत्थे को किया रवाना

–बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं में उत्साह, प्रशासन ने किए सुरक्षा इंतजाम

जम्मू (एजेंसी)। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए बहुप्रतीक्षित श्री अमरनाथ यात्रा 2026 का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास बेस कैंप से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीर्थयात्रियों का काफिला बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

यात्रा के पहले दिन भगवती नगर बेस कैंप में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। प्रशासन की ओर से यात्रियों के पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और अन्य औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें निर्धारित वाहनों से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में पूरे काफिले की आवाजाही सुनिश्चित की गई। इस साल यह यात्रा 57 दिनों तक चलेगी। श्रद्धालु समुद्र तल से करीब 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा तक दो मार्गों से पहुंचेंगे। इनमें अनंतनाग जिले का पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले का 14 किलोमीटर लंबा, लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग शामिल है। दोनों मार्गों से यात्रा एक साथ संचालित की जाएगी।

यात्रा को लेकर जम्मू रेलवे डिवीजन ने भी तैयारियां की हैं। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए हैं। भीड़ प्रबंधन, टिकट जांच, सुरक्षा निगरानी और जरूरी सेवाओं को लेकर विशेष योजना लागू की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जम्मू के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने बताया कि अमरनाथ यात्रा जम्मू-कश्मीर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अहम धार्मिक आयोजन है। इसे देखते हुए रेलवे ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यात्री सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए रेलवे स्टेशन और अन्य प्रमुख स्थानों पर पेयजल, भोजन, विश्राम और सहायता केंद्र जैसी जरुरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों को सही जानकारी और मार्गदर्शन देने के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और पूरे मार्ग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सहायता के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस साल भी यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होगी।

ईवी की हिस्सेदारी 2030 तक 20 प्रतिशत पहुंचने से एक लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है आयात बिल- एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया संकट के चलते भारतीयों का इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ रुझान बढ़ा है और 2030 तक ईवी की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंचने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। मौजूदा समय में भारतीय बाजार में ईवी की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है। अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू होने के बाद भारत में ईवी के पंजीकरण में जोरदार तेजी देखने को मिली। मार्च-जून की अवधि में देश में औसत 2.3 लाख ईवी प्रति माह पंजीकृत हुए हैं, यह आंकड़ा 2025 में औसत 1.3 लाख प्रति माह था। रिपोर्ट में कहा गया, ÷मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, हमें लगता है कि 2026 में कुल ईवी पंजीकरण 25 लाख का आंकड़ा पार कर सकते हैं।÷ कुल पंजीकरण में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2024 में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2026 में अब तक बढ़कर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कुछ राज्यों में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 29,151 चार्जिंग स्टेशन हैं। कुल चार्जिंग स्टेशनों में से 35 प्रतिशत सिर्फ दो राज्यों (कर्नाटक और महाराष्ट्र) में हैं। नई ईवी पॉलिसी के तहत, दिल्ली सरकार अगले चार सालों में 32,000 चार्जिंग पॉइंट का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, ÷ईवी की सफलता काफी हद तक चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।÷ भारत में 2025 तक 2.86 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थीं और यह आंकड़ा 2030 तक 4 करोड़ गाड़ियों तक पहुंचने का अनुमान है। इन गाड़ियों में से 20 प्रतिशत ईवी होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी की तारीफ की गई, जिससे तहत पहले तीन सालों में दो-पहिया गाड़ियों के लिए खरीद पर इंसेंटिव (कुल मिलाकर 60,000 रुपए) दिया जाएगा। तीन-पहिया गाड़ियों के लिए, कुल इंसेंटिव 1,20,000 रुपए है। एन1 कमर्शियल ट्रकों को पहले साल में 1 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। दिल्ली में ईवी के लिए रोड टैक्स और एक बार की रजिस्ट्रेशन फीस पर 100 प्रतिशत छूट दी गई है।

'यूजरनेम' फीचर को व्हाट्सएप ने बताया वैकल्पिक, कहा-फोन नंबर की तरह ही नहीं होगा पाएगा सर्च

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप ने अपने नए 'यूजरनेम' फीचर को लेकर एफएक्यू (लगातार पूछे जाने वाले सवालों के जवाब) जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि 'यूजरनेम' फीचर अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक है। सोशल मीडिया पर जारी इस एफएक्यू में 'यूजरनेम' फीचर की प्राइवेसी पर व्हाट्सएप ने कहा कि जैसे आप व्हाट्सएप में किसी अनजान का फोन नंबर नहीं खोज सकते, वैसे ही आप यूजरनेम भी नहीं खोज सकते हैं। साथ ही, अनचाहे संपर्क को रोकने के लिए सभी मौजूदा उपाय लागू रहेंगे, जिनमें अनजान मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी देने वाली चेतावनियां (जैसे कि क्या वे नया अकाउंट हैं, क्या आप कोई ग्रुप शेयर करते हैं, या वे किस देश में हैं) और ब्लॉक व रिपोर्ट करने की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, कंपनी यूजर्स को सलाह दी कि किसी को आपसे संपर्क करने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक यूजरनेम की जोड़ें और ऐसा यूजरनेम चुनें जो व्हाट्सएप पर यूनिक हो। व्हाट्सएप ने आगे कहा कि अगर कोई यूजरनेम इंस्टाग्राम या फेसबुक पर किसी यूजर के द्वारा उपयोग हो रहा है, तो वह उनके लिए रिजर्व होगा। इसके साथ व्हाट्सएप ने कहा ही कि लोग लोकप्रिय या जाने-माने यूजरनेम रिजर्व करने के बारे में जो दावे कर रहे हैं, वह सच नहीं है, सिर्फ असली अकाउंट के मालिक ही मशहूर सार्वजनिक हस्तियों के नाम रिजर्व कर सकते हैं। हमने इस साल के आखिर में यूजरनेम लॉन्च होने से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा शुरू कर दी है, क्योंकि हमें लगता है कि लोग इस बात को लेकर काफी उत्साहित होंगे कि वे व्हाट्सएप पर कौन सा यूजरनेम चाहते हैं। हम इसमें जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं और लोगों की राय भी सुन रहे हैं, ताकि जब इसे इस साल के आखिर में लॉन्च किया जाए, तो यह बिल्कुल सही हो।

लगातार दूसरे दिन बाजार में छाई हरियाली, सेंसेक्स में 579 अंकों की उछाल आईटी सेक्टर ने किया बेहतर प्रदर्शन

मुंबई।

अमेरिका और ईरान के बीच व्यापार वार्ता के सकारात्मक संकेतों के चलते तेल की कीमतों में गिरावट आने से गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी50, दोनों में 0.70 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत या 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 0.71 प्रतिशत यानी 169.85 अंक बढ़कर 24,175.70 पर बंद हुआ। दिन के सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,922.64 से 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77083.14 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 656.28 अंकों यानी 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,578.93 का इंट्रा-डे हाई छुआ। वहीं एनएसई निफ्टी अपने पिछले बंद 24,005.85 से 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,062.20 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 0.78 प्रतिशत की उछाल के साथ 24194.55 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.48 प्रतिशत और 1.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

तमिलनाडुः बारिश की कमी के कारण वडामाल्ली के किसानों को भारी नुकसान की आशंका

कोयंबटूर।

लंबे समय से बारिश न होने के कारण तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वडमल्ली किसान अपनी फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। थोंडामुथुर ब्लॉक में फूलों वाले पौधों के बड़े-बड़े हिस्से सूखने लगे हैं। इस इलाके के किसानों का कहना है कि गर्मियों में अच्छी बारिश न होने और उसके बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून की कम बारिश की वजह से पानी की भारी कमी हो गई है। इससे ओणम के मुनाफे वाले बाजार के लिए लगाई गई फसलों पर बुरा असर पड़ा है। वडिवेलमपालयम, मुगासिमंगलम, मोलापालयम और कलिमंगलम गांवों में 500 एकड़ से अधिक जमीन पर वडमल्ली (गोम्फ्रेना ग्लोबोसा, जिसे आम तौर पर ग्लोब अमरैंथ कहा जाता है) की खेती की गई है। इस फसल को तैयार होने में लगभग 150 दिन लगते हैं और करीब 120 दिनों के बाद इसमें फूल आने लगते हैं। ओणम के मौसम में केरल में त्योहार की मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। हालांकि, कई कमर्शियल फसलों की तुलना में इसे कम सिंचाई की जरूरत होती है, लेकिन किसानों का कहना है कि नमी की मौजूदा कमी ने पौधों को खत्म होने की कगार पर पहुंचा दिया है।

अदाणी ग्रुप के लिए ओडिशा पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का केंद्र करण अदाणी

भुवनेश्वर/अहमदाबाद।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने गुरुवार को कहा कि अदाणी ग्रुप के लिए ओडिशा पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का केंद्र है। उन्होंने यह बयान अदाणी ग्रुप और इंटरनेशल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) द्वारा ओडिशा में नए एल्युमीनियम प्लांट के लिए 11.5 अरब डॉलर (करीब 1.08 लाख करोड़ रुपए) के निवश के ऐलान के दौरान दिया। लोगों को संबोधित करते हुए करण अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी, ÷ओडिशा में सिर्फ संसाधन ही नहीं, बल्कि मजबूती भी देखते हैं।÷ उन्होंने कहा कि ओडिशा में भारत के औद्योगिक विकास की अगली लहर का नेतृत्व करने की ताकत है और यह प्रोजेक्ट उस दिशा में एक बड़ा कदम है।÷ करण अदाणी ने कहा कि ओडिशा एक अनोखी जगह है जहां पुरानी विरासत और आधुनिक उम्मीदें एक साथ मिलती हैं। उन्होंने कहा, ÷ओडिशा में खनिज संसाधन भरपूर हैं और यह देश की औद्योगिक रीढ़ को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। इस राज्य में बॉक्साइट का सबसे बड़ा भंडार है, भारत के लौह अयस्क भंडार का 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा यहीं है; और यहां कोयले का भी काफी भंडार है, जो बिजली और औद्योगिक विकास में मदद करता है।÷ करण अदाणी ने कहा, ÷मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के असरदार नेतृत्व में एक सक्रिय सरकार और मजबूत पॉलिसी सपोर्ट के साथ, ओडिशा कच्चे माल के आपूर्तिकार्ता से बदलकर वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है।÷ उन्होंने आगे कहा कि ÷उद्यम, साहस, संस्कृति और अपार संभावनाओं वाली इस महान धरती पर आज आना सौभाग्य की बात है।÷ करण अदाणी ने आगे कहा, ÷इस तरह के प्रोजेक्ट उस विजन की नींव हैं।

मजबूत आर्थिक संकेतकों से भारत की विकास यात्रा को मिला नया बल, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी अर्थव्यवस्था दिखा रही मजबूती

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार द्वारा जारी ताजा आर्थिक संकेतक बताते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है।

मजबूत जीडीपी वृद्धि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का विस्तार, रिकॉर्ड वाहन बिक्री, बेहतर जीएसटी संग्रह और निर्यात में स्थिरता इस बात का संकेत हैं कि देश में घरेलू मांग और निवेश का माहौल लगातार मजबूत बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। अंतिम तिमाही में विकास दर और तेज हुई तथा चौथी तिमाही में रियल जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 7 प्रतिशत से अधिक है। इस वृद्धि में विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, उपभोग और निवेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देश के विनिर्माण क्षेत्र में भी लगातार मजबूती बनी हुई है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून 2026 में 54.2 पर रहा, जो लगातार 37वें महीने 50 अंकों के स्तर से ऊपर बना हुआ है। यह संकेत देता है कि विनिर्माण गतिविधियों में लगातार विस्तार हो रहा है।

सर्वेक्षण के अनुसार उत्पादन, नए ऑर्डर, रोजगार और खरीद गतिविधियों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू मांग और कारोबारी विश्वास के मजबूत बने रहने को दर्शाती है। सेवा क्षेत्र में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई 2026 में 59.8 पर पहुंच गया, जो नवंबर 2025 के बाद सबसे तेज विस्तार को दर्शाता है। औद्योगिक उत्पादन में भी सुधार जारी है। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) अप्रैल के 4.9 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो पिछले पांच महीनों का उच्चतम स्तर है।

इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 5.5 प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति की 9.9 प्रतिशत वृद्धि का अहम योगदान रहा। वहीं, मोटर वाहन और इलेक्ट्रिकल उपकरण जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) के उत्पादन में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में तेजी और औद्योगिक क्षमता के विस्तार का संकेत है। केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) अभियान भी नए वित्त वर्ष में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान पूंजीगत व्यय 2.51 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.21 लाख करोड़ रुपए था। यानी सिर्फ दो महीनों में करीब 29,650 करोड़ रुपए का अतिरिक्त पूंजीगत निवेश किया गया। सरकार का यह निवेश मुख्य रूप से सड़क, रेलवे, दूरसंचार, रक्षा और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में किया जा रहा है, जो सार्वजनिक निवेश रणनीति का प्रमुख हिस्सा बना हुआ है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कर संग्रह भी मजबूत बना हुआ है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान सकल कर राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार का राजस्व आधार स्थिर बना हुआ है। जून 2026 में सकल जीएसटी संग्रह 13.9 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.95 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जून में यह 1.71 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, 17 जून तक चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.64 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिसमें कॉरपोरेट और गैर-कॉरपोरेट दोनों श्रेणियों से कर संग्रह में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

एफएसएसएआई ने एनर्जी ड्रिंक के दावे को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेवरेज ब्रांड्स को एनर्जी ड्रिंकशब्द के इस्तेमाल और प्रोडक्ट लेबल पर कथित तौर पर गुमराह करने वाले दावों को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को नोटिस जारी किए हैं। एफएसएसएआई का कहना है कि खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत ऐसे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट में खाद्य नियामक ने कहा कि उसने गलत ब्रांडिंग और लेबलिंग के नियमों के उल्लंघन को लेकर कई ब्रांड्स जैसे रेड बुल एनर्जी ड्रिंक, हेल एनर्जी (हेल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड), कैम्पा एनर्जी ड्रिंक, मॉन्स्टर एनर्जी और पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के एड्रेनालिन रश और स्टिंग को नोटिस भेजे थे। एफएसएसएआई के अनुसार, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और इसके तहत बने नियमों और रेगुलेशन में एनर्जी ड्रिंक्स या ऐसे ही दूसरे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। नियामक ने स्पष्ट किया कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स) रेगुलेशन, 2011 के तहत फूड कैटेगरी सिस्टम का इस्तेमाल प्रोडक्ट का नाम रखने या लेबलिंग के मकसद से नहीं किया जाना चाहिए। एफएसएसएआई ने आगे कहा कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत खाद्य उत्पादों के लिए ऐसे दावे करने को मंजूरी नहीं दी गई है जिनसे कार्यात्मक या चिकित्सीय फायदे का पता चले, जैसे कि एनर्जी लेवल बढ़ाना, फोकस बेहतर करना, शरीर और दिमाग को ताजगी देना, दिमाग को स्टिम्युलेट करना, शरीर को एनर्जी देना, आम कमजोरी में मदद करना आदि। नियामक ने यह भी आरोप लगाया कि इन ब्रांड्स ने अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग और लेबलिंग में एनर्जी ड्रिंक जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और ऐसे दावे किए जो मौजूदा नियमों के तहत मान्य नहीं हैं।

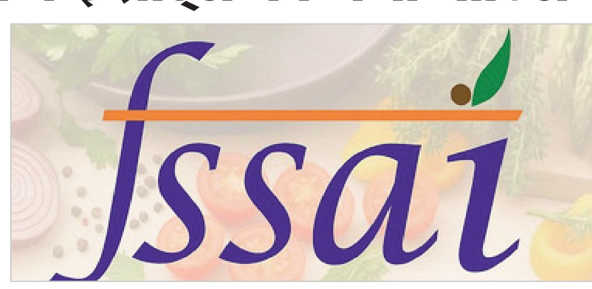

भारतीय शेयर बाजार कच्चे तेल में गिरावट और आईटी शेयर में खरीदारी से उछला; सेंसेक्स 77,000 के पार

मुंबई ।

कच्चे तेल में गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हरे निशान में हुई। सुबह 9=15 पर सेंसेक्स 217 अंक या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,139 और निफ्टी 74 अंक या 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,074 पर था। शुरुआती कारोबार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयर कर रहे थे। इस कारण सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी कमोडिटीज हरे निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मीडिया लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 187 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,196 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 86 अंक की मजबूती के साथ 19,018 पर था।

भारत-जापान के बीच रक्षा क्षेत्र की पहली सह-विकास परियोजना पर हुआ समझौता, एआई और सेमीकंडक्टर सहयोग को भी मिलेगी नई रफ्तार- पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में पहली सह-विकास परियोजना पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

हैदराबाद हाउस में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन (इंडिया-जापान एनुअल समिट) के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान ने भारत की विकास यात्रा में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने जापानी प्रधानमंत्री को अपनी छोटी बहन बताते हुए कहा कि उनकी यह यात्रा भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जापान की प्रिसीजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक विकास को नई गति और नई शक्ति देगा। रक्षा क्षेत्र में भी आज भारत और जापान के बीच पहली संयुक्त विकास परियोजना पर समझौता हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची का स्वागत करते हुए कहा कि यह उनका भारत का पहला आधिकारिक दौरा है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। वह दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं तथा जापान के नारा प्रांत से आती हैं, जो भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक प्रमुख केंद्र है।

उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा था कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में पारस्परिक विश्वास सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है और भारत-जापान संबंध इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत दोनों देशों की साझा प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान एशिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों देशों ने कई नई पहल शुरू की हैं, जो पूरे क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि की मजबूत नींव रखेंगी।

टाटा स्टील 40 एमटीपीए क्षमता के लक्ष्य की ओर अग्रसर अगले विस्तार चरण की तैयारी शुरू एन. चंद्रशेखरन

नई दिल्ली।

टाटा स्टील ने अपनी दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता को 40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में अगला विस्तार चरण शुरू करने की तैयारी कर दी है। कंपनी के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कंपनी की 119वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। चंद्रशेखरन ने कहा कि कलिंगनगर संयंत्र के दूसरे चरण (फेज ढ्ढढ्ढ) के चालू होने के बाद टाटा स्टील की कुल इस्पात (स्टील) उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.1 एमटीपीए हो गई है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के 40 एमटीपीए उत्पादन क्षमता के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि इस लक्ष्य के आगे की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नए संयंत्रों के लिए संभावित स्थानों और भूमि अधिग्रहण के विकल्पों का भी मूल्यांकन शुरू कर दिया है। यूरोप में कंपनी के कारोबार को लेकर चंद्रशेखरन ने कहा कि वहां पुनर्गठन की प्रक्रिया सकारात्मक परिणाम दे रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नीदरलैंड में परिचालन का माहौल पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, क्योंकि वहां पर्यावरण संबंधी नियम अब यूरोपीय संघ (ईयू) के मानकों से भी अधिक कड़े हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷कंपनी डच सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार बातचीत कर रही है, ताकि ऐसा दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके जो पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी व्यवहारिक और टिकाऊ हो।÷ चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा स्टील अपने डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम के तहत अब तक 860 से अधिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मॉडल अपने विभिन्न परिचालनों में लागू कर चुकी है, जिनका उद्देश्य उत्पादन क्षमता बढ़ाना, परिचालन दक्षता में सुधार करना और लागत को कम करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी के डिजिटल प्लेटफॉर्म आशियाना और डिगईसीए ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मिलकर 9,360 करोड़ रुपए का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) दर्ज किया।

सोने में सपाट कारोबार, चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी

मुंबई ।

सोने और चांदी में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। एक तरफ सोना करीब सपाट बना हुआ है, दूसरी तरफ चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,44,430 रुपए के मुकाबले 548 रुपए या 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,43,882 रुपए पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में ही इसमें खरीदारी देखने के मिली।

सुबह 9=48 पर यह 244 रुपए या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,44,206 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,882 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,44,448 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने की अपेक्षा चांदी में तेजी देखी जा रही है। चांदी का 5 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,30,384 रुपए के मुकाबले 812 रुपए या 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,31,196 रुपए पर खुला।

फिलहाल यह 1,253 रुपए या 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,31,637 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,30,973 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,32,339 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सोना 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,076 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 60.59 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी के सीमित दायरे में कारोबार करने की वजह फेड चेयर केविन वॉर्श की स्पीच को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि महंगाई पहले के मुकाबले कम हुई है, लेकिन अभी भी अधिक है। वहीं, आने वाली फेड बैठक में ब्याज दरों की दिशा को लेकर कोई संकेत नहीं दिया, जिससे निवेशक सर्तक बने हुए हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में, भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धात्मक लाभः पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और दोनों देश ऐसे समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर व्यापारिक लाभ मिल सके।

एनडीटीवी इंडो-जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग में बोलते हुए गोयल ने कहा कि वॉशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई बड़ी बाधा नजर नहीं आती।उन्होंने कहा, हमें अमेरिका के साथ किसी तरह की कठिनाई नहीं दिख रही है। रियायतों और अन्य अधिकांश पहलुओं पर लगभग सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि भारत ने लगातार यह मांग की है कि उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर बाजार पहुंच मिले और अमेरिकी प्रशासन ने इस दृष्टिकोण को समझा है।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद की स्थिति पर गोयल ने कहा कि अमेरिका अब एक वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर रहा है।

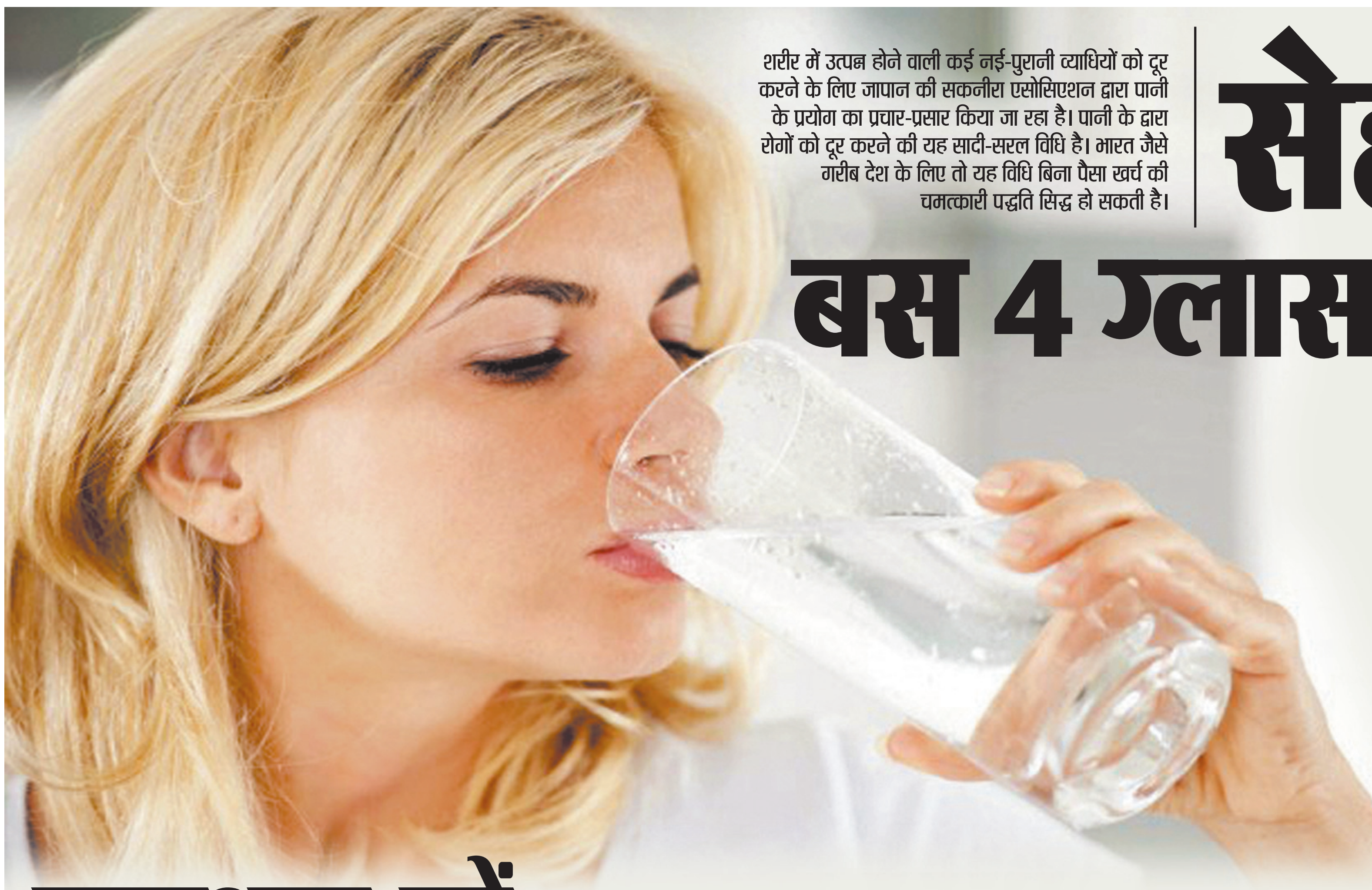

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग।
- उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग।
- टी.बी. छः माह के लगभग।
- कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं।
- कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें।
- जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

अमेरिका विश्वकप जीता तो चांद पर फुटबॉल खेलकर इसे यादगार बनाएंगे: नासा प्रमुख

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख जारेड आइजैकमैन ने अमेरिकी फुटबॉल टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि अगर टीम फीफा विश्व कप जीतती है, तो इस ऐतिहासिक जीत को चांद पर फुटबॉल भेजकर और भी यादगार बनाया जाएगा। यह घोषणा नासा की चंद्रमा पर मानव बेस बनाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई, जिसमें आइजैकमैन ने खिलाड़ियों से कहाया, टीम यूएसए, अब अपना काम पूरा करके दिखाइए!

गौरतब है कि नासा लंबे समय से चंद्रमा पर स्थायी मानवीय उपस्थिति स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, आइजैकमैन का यह अनोखा प्रस्ताव अंतरिक्ष अन्वेषण और खेल को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने 1971 के अपोलो-14 मिशन का जिक्र किया, जब अंतरिक्ष यात्री एलन शेपर्ड ने चंद्रमा की सतह पर गोल्फ खेला था। अब, नासा उस उपलब्धि से एक कदम आगे बढ़ना चाहता है। आइजैकमैन ने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य एलन शेपर्ड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना है। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका वर्ल्ड कप जीतता है, तो हम फुटबॉल को चांद तक पहुंचाएंगे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप के मौके पर एक आधिकारिक फुटबॉल पहले ही अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजी जा चुकी है, और अब अगला लक्ष्य उसे चांद की सतह पर पहुंचाना है।

एलन शेपर्ड का गोल्फ शॉट अंतरिक्ष इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक है। वे चांद पर कदम रखने वाले पांचवें इंसान और अमेरिकी अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर के एक दिग्गज अंतरिक्ष यात्री थे। अपने मिशन के अंत में, शेपर्ड ने चतुराई से छुपाकर लाए गए एक छोटे गोल्फ क्लब और दो गोल्फ बॉल से चांद पर दो शॉट लगाए। चंद्रमा के कम गुरुत्वाकर्षण के कारण, गेंदें पृथ्वी की तुलना में कहीं अधिक दूर तक गईं, जिसने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया। आइजैकमैन का यह नया चैलेंज इसी तरह के एक और ऐतिहासिक पल को रचने का प्रयास है, लेकिन इस बार दांव पर एक वैश्विक खेल प्रतियोगिता की जीत है।

श्रीकांत रिटायर हुए, अकर्षी और तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

मार्खम (कनाडा) (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे।

पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया।

महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा। दूसरी ओर तान्या हेमनाथ ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-16, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल मिलाकर दिन निराशाजनक रहा। बुधवार को उतरे नौ भारतीय खिलाड़ियों में से सात पहले ही दौर में बाहर हो गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग से 14-21, 15-21 से हार गईं। कनाडा की रेचल चान के खिलाफ रक्षिता रामराज ने कड़ा संघर्ष लेकिन 15-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

इस साल अबू धाबी में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली श्रियंशी वालिशेट्टी को चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पी के हाथों 9-21, 18-21 से पराजय झेलनी पड़ी। अनमोल खरब ने शीर्ष वरीयता प्राप्त मेजबान खिलाड़ी मिशेल ली को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 6-21, 26-24, 13-21 से मुकाबला गंवा बैठीं।

पुरुष एकल में सनीत दयानंद और शंकर सुब्रमण्यन भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सके। सनीत को जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो ने 21-7, 21-11 से हराया, जबकि शंकर को दक्षिण कोरिया के यू ते-बिन ने 19-21, 21-15, 21-15 से मात दी। पुरुष युगल में भारत की एकमात्र जोड़ी अच्युतादित्य राव दोड्डावरापु और अर्जुन रेड्डी पोचाना भी शुरुआती दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी और को टीम से बाहर करके नहीं : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20आई से पहले भारत के टॉप ऑर्डर को लेकर हो रही चर्चा पर बात की। उन्होंने साफ किया कि भले ही युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की मांग बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि वैभव को जगह देने के लिए संजू सैमसन को टीम से बाहर किया जाना चाहिए। अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि टीम में सैमसन की जगह को लेकर लगातार अटकलें लगाना गैर-जरूरी है और इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए।

पुजारा ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को संजू सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस करना चाहिए। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में खुद को साबित किया है और उनके पास जो टैलेंट है, उसे देखते हुए उन्हें प्लेइंग XI में होना चाहिए। संजू सैमसन को टीम से बाहर करने को लेकर ज्यादा शोर नहीं होना चाहिए। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए। संजू को बस नैचुरली बैटिंग करनी चाहिए और ज्यादा सोचना नहीं चाहिए।'

पुजारा ने माना कि सूर्यवंशी को मौका मिलना चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को शामिल करने के लिए भारत के पहले से तय टॉप ऑर्डर को नहीं बिगाड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी को टीम से बाहर करके नहीं, बल्कि किसी को आराम देकर। अगर आप उन्हें मौका देना चाहते हैं, तो यह ठीक है। लेकिन आपको भारत के टॉप तीन खिलाड़ियों में से किसी को भी बाहर नहीं करना चाहिए, चाहे वह संजू हों, अभिषेक हों या ईशान किशन। इसके बावजूद वैभव को मौका मिलना चाहिए और उन्हें मौका जरूर मिलेगा।'

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच बदले जायें : इडुल्जी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई की प्रशासक समिति (सीओए) की सदस्य डायना इडुल्जी ने कहा है कि अब भविष्य के मुकाबले को देखते हुए कप्तान और कोच में बदलाव की जरुरत है। इडुल्जी के अनुसार अब कप्तान हरमनप्रीत कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार से आगे बढ़ने का समय आ गया है। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने ये बात कही साथ ही कहा कि अब टीम के प्रदर्शन में स्थिरता आ गयी है। इसलिए लिए टीम को नये विचार और योजनाओं वाले कप्तान और कोच चाहिये।

इडुल्जी ने साथ ही कहा, हरमनप्रीत हालांकि मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं और मैंने हमेशा उनका समर्थन किया है पर मेरा मानना है कि हमें कम से कम टी20 प्रारूप में किसी और को कप्तानी देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत को एक खिलाड़ी के रूप में खेलते रहने दिया जाए, लेकिन कप्तानी के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को चुना जाए जिसके पास बेहतर रणनीतिक विचार हों, खासकर गेंदबाजी बदलाव और कप्तानी के अन्य पहलुओं को लेकर। इडुल्जी को लगता है कि हरमनप्रीत की कप्तानी में अब एक ठहराव आ गया है। चयन समिति के फैसलों पर असहमति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह कड़े फैसले लेने का सही समय था, भले ही यह विश्व कप हारने के तुरंत बाद की प्रतिक्रिया लगे। इडुल्जी ने हरमनप्रीत के सेफ गेम खेलने की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि अगर आप सुरक्षित खेलकर भी हार रहे हैं, तो बेहतर है कि आक्रामक होकर खेलें।

वहीं मुख्य कोच अमोल मजूमदार पर भी इडुल्जी ने सवाल उठाये। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह अब उससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे जो उन्होंने पहले ही किया है। हमें अब एक ऐसे कोच की जरुरत है जो टीम का हौसला बढ़ा सके और टीम को उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने के लिए थोड़ा सख्त हो। इंग्लैंड में टीम के कुछ चयन निर्णयों पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, हमने यास्तिका भाटिया को क्यों खिलाया? वह बल्लेबाजी करने नहीं आईं, न ही वह गेंदबाज हैं। वह दूसरी विकेटकीपर हैं।

साथ ही कहा कि एकदिवसीय डे और टी20 के लिए अलग-अलग टीमों की जरूरत है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और क्रांति गौड़ जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लगातार मौका न देने पर भी नाराजगी जताई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की सलाहकार इडुल्जी ने कहा कि खेल के सभी प्रारूपों में एक ही टीम से नहीं खेला जा सकता, क्योंकि इससे खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर पड़ता है, जो पहले से ही कम है।

वैभव को आयरलैंड के खिलाफ अवसर नहीं देना एक बड़ी गलती रही : शास्त्री

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं उतारकर भारतीय टीम प्रबंधन ने गलती की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड के हालात वैभव के अनुकूल थे, इसके अलावा उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभवी भी मिल जाता। उसे पूरे दौरे में बेंच पर बैठाए रखने का फैसला सही नहीं था। शास्त्री ने कहा, अरे, उसे आयरलैंड में खेलना चाहिए था। वहां की पिच धीमी थी और मैदान भी छोटा था। वह गेंद को सीधे हवा में खेल देता। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उसे अवसर मिलेगा या नहीं ये कहा नहीं जा सकता पर मेरा मानना है कि उसे अवसर दिया जाना चाहिये था। शास्त्री ने वैभव के आईपीएल प्रदर्शन की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने हर गेंदबाज के खिलाफ आसानी से खेला था। इसके बाद भी उसे बेंच पर बैठाया हुआ है। शास्त्री ने वैभव को भारतीय टीम का एक्स फैक्टर करार देते हुए उनकी सबसे बड़ी ताकत उनके निडर अंदाज को बताया। उन्होंने कहा, उसके पास युवा जोश है, कोई दबाव नहीं है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। वह शुरुआती कुछ ओवरों में ही मैच का रुख बदल सकता है और मिडिल ऑर्डर के लिए मजबूत मंच तैयार कर सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में भी उन्हें अवसर नहीं मिला अब देखना है कि उन्हें 4 जुलाई को होने वाले दूसरे टी20 में अवसर मिलता है या नहीं। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं; इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वह सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए और पिछले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनके बल्ले से केवल 6 रन निकले हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि दूसरे टी20 में सैमसन की जगह पर वैभव को उतारना चाहिये।

श्रेयस ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के तौर पर सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड बनाया

डरहम। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में अर्धशतक लगाते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। श्रेयस ने इसी के साथ ही तीन पूर्व कप्तानों महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया। श्रेयस ने इस मैच में 47 गेंदों पर 68 रन बनाकर अपना नौवां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया। कप्तान के तौर पर यह उनका पहला अर्धशतक था। इस ऐतिहासिक पारी के साथ ही, अय्यर अब इंग्लैंड की धरती पर बतौर भारतीय कप्तान सबसे बड़ा टी20 स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली के उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने साल 2018 में कार्डिफ में 47 रन बनाकर बनाया था। वहीं रोहित शर्मा 31 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं और महान कप्तान धोनी 30 रनों (नाबाद) के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इंग्लैंड में कप्तान द्वारा सर्वोच्च टी20 स्कोर का रिकॉर्ड अभी भी ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 90 रन है।

टी20 क्रिकेट बना रहेगा, अश्विन ने वनडे के भविष्य पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि फ्रेंचाइजी आधारित यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) मौजूदा क्रिकेट परिदृश्य में एक जरूरी पहल है क्योंकि टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहद मजबूत है, जबकि वह वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। अश्विन ईटीपीएल में डबलिन गार्जियंस टीम की कप्तानी करेंगे। भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का मानना है कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए यह लीग खेल के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अश्विन ने कहा, 'कुछ वर्षों में ओलंपिक होने हैं और क्रिकेट अगर वास्तव में वैश्विक खेल बनना चाहता है तो इस तरह की लीगों की टीमें इसमें अहम योगदान देंगी।' उन्होंने कहा कि टी20 प्रारूप क्रिकेट को दुनिया के अधिक देशों तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा, 'हमारा पूरा ध्यान टी20 क्रिकेट पर रहेगा और इसे बेहतर बनाने पर होगा। यदि क्रिकेट को वैश्विक खेल और सफल ओलंपिक खेल बनाना है तो छोटा प्रारूप सबसे अधिक व्यावहारिक है।' उन्होंने कहा, 'इसी वजह से टी20 क्रिकेट का लगातार विस्तार होता जाएगा। इससे खिलाड़ियों का दायरा भी बढ़ेगा, जो सालभर आयोजित होने वाली विभिन्न लीगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। टी20 क्रिकेट यहां लंबे समय तक रहने वाला है। मैं वनडे क्रिकेट के बारे में मैं इतना निश्चित नहीं हूं।'

विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे सिनर: सबसे अधिक मैच जीतने वाले इटली के खिलाड़ी बने

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मौजूदा चैम्पियन इटली के जैनिक सिनर जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। सिनर ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-6(2), 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर एक बार फिर अपने खिताब को बनाये के लिए आगे बढ़ते दिख रहे हैं। सिनर ने बोर्गेस के खिलाफ मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन करने के साथ ही अपनी 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत के साथ एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। वह इतने मैच जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। अब तीसरे दौर में उनका सामना अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी से होगा।

पुर्तगाली खिलाड़ी के खिलाफ सिनर के मिए मुकाबला आसान नहीं रहा। पहले दो सेटों में बोर्गेस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। वहीं सिनर ने धैर्य से खेलते हुए अपने सटीक शॉट्स के साथ अंक हासिल किये। वहीं दूसरे सेट में तो बोर्गेस 5-4 की बढ़त के साथ सर्विस कर रहे थे पर दबाव के क्षणों में सिनर ने जीत के साथ वापसी की। उन्होंने टाई-ब्रेक को 7-2 से जीतकर मैच पर पकड़ बना ली। वहीं तीसरे सेट में भी बोर्गेस ने आक्रामक अंदाज बनाये रखा। उन्होंने सही समय पर निर्णायक ब्रेक हासिल कर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ सिनर ने अपने करियर की 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत दर्ज की है। इस शानदार उपलब्धि ने उन्हें निकोला पिएट्रांगेली के 94 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए, ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे अधिक मैच जीतने वाले इतालवी खिलाड़ी बनने का गौरव प्रदान किया है।, सिनर अब ओपन एरा में लगातार दो बार विंबलडन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले विशिष्ट खिलाड़ियों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने का लक्ष्य रख रहे हैं।

सितसिपास को हराकर विंबलडन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

लंदन। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में जीत के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। जोकोविच ने पुरुष एकल मुकाबले में यूनान के दिग्गज खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास को एकतरफा मुकाबले में आसानी से 6-3, 6-4, 6-2 से हरा दिया। ये मुकाबला करीब डेढ़ घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। इस जीत के साथ ही विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच अब ग्रास-कोर्ट पर अपने सातवें खिताब को जीतने प्रतिबद्ध नजर आये। जोकोविच ने इस जीत के साथ रिकॉर्ड 20वीं बार विंबलडन के तीसरे दौर में प्रवेश किया है। मैच के दौरान वह अच्छी लय मे दिखे। उन्होंने कुल 33 विनर्स लगाए और मात्र सात अनफोर्स्ड एरर्स किए, जिससे उनकी क्षमत का अंदाजा होता है। अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने विशेष रूप से एक गेम में तीन विनर्स लगाकर बढ़त हासिल की। वह शुरुआत से ही मैच में हावी रहे। अब तीसरे दौर में जोकोविच का मुकाबला 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेच से होगा, जिन्होंने हाल ही में मार्टिन डाम को तीन सेटों में हराया था। यह जोकोविच और रिंडरकनेच के करियर का पहला आमना-सामना होगा, जिससे यह मुकाबला और भी रोमांचक होना तय है। मैच के बाद, अपनी शानदार जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए जोकोविच ने कहा, जब आप इस तरह खेलते हैं तो कोर्ट पर बहुत खुशी, संतुष्टि और आनंद महसूस होता है।

अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

डरहम। इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण यहां रद्द हुए पहले टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 59 रन की आतिशी पारी के दौरान एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की। अभिषेक इस मैच में दो छक्के लगाते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। अभिषेक ने यह रिकार्ड केवल 785 गेंदों पर ही बना दिया। उन्होंने इस दौरान वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज एविन लुईस के रिकॉर्ड को तोड़ा। लुइस ने 789 गेंदों में अपने 100 छक्के लगाये थे। अभिषेक टी20 में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर आ गये हैं। दूसरे नंबर पर एविन लुईस (789 गेंद), फिन एलन (871 गेंद) के साथ ही तीसरे, टिम डेविड (931 गेंद) चौथे और कॉलिन मुनरो (963 गेंद) के साथ ही पांचवे नंबर रहे हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के सबसे तेजी से 100 टी20 छक्के लगाने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने 1007 गेंदों का सामना किया था। अभिषेक ने यह कारनामा सूर्यकुमार से 222 गेंद पहले ही कर दिखाया। अब वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले भारत के केवल पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में रोहित शर्मा (205 छक्के), सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पांड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) शामिल हैं, जिनके साथ अभिषेक ने 100 छक्के पूरे कर अपना नाम दर्ज कराया है। अभिषेक नाम अब 1450 से ज्यादा रन हैं और उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर है, जो 1000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे अधिक है। मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 189 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। हालांकि, इंग्लैंड की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई और उसके नहीं रुकने पर मैच रद्द घोषित कर दिया गया।

सेंटनर की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उतरेगी न्यूजीलैंड, मैथ्यू फिशर नया चेहरा

ऑकलैंड (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह 12 जुलाई से होने वाली वाली पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर को कप्तान बनाया है। 16 सदस्यीया टीम में पहली बार तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को शामिल किया गया है। फिशर ने अब तक केवल एक टेस्ट और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेला है। वह पहली बार किसी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किये गये हैं। ऐसे में उनका डेब्यू तय नजर आता है। कप्तान सेंटनर के अलावा, कई अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में वापसी कर रहे हैं। इसमें डेरिल मिचेल, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रेसवेल और जैकब डफी शामिल हैं। डफी हाल ही में पितृत्व अवकाश के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर थे। वहीं कुछ खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखा गया है हैं। बांग्लादेश दौरे शामिल रहे अशोक, जोश क्लार्कसन, डेन क्लीवर, विल ओरूर्क और ब्लेयर टिकनर को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है जबकि तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन को इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के कारण इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड से सीधे स्वदेश लौटेंगे और इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट पहले से तय प्रतिबद्धताओं के चलते टीम के साथ नहीं जाएंगे। एकदिवसीय सीरीज के पहले तीन मुकाबले 12, 14 और 17 जुलाई को प्रोविडेंस, गुयाना में खेले जाएंगे। इसके बाद आखिरी दो मैच 20 और 22 जुलाई को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है- कप्तान- मिशेल सेंटनर विकेटकीपर- टॉम लैथम, मिशेल हे बल्लेबाज- मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, निक केली, विल यंग, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, क्रिस्टियन क्लार्क ऑलराउंडर- माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ गेंदबाज- मैथ्यू फिशर, जैकब डफी, बेन सियर्स, जेडन लेनोक्स!

'इंग्लैंड में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ', टीम से बाहर चल रहे भारतीय ऑलराउंडर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने इंग्लैंड दौरे 2025 को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे शार्दुल ने दावा किया कि पांच टेस्ट मैचों की उस सीरीज में उनका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें कम ओवर ही नहीं दिए गए, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई, जिससे वह टीम के लिए ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

'गेंदबाजी में सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया'

शार्दुल ने कहा कि बल्लेबाजी में लीड्स टेस्ट में उन्होंने गलती जरूर की थी, लेकिन मैनचेस्टर टेस्ट में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली थी।

उन्होंने कहा, 'जब मैंने इंग्लैंड में खेला तो गेंदबाजी में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ। बल्लेबाजी में लीड्स में मेरी गलती थी, लेकिन मैनचेस्टर में मैंने शानदार बल्लेबाजी की। उस समय बादल छाए हुए थे, गेंद स्विंग कर रही थी और पिच मुश्किल थी। अगर मैं उस समय नहीं टिकता तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था।'

'गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई'

34 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि उन्हें गेंदबाजी के लिए सही फेज में नहीं लगाया गया। 'मुझे सिर्फ कम गेंदबाजी नहीं मिली, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई। मुझे लगता है कि रणनीति में कहीं न कहीं गलती हुई थी।' हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मैच के दौरान कप्तान या कोच से इस बारे में बात करना आसान नहीं होता। 'मैदान पर पूरा फोकस मैच पर होता है। जब भी गेंद मिलती है, खिलाड़ी सिर्फ यही सोचता है कि टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है।'

लीड्स टेस्ट का भी किया जिक्र

शार्दुल ने लीड्स टेस्ट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार दो गेंदों पर बेन डकेट और हैरी ब्रूक का विकेट लेकर भारत की वापसी कराई थी, लेकिन इसके बाद उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे लंबा स्पेल मिलता तो शायद एक-दो और विकेट मिलते और मैच का नतीजा भी बदल सकता था।'

'मुझे और मौके मिलने चाहिए थे'

शार्दुल का मानना है कि 2024-25 घरेलू सीजन में अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में ज्यादा मौके मिलने चाहिए थे। उन्होंने कहा, 'उस सीजन में जिस तरह का प्रदर्शन मैंने किया, उसके बाद मुझे कुछ और टेस्ट खेलने चाहिए थे। मुझे लगता है कि मैं टीम के लिए अंतर पैदा कर सकता था।'

वापसी का लक्ष्य बरकरार

शार्दुल ने साफ कहा कि भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करना ही उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है। 'भारतीय टीम में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मेरी कोशिश 100 प्रतिशत है कि मैं दोबारा टेस्ट टीम में वापसी करूं। जब भी मुझे मौका मिला है, मैंने कई मैचों में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।'

इंग्लैंड 2025 टेस्ट सीरीज में शार्दुल का प्रदर्शन

मैच- 2, गेंदबाजी- 27 ओवर, विकेट- 2, रन- 46; मैनचेस्टर टेस्ट- 88 गेंदों में 41 रन.

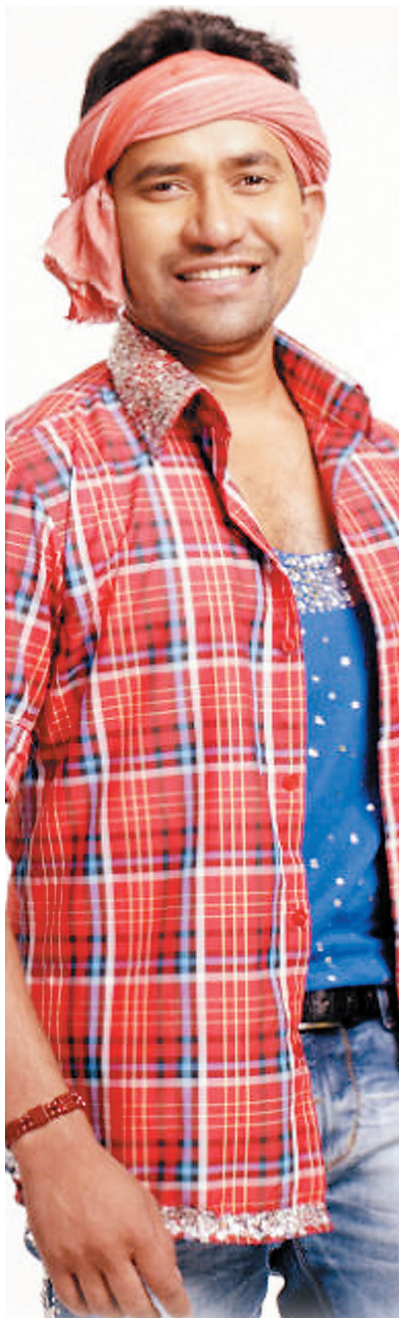

ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर काफी खुश हैं निरहुआ

निरहुआ सीरीज ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर वह काफी खुश हैं। हाल ही में बातचीत में निरहुआ ने सीरीज, अपने किरदार और ओटीटी के दौर में बदलती इंडस्ट्री पर बात की।

निरहुआ ने बताया कि ग्राम चिकित्सालय उन्हें शुरू से पसंद था और पहले सीजन में शामिल न हो पाना उन्हें कहीं न कहीं खटका भी था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे ये सीरीज ऑफर हुई तो बहुत खुश हुआ। क्योंकि मैं इसका पहला सीजन ही करना चाहता था। जब पहला सीजन आया तो मैंने परिवार के साथ बैठकर देखा और मुझे बहुत आनंद आया। मैं घर में यही बात कर रहा था कि यार मैं भी करने वाला था लेकिन कुछ कारणों से नहीं कर पाया। फिर जैसे ही पता चला कि इसका दूसरा सीजन भी आ रहा है तो बहुत खुश हुआ। मैंने इसमें काम किया क्योंकि यह मेरा फेवरेट शो है।'
अपने किरदार के बारे में बात करते हुए निरहुआ कहते हैं, 'मेरा किरदार ऐसा है जैसा आदमी लगभग हर गांव में मिल ही जाएगा। एक ऐसा दबंग टाइप का आदमी जिसको सब पता है कि कौन क्या करके आया है? सिस्टम कैसे चलता है? वो सब जानता है। हर जगह ऐसे लोग मिलते हैं और हमारा पाला भी बहुत पड़ता है। लोगों को देखने को मिलेगा कि गांव में दबंग आदमी असल में होता कैसा है।'
अपने किरदार की तैयारी पर निरहुआ ने कहा, 'एक्टर्स के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी रुकती नहीं है। हां कुछ किरदारों के लिए ज्यादा वर्कशॉप नहीं करनी पड़ती क्योंकि रियल लाइफ में ऐसे लोग मिलते रहते हैं। हम अभिनेताओं की पढ़ाई 24 घंटा चलती रहती है।

22 साल बाद अक्षय के साथ काम करने पर बोलीं रवीना टंडन

रवीना टंडन और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, लंबे वक्त से दोनों ने साथ में कोई फिल्म नहीं की थी। दो दशक बाद इन्हें बड़े परदे पर देखा गया है।अभिनेत्री ने खिलाड़ी के साथ रीयूनियन को लेकर बात की और उन्होंने एक्टर के मेहनती रवैये की दिल खोलकर तारीफ की। रवीना टंडन ने समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार की जमकर तारीफ की। रवीना ने अक्षय को सेट पर सबसे मेहनती और समर्पित कलाकारों में से एक बताया। अपने पुराने साथ काम करने के अनुभवों को याद करते हुए रवीना ने कहा कि इतने वर्षों के बाद भी अक्षय का काम के प्रति समर्पण और काम करने का तरीका बिल्कुल वैसा ही है।

वे सफलता के हकदार हैं

रवीना टंडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने वर्षों बाद उनके साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। वे आज भी उतने ही मेहनती हैं। वही डेडिकेशन है। काम में इतने डूबे रहते हैं कि उनकी मेहनत साफ दिखती है। उन्हें जो भी सफलता मिलती है, वह उसके हकदार हैं, क्योंकि वह सच में उसके लिए मेहनत करते हैं। उन्हें यह आसानी से नहीं मिलती'।

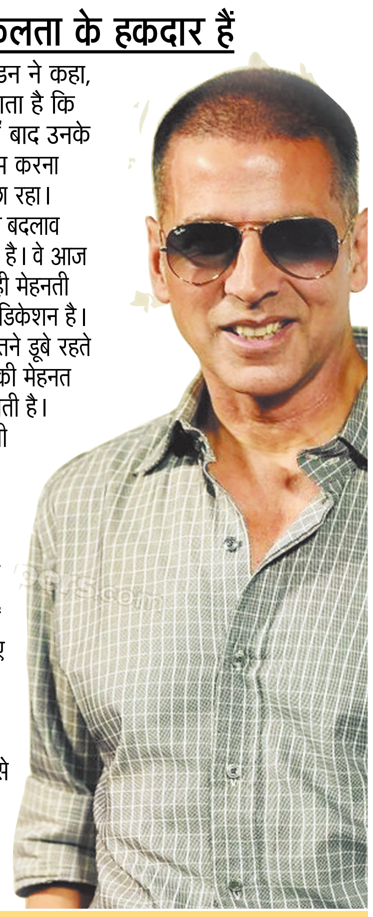

अक्षय और रवीना की फिल्में

रवीना और अक्षय ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें 'मोहरा', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'दावा', 'कीमत– दे आर बैक' और 'बारूद' आदि शामिल हैं। इस जोड़ी की 'मोहरा' और 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रहीं। 'मोहरा' 1994 में रिलीज हुई थी। इसे राजीव राय ने डायरेक्ट किया था और इसमें नसीरुद्दीन शाह और सुनील शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में थे। दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' 1996 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रेखा भी मुख्य भूमिका में थीं। इन दोनों ने आखिरी बार 2004 में 'पुलिस फोर्स – एन इनसाइड स्टोरी' और 'आन' फिल्मों के लिए साथ काम किया था।

नेपोटिज्म पर बोलीं कृति सेनन

कृति सेनन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है और कृति के किरदार व एक्टिंग की भी काफी तारीफ हो रही है। मौजूदा वक्त में कृति इंडस्ट्री की टॉप लीडिंग एक्ट्रेस में से एक हैं। लेकिन एक आउटसाइडर होने के नाते कृति के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा।
कृति ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह सफर आसान नहीं था। ऐसे पल भी आए जब मुझे खुद पर शक हुआ और मनचाहे मौके न मिलने पर निराशा हुई। यह सफर सीधे कामयाबी तक पहुंचने वाला नहीं था; यह धीरे–धीरे आगे बढ़ा। मैंने उतार–चढ़ाव देखे हैं। लेकिन मुझमें हार न मानने और दोबारा कोशिश करने का जज्बा भी रहा है। मेरा पहला फोटोशूट बहुत बुरा रहा था। मेरा पहला रैंप शो भी अच्छा नहीं हुआ था। दोनों बार मैं रोते हुए घर लौटी थी। लेकिन इसके बावजूद मैंने दूसरे शो, दूसरे फोटोशूट और दूसरे ऑडिशन के लिए कोशिश की और इसी वजह से मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूं। सीखने की चाहत और हार न मानने का जज्बा ही मुझे यहां तक ले आया है।

टैलेंटेड हैं रणबीर और आलिया

इस दौरान कृति ने नेपोटिज्म के बारे में भी बात की। उनका मानना है कि भले ही स्टार किड्स को भी रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जैसे एक्टर्स की तरह खुद को साबित करना पड़ता है, लेकिन वे इस बात से सहमत हैं कि उन्हें अक्सर बाहरी लोगों की तुलना में बहुत आसानी से मौके मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार आपको पता चलता है कि किसी फिल्म के लिए आप पर विचार किया जा रहा है, लेकिन वह रोल किसी और को मिल जाता है। साथ ही सवाल सिर्फ नेपोटिज्म का नहीं है। फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाले कई एक्टर्स सच में टैलेंटेड होते हैं। चाहे रणबीर कपूर हों या आलिया भट्ट, उन्होंने खुद को साबित किया है। हो सकता है कि उन्हें दूसरों के मुकाबले आसानी से मौके मिले हों, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की है और वे बहुत टैलेंटेड हैं। असल बात तब होती है, जब कोई बिना एक्टर के तौर पर खुद को साबित किए आठ या नौ साल तक मौके पाता रहता है। मुझे बस यही बात गलत लगती है। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो अगर आप शुरुआती कुछ साल में खुद को साबित नहीं कर पाते, तो आप बाहर हो जाते हैं। आपको नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर शुभांगी अत्रे अपने अनुभव साझा किए

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहीं शुभांगी अत्रे ने बातचीत में अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह अकेलापन सिर्फ भीड़ या लोगों की कमी से नहीं होता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत की कमी से होता है।

शुभांगी अत्रे ने कहा, ''मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं, जो सच में मुझसे पूछते हैं, 'आप कैसी हैं?' और जवाब का इंतजार भी करते हैं। किसी इंसान के लिए सबसे बड़ा सुकून यही होता है कि कोई उसे बिना टोके, बिना जज किए ध्यान से सुने। कई बार सलाह से ज्यादा राहत सिर्फ सुन लिए जाने से मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, 'अकेलापन अक्सर इस वजह से महसूस होता है क्योंकि लोगों के बीच बातचीत तो होती है, लेकिन वह गहराई नहीं होती, जो दिल को छू सके। आजकल लोग एक–दूसरे से जुड़े तो रहते हैं, लेकिन बातचीत अक्सर सतही रह जाती है। ऐसे में इंसान भीड़ में रहते हुए भी खुद को अकेला महसूस कर सकता है। मेरा मानना है कि एक खुली बातचीत, जिसमें व्यक्ति अपने असली विचार और भावनाएं बिना डर के रख सके, वह कई रिश्तों से ज्यादा कीमती होती है।''
सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ''आज के समय में लोग एक–दूसरे की जिंदगी से तो वाकिफ रहते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं से नहीं। हम यह तो देख लेते हैं कि सामने वाला क्या कर रहा है, कहां घूम रहा है या क्या पोस्ट कर रहा है, लेकिन यह नहीं जान पाते कि वह अंदर से क्या महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को ज्यादा विजिबल बना दिया है, लेकिन महसूस करने और समझने वाली गहराई कम हो गई है। असली बातचीत अभी भी स्क्रीन से दूर ही होती है।'' रिश्तों को लेकर उन्होंने कहा, ''आज के समय में सच्चे और भरोसेमंद रिश्ते बनाना आसान नहीं है। भरोसा, समझ और अपनापन धीरे–धीरे बनता है और इसके लिए समय और धैर्य दोनों की जरूरत होती है। जीवन में वही लोग सबसे अहम होते हैं जो अच्छे और बुरे दोनों समय में साथ खड़े रहते हैं। ऐसे रिश्ते ही इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं और अकेलेपन को दूर करते हैं।'' उन्होंने निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, ''मेरी बेटी आशी मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह 19 साल की हैं और काफी समझदार हैं। वह हमेशा मेरा हालचाल लेती रहती हैं और मेरा ख्याल रखती हैं। मेरे कुछ करीबी लोग भी हैं जिनके कारण मुझे अकेलापन महसूस नहीं होता।''

...अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं

'कोई... मिल गया', 'जोड़ी नंबर 1', 'इंडियन', 'रक्त' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता रजत बेदी ने अपना 54वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर उन्होंने बात की और अपनी जिंदगी, करियर, फिटनेस और बदलते मनोरंजन जगत को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि आने वाला समय उनके लिए काफी खास रहने वाला है और दर्शकों को जल्द ही उनका एक नया रूप देखने को मिलेगा।

जब उनसे पूछा कि क्या उनकी जिंदगी में कोई ऐसा अनुभव रहा है, जिसने सब कुछ बदल दिया हो, तो रजत बेदी ने कहा, ''मुझे इस साल ऐसा महसूस हो रहा है कि मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदलने वाला है। अब तक मैंने जिन किरदारों को निभाया है, आने वाले समय में उनसे बिल्कुल अलग भूमिकाएं करने वाला हूं। कुछ ऐसे सपने थे जिन्हें मैं पहले पूरा नहीं कर पाया था, लेकिन अब उन्हें साकार करने का मौका मिल रहा है। मेरा वादा है कि आने वाली फिल्मों में दर्शकों को एक बिल्कुल अलग रजत बेदी देखने को मिलेगा।''
अभिनेता ने कहा, ''इस समय मेरा कॉन्फिडेंस लेवल बहुत ऊंचा है और मेरे भीतर काम को लेकर एक नई ऊर्जा है। पहले मैंने इंडस्ट्री में कुछ मौके खोए थे, लेकिन अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं।''
इंडस्ट्री में करियर बनाने आ रहे नए कलाकारों को सलाह देते हुए रजत बेदी ने कहा, ''किसी को भी लोगों की बातों में नहीं आना चाहिए। इंसान को हमेशा अपने दिल की सुननी चाहिए। एक समय ऐसा था, जब मैं दूसरों की बातों में आकर खुद को मायूस करने लगता था। अब मैंने सीख लिया है कि जीवन में सबसे जरूरी अपनी सोच और अपने दिल की आवाज पर भरोसा करना है। मैं भविष्य में वही करूंगा, जो मेरा दिल कहेगा और दूसरों की राय को खुद पर हावी नहीं होने दूंगा।''
रजत बेदी ने युवाओं को स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा महत्व देने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''अच्छी सेहत जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए रोजाना व्यायाम करें और अपने खानपान पर खास ध्यान दें। भोजन में पौष्टिक और स्वस्थ चीजों को शामिल करना बेहद जरूरी है। अगर शरीर स्वस्थ रहेगा तो व्यक्ति अपने जीवन और करियर में बेहतर ध्यान दे पाएगा।'

बेहद साफ दिल के इंसान हैं संजय दत्त

रजत कहा 'मैंने सलमान खान, सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है, और ये सभी मेरे लिए खास रहे हैं। लेकिन अगर सबसे पसंदीदा कलाकार की बात करें तो संजय दत्त का नाम सबसे ऊपर आता है। वह बेहद साफ दिल के इंसान हैं, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है। संजय दत्त के साथ बिताए गए पल आज भी मेरे चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं।' सोशल मीडिया के दौर में कलाकारों की निजी जिंदगी पर लगातार नजर रखे जाने के सवाल पर रजत बेदी ने कहा, ''मैं मानता हूं कि आज के समय में सितारों की निजी जिंदगी पहले के मुकाबले काफी कम रह गई है। अब लगभग हर व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है। ऐसे में कोई भी छोटी या बड़ी बात बहुत जल्दी इंटरनेट पर पहुंच जाती है और लोगों के बीच फैल जाती है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
03 जुलाई 2026

संक्षिप्त समाचार

18 घंटे के आक्रोश के बीच, सिस्टम के पापों का खामियाजा जनता भुगत रही है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। पिछले 18 घंटे से जूनागढ़ के मौजूदा बिगड़ते हालात को लेकर सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारी हंगामा मचा हुआ है। नेटिजन और स्थानीय निवासी प्रशासन की पापी प्लानिंग के खिलाफ अपना भारी गुस्सा निकाल रहे हैं। लेकिन इस हंगामे के बीच एक जानलेवा और कड़वा सवाल उठता है कि अगर इतनी बड़ी आवाज, यही गुस्सा और यही सवाल पिछले 300 दिनों से लगातार उठते रहते, तो शायद जूनागढ़ के लोगों को आज इस दयनीय स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता! याद रखें, जूनागढ़ की यह दयनीय स्थिति सिर्फ इसी साल की नई समस्या नहीं है। पिछले कई सालों से हर मानसून या आम दिनों में भी जूनागढ़ की हालत दयनीय ही देखी जाती रही है। प्रशासन की घोर सुस्ती और नेताओं की बेपरवाही की वजह से लोगों की परेशानियां कम होने के बजाय हर साल और गंभीर होती जा रही हैं। प्रशासन सिर्फ कागजों पर बातें करता है और जमीनी हकीकत कुछ और ही है भ्रष्टाचार की बू: करोड़ों की ग्रांट बढ़ी, लेकिन काम की क्वालिटी बेकार! सबसे बड़ा और दिल दहला देने वाला आरोप यह है कि जूनागढ़ के विकास और सुविधाओं के नाम पर सरकार से मिलने वाली करोड़ों रुपये की ग्रांट का आंकड़ा हर साल लगातार बढ़ रहा है। लेकिन हैरानी और चौंकाने वाली बात यह है कि जैसे-जैसे बजट और ग्रांट बढ़ते हैं, यहां होने वाले काम की क्वालिटी पूरी तरह से कम हो जाती है। करोड़ों रुपये कहां इस्तेमाल होते हैं और किसकी जेब में जाते हैं? यह बात अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। घटिया कामों की वजह से जनता की खून-पसीने की कमाई बेकार जा रही है। जूनागढ़ की जनता अब जाग गई है। अब समय सिर्फ़ सोशल मीडिया पर 18 घंटे बैठकर हंगामा करने या ट्रेंड चलाने का नहीं है। अब समय आ गया है कि ठेकेदारों, घटिया काम करने वाले इंजीनियरों और AC चैंबर में बैठे सरकारी बाबुओं की ज़िम्मेदारी तय की जाए।

जामनगर-कलावड़-धोराजी हाईवे ब्लॉकः कलावड़ में टोडा नदी में मौसम की पहली बारिश में बाढ़,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कलावड़। जामनगर जिले के कलावड़ पंथक में मेघराजा ने मौसम की पहली बारिश में ही अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। कलावड़ शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भारी बारिश के कारण जलभराव की स्थिति बन गई है। इस पहली बारिश में ही कलावड़ के टोडा गांव की लोकल नदी में भयानक बाढ़ आ गई है। बाढ़ के तेज बहाव में टोडा गांव के पास बना टेम्परेरी डायवर्जन ताश के पत्तों की तरह बह गया है, जिससे जामनगर-कलावड़-धोराजी हाईवे पूरी तरह से बंद हो गया है। जैसे ही मानसून सीजन शुरू हुआ है, प्रशासन की प्री-मानसून प्लानिंग गड़बड़ा गई है। टोडा गांव के पास नदी पर चल रहे काम की वजह से गाड़ियों की आवाजाही के लिए जो डायवर्जन दिया गया था, वह नदी की बाढ़ के तेज़ बहाव को झेल नहीं पाया। डायवर्जन के बहते ही हाईवे के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी लाइनें लग गई हैं और ट्रैफिक पर बहुत बुरा असर पड़ा है।

गाड़ी वाले फंसे, घंटों ट्रैफिक जाम

कलावड़ और धोराजी को जोड़ने वाले इस मेन हाईवे के बंद होने से पैसेंजर, एम्बुलेंस और सामान ले जा रही सैकड़ों गाड़ियां बीच सड़क पर फंस गई हैं। लोकल गांववालों के मुताबिक, बारिश इतनी तेज़ थी कि नदी का पानी अचानक सड़क पर आ गया। फिलहाल हाईवे बंद होने की वजह से एडमिनिस्ट्रेशन को गाड़ियों को दूसरे रास्तों से डायवर्ट करना पड़ रहा है। लोगों में गुस्सा है कि अगर पहली बारिश में ही इस मेन हाईवे की ऐसी हालत है, तो यह पूरे मानसून में कैसे चलेगा? लोकल लोग अब ज़ोरदार मांग कर रहे हैं कि टूटे हुए डायवर्जन को तुरंत ठीक किया जाए और हाईवे को फिर से खोला जाए।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई अस्पतालों पर भारी दबाव; कैसे बढ़ा बीमारियों का खतरा?

काराकास, एजेंसी। दो जबरदस्त भूकंपों के लगभग एक हफ्ते बाद वेनेजुएला का पहले से कमजोर स्वास्थ्य तंत्र अपनी क्षमता की सीमा तक पहुंच गया है। राहत संगठनों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे अस्पताल घायलों से भर चुके हैं, जबकि आपदा प्रभावित इलाकों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

मंगलवार को कितने लोगों को बचाया गया : इस बीच, सरकार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में आधिकारिक तौर पर बचाए गए लोगों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भूकंप के बाद शुरुआती दो दिनों में 5,380 लोगों को बचाया गया था, जबकि सोमवार को अधिकारियों को केवल चार लोग जिंदा मिले। भूकंप के बाद जीवित लोगों को खोजने का सबसे अहम समय आमतौर पर 48 से 72 घंटे माना जाता है, लेकिन तापमान और पानी या भोजन की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर इससे ज्यादा समय तक भी कोई जीवित रह सकता है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि मंगलवार दोपहर तक बचाए गए लोगों में केवल एक छोटा बच्चा जिंदा मिला, जो छह दिनों तक गिरी हुई इमारत के मलबे में फंसा रहा। इन आंकड़ों में देशभर में स्वयंसेवी समूहों द्वारा किए गए कई बचाव अभियान शामिल नहीं हैं। सरकार की धीमी प्रतिक्रिया से निराश होकर इन समूहों ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के

पहुंचने से कई दिन पहले ही अपने फंसे हुए परिजनों को बचाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था।

कितनी हुई मृतकों की संख्या : सरकार के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 1,900 से ज्यादा हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा वास्तविकता से काफी कम हो सकता है, क्योंकि हर दिन मलबे से और शव निकाले जा रहे हैं तथा मुर्दाघरों में शव रखने की जगह भी कम पड़ रही है। जीवित बचे लोगों के बीच मानवीय संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने हजारों बेघर लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंता जताई है। ये लोग कई दिनों से खुले आसमान के नीचे या भीड़भाड़ और गंदगी वाले अस्थायी ठिकानों पर रहने को मजबूर हैं।

भूकंप से अब तक कितने लोग हुए प्रभावित : जिनेवा में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमेयर ने कहा कि दशकों से कम निवेश और वर्षों के आर्थिक संकट से जूझ रही वेनेजुएला की स्वास्थ्य व्यवस्था अब अभूतपूर्व दबाव में है। अचानक बढ़े ट्रॉमा के मामलों ने अस्पतालों की क्षमता को पूरी तरह चुनौती दे दी है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी की प्रवक्ता कार्लोटा वोल्फ ने बताया कि वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार भूकंप से 15,800 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। यह आंकड़ा उन लोगों का है जो बेघर हो चुके हैं। कई लोग कारों, पार्कों और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताने को मजबूर हैं। वोल्फ ने कहा कि यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ला गुएरा, जो राजधानी काराकास के पास समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित है, वहां बड़ी संख्या में लोग भोजन और पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। लिंडमेयर ने कहा कि शौचालय, स्नान की सुविधा और साबुन जैसी बुनियादी चीजों की कमी के कारण बेघर लोगों में खसरे जैसी रोकी जा सकने वाली बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि वहां पहले से ही टीकाकरण की दर कम है। इसके अलावा डेंगू, पीला बुखार और मलेरिया जैसी जलजनित और मच्छर जनित बीमारियों के फैलने के लिए भी हालात अनुकूल हैं।

सरकार के अनुसार, पिछले सप्ताह आए भूकंपों से देशभर में 38 अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए हैं या उनका कामकाज प्रभावित हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने अब तक इनमें से 21 अस्पतालों का आकलन किया है। इनमें तीन अस्पताल पूरी तरह बंद हो चुके हैं, छह को गंभीर नुकसान पहुंचा है और बाकी अस्पताल घायलों की लगातार बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि मलबे में कई विशेषज्ञ डॉक्टर लापता हैं, जिनमें ला गुएरा में प्रसूति देखभाल के प्रभारी अधिकारी भी शामिल हैं। इससे उस देश में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती और बढ़ गई है, जहां से हाल के वर्षों में डॉक्टरों और नर्सों सहित लगभग 80 लाख लोग देश छोड़ चुके हैं। लिंडमेयर ने कहा, 'प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मरीजों के इलाज और अस्पतालों तक पहुंच की व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो गई है। अस्पतालों में अत्यधिक भीड़ है, सर्जरी लंबित हैं और जैव सुरक्षा मानकों का भी ठीक से पालन नहीं हो पा रहा है।' मंगलवार को ला गुएरा और आसपास के इलाकों में गैर सरकारी संगठनों की सक्रियता साफ दिखाई दी। रेड क्रॉस, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम और अन्य संगठनों ने फुटपाथों, समुद्र किनारे बने रास्तों और खेल परिसरों में राहत शिविर लगाए।

पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं: 'दमन न रुका तो भारत के साथ जाएंगे'

रावलकोट , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में इस्लामाबाद के नियंत्रण को बड़ा झटका लगा है। महंगाई, आर्थिक संकट, जरूरी खाद्य पदार्थों और राशन की आपूर्ति पर रोक व प्रशासनिक विफलता से भड़के हजारों प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान को सीधी चुनौती देते हुए मंच से खुलेआम कहा कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। अगर उनके दमन का सिलसिला नहीं रुका, तो वे स्थायी रूप से भारत के साथ जाने पर विचार कर सकते हैं। पाकिस्तान के प्रशासनिक दमन के खिलाफ पीओके के रावलकोट के ईदगाह मैदान में हजारों लोग 22 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। पीओके में नागरिक विद्रोह का नेतृत्व कर रहे नागरिक अधिकार आंदोलनकारी सरदार अमन खान ने ईदगाह मैदान में उमड़े जनसैलाब के सामने कहा कि पीओके पाकिस्तान का नहीं है। हमें पाकिस्तान की जरूरत नहीं है, बल्कि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व के लिए पीओके की जरूरत है। नौ जून से प्रदर्शनकारियों का एक समूह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास धरने पर है। अमन खान ने संकेत दिया कि मौजूदा हालात ऐसे बने रहे, तो स्थानीय लोग भारत के साथ घनिष्ठ संबंध तलाश सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पीओके की सीमाएं खुल सकती हैं और ऐसा हुआ, तो इस्लामाबाद को पीओके के लोगों से रुकने की भीख मांगनी पड़ेगी। पीओके में दशकों के राजकीय दमन, महंगाई व प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ 38 सूत्रीय मांगों को लेकर जन विद्रोह शुरू हुआ है। वे पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे हैं। पीओके की जमीनी हकीकत दुनिया के सामने न आए, इसके लिए पाकिस्तानी सरकार ने 5 जून से क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बंद कर रखी हैं। आवाज दबाने के लिए नागरिकों पर जुल्म किया जा रहा है। पीओके प्रवासी विद्रोह के समर्थन में अलग-अलग देशों में पाकिस्तानी दूतावासों और उच्चायोगों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। उधर, आंदोलनकारियों ने साफ कह दिया है कि यह विद्रोह मुजफ्फराबाद समेत सभी हिस्सों के पाकिस्तानी कब्जे से आजादी मिलने से पहले नहीं थमेगा।

भारतीय-अमेरिकी सांसद खन्ना बोले- 30 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंचे दोनों देशों के संबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेहद विनाशकारी नीतियों के कारण भारत-अमेरिका संबंध पिछले 30 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। यह बात भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, हाल ही में उनकी चीन यात्रा के दौरान वहां भारत के राजदूत ने उनसे कहा कि ट्रंप की नीतियों की वजह से दोनों देशों के बीच भरोसा खत्म हो गया है। रो खन्ना ने कहा मैं बातों को घुमा-फिराकर कहने वालों में से नहीं हूं। चीजें जैसी हैं मैं उन्हें वैसा ही बताता हूं। अमेरिका-भारत संबंध पिछले 30 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। ईरान के साथ युद्ध में शामिल होने की ट्रंप की नीति बेहद विनाशकारी साबित हुई है। इसका भारत में पेट्रोल-गैस दामों पर भी बुरा असर पड़ा है। अगर आपको मेरी बात पर भरोसा नहीं है, तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर से पूछ लीजिए। रो खन्ना ने ट्रंप की ईरान और क्यूबा को धमकाने तथा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की नीतियों की भी कड़ी आलोचना की। वह बोले अमेरिका नैतिक नजरिया भूल गया है।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, उभरती प्रौद्योगिकियां भारत-अमेरिका सहयोग के अगले चरण को परिभाषित करेंगी। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) सम्मेलन में बोलते हुए क्वात्रा बोले, भारत ने खुद को उन कंपनियों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित किया है, जो पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों से आगे बढ़कर अपने उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना चाहती हैं। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी, एआई और सेमीकंडक्टर को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में सूचीबद्ध करते हुए कहा, भारत ने इन रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया है। इसका नतीजा यह हुआ कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका और मजबूत हो गई। क्वात्रा ने बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर बाधा के दौर में भारत को वैश्विक आर्थिक वृद्धि और स्थिरता का अनिवार्य आधार बताया। उन्होंने कहा, भारत के आर्थिक परिवर्तन ने उसे विकसित होती वैश्विक व्यवस्था के केंद्र में ला खड़ा किया है वह विकसित-उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए विश्वसनीय साझेदार है।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर बड़ा पलटवार, आईएसआईएस के ठिकानों पर की भयंकर बमबारी

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। तालिबान सरकार ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तानी सीमा के भीतर घुसकर आतंकी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। इन आतंकी ठिकानों से अफगानिस्तान के निर्दोष नागरिकों पर जानलेवा हमलों की बहुत गहरी साजिश रची जा रही थी। यह दावा पाकिस्तान के हालिया हवाई हमलों के ठीक दो दिन बाद सामने आया है, जिससे दोनों देशों में तनाव बढ़ा है।

तालिबान का कहना है कि यह बहुत बड़ी सैन्य कार्रवाई पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में की गई है। अफगान न्यूज चैनल टोलो न्यूज ने भी तालिबान के इस बहुत बड़े और अहम दावे की पूरी तरह से पुष्टि कर दी है। तालिबान के ड्रोन विमानों ने सीधे उन ठिकानों पर बमबारी की जहां खतरनाक आतंकी छिपकर रह रहे थे। खैबर पख्तूनख्वा के सरान इलाके में आतंकियों के गुप्त ठिकाने

वाले एक स्कूल को पूरी तरह से मलबे में तब्दील कर दिया गया है।

आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं : तालिबान ने साफ किया है कि इस भीषण ड्रोन हमले में कई खतरनाक आतंकी ढेर हुए हैं। इस पूरी सैन्य कार्रवाई में किसी भी आम नागरिक को बिल्कुल कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह बड़ा एक्शन रविवार को पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान पर की गई बमबारी का नतीजा माना जा रहा है। दो दिन पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा में घुसकर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए थे।

पाकिस्तानी हमले में हुई थीं मौतें संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की उस कार्रवाई में कम से कम 28 बेकसूर लोग मारे गए थे। वहीं अफगानिस्तान के सरकारी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने मरने वाले नागरिकों की कुल संख्या 38 बताई थी। इन पाकिस्तानी हमलों में जान गंवाने वालों में कई बेकसूर महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल थे। तालिबान के इस ताजा एक्शन को उसी पाकिस्तानी हमले का एकदम सीधा और करारा जवाब माना जा रहा है। सोमवार को भारत सरकार ने भी इस बेहद गंभीर मामले पर अपनी बहुत कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक अहम बयान जारी कर अफगानिस्तान पर हुए पाकिस्तानी हमलों की निंदा की। भारत का कहना है कि किसी दूसरे देश की सीमा में घुसकर हमला करना उसकी संप्रभुता का सीधा उल्लंघन है। इससे पूरे इलाके की शांति खतरे में पड़ती है और तनाव काफी हद तक बढ़ जाता है।

आतंकवाद पर एक-दूसरे पर आरोप : भारत ने साफ कहा कि पाकिस्तान अपनी नाकामियों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे हमले करता है। पाकिस्तान हमेशा की तरह आरोप लगा रहा है कि अफगानिस्तान कई खूंखार आतंकियों को पनाह दे रहा है। जबकि तालिबान का कहना है कि आतंकवाद पाकिस्तान की खुद की पैदा की हुई अंदरूनी भयंकर समस्या है। अब इस ताजा एयरस्ट्राइक के बाद दोनों मुल्कों के बीच भयानक जंग का खतरा और ज्यादा बढ़ गया है।

ट्रंप की नई सियासी चालः चुनाव से चार माह पहले डलास में बड़े जलसे का एलान, क्या है रिपब्लिकन खेमे की रणनीति?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधी चुनावों से पहले अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगी। यह एक अनोखा राजनीतिक आयोजन होगा, जिसका उद्देश्य आगामी मध्यावधी चुनावों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और कांग्रेस में पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए समर्थन जुटाना है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह राष्ट्रीय सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को टेक्सास के डलास शहर में आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रपति चुनाव की तर्ज पर सम्मलेन की तैयारी : आमतौर पर अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बड़े राष्ट्रीय

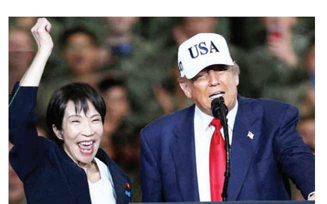

सम्मेलन आयोजित करती हैं, लेकिन ट्रंप लंबे समय से मध्यावधी चुनावों से पहले भी इसी तरह का आयोजन करने के पक्षधर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की अहम सीटों पर मतदाताओं का ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के किसी भी सदन में बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ने से रोक सकते हैं। साथ ही उनके कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में प्रशासन की व्यापक जांच-पड़ताल भी शुरू कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस में रिपब्लिकन का बहुमत बेहद मामूली है। अमेरिकी राजनीति में आमतौर पर सत्तारूढ़ पार्टी मध्यावधी चुनावों में सीटें गंवाती है। इस बार ट्रंप स्वयं चुनावी बैलेट पर नहीं होंगे, इसलिए पार्टी नेतृत्व को अपने समर्थकों को मतदान के लिए प्रेरित करने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप को उम्मीद है कि यह कन्वेंशन पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में नया उत्साह पैदा करेगा। वह पिछले वर्ष से ही इस योजना पर चर्चा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन इस आयोजन के जरिए '2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से किए गए बेहतरीन कामों' को जनता के सामने रखेंगे। डलास में सम्मेलन आयोजित करने से टेक्सास की महत्वपूर्ण सीनेट सीट पर भी राष्ट्रीय ध्यान जाएगा। यहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टैलारिको का मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन से होगा। केन पैक्सटन वर्तमान में टेक्सास के अटॉर्नी जनरल हैं। उन्होंने ट्रंप के समर्थन से इस वर्ष रिपब्लिकन प्राइमरी में लंबे समय से सीनेटर रहे जॉन कॉर्निन को हराया था। हालांकि, रिपब्लिकन रणनीतिकारों को आशंका है कि पैक्सटन से जुड़े पुराने विवाद जिनमें विवाहेतर संबंधों के आरोप, महाभियोग और सिक्योरिटीज़ फ्रॉड का मामला शामिल है उनकी चुनावी संभावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं और आसान मानी जा रही सीट को मुश्किल बना सकते हैं।

लाहौर में ट्यूशन सेंटर की छत गिरी, 14 बच्चों की दर्दनाक मौत और 20 घायल

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान से एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। लाहौर के काहना नौ इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत में चल रहे प्राइवेट ट्यूशन सेंटर की छत अचानक भरभराकर गिर गई। इस भयानक हादसे में भारी मलबे के नीचे दबकर 14 मासूम स्कूली बच्चों की बेहद दर्दनाक मौत हो गई है। इसके अलावा 20 अन्य बच्चे और एक महिला टीचर भी इस भीषण हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब 7 से 13 साल के करीब 30 बच्चे इस सेंटर में बैठकर अपनी पढ़ाई कर रहे थे। घटना की भयानक सूचना मिलते ही पुलिस और रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और अपना बचाव कार्य शुरू कर दिया। एधी फाउंडेशन और अन्य बचाव दल मलबे में फंसे बाकी मासूम बच्चों की बहुत ही तेजी से तलाश कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी घायलों को तुरंत लाहौर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया है जहां पर अब इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह दर्दनाक घटना लाहौर के घनी आबादी वाले इलाके काहना नौ की ईद गाह कॉलोनी में घटी है। जिस इमारत में इलाके की एक महिला यह प्राइवेट ट्यूशन सेंटर चला रही थी उसके एक हिस्से में निर्माण कार्य भी चल रहा था। हादसे के समय मजदूर वहां अपने काम में पूरी तरह व्यस्त थे तभी अचानक निर्माणाधीन छत मासूम बच्चों के ऊपर गिर गई। इस भयानक लापरवाही के कारण कई मासूम बच्चों की जान चली गई और घटनास्थल पर चारों तरफ चीख-पुकार मच गई।

लाहौर के डीआईजी ऑपरेशंस फैसल कामरान ने पत्रकारों को बताया कि मलबे से अब तक 14 बच्चों के शव निकाले जा चुके हैं। पुलिस ने इस भयंकर लापरवाही के मामले में तुरंत और सख्त कार्रवाई करते हुए जिम्मेदार ठेकेदार को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस पूरी घटना की बहुत ही बारीकी से जांच की जा रही है ताकि असल दोषियों को सख्त सजा मिल सके। रेस्क्यू टीमें अभी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बहुत ही सावधानी के साथ भारी मलबे को हटाने का काम कर रही हैं।

राहत और बचाव कार्य में जुटी प्रमुख संस्था एधी फाउंडेशन ने मौतों का आंकड़ा और अधिक बढ़ने की गहरी आशंका जताई है। उनका स्पष्ट कहना है कि अभी भी कुछ मासूम बच्चे इस भारी मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं जिनकी लगातार तलाश जारी है।

सीरिया में इजरायली सेना का भारी विरोध, बफर जोन में स्थानीय लोगों ने किया पथराव

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में इजरायली बफर जोन के तहत दक्षिणी सीरिया के अब्दिन गांव में हालात बहुत ज्यादा तनावपूर्ण हो गए हैं। स्थानीय लोगों और इजरायली सेना के बीच हाल ही में बहुत भारी बवाल देखने को मिला है। गुस्साए सीरियाई नागरिकों ने इजरायली सैन्य वाहनों को रोकने के लिए सड़कों पर चट्टानें डाल दीं और जमकर पत्थरबाजी की। इसके जवाब में इजरायली सैनिकों ने भी प्रदर्शनकारियों को डराने के लिए गोलियां चलाईं और बाद में गांव पर तोपखाने से गोले दागे।

संयुक्त राष्ट्र की निगरानी वाले 245 वर्ग किलोमीटर के बफर जोन पर इजरायल के कब्जे से यह पूरा विवाद शुरू हुआ है। अब्दिन गांव में रहने वाले लोगों का कहना है कि इजरायली सैनिक अक्सर उनके घरों में जबरन घुसते हैं और महिलाओं व बच्चों को डराते हैं। इस इलाके में पिछले 24 घंटों के भीतर हिंसा की दो बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं जिससे दहशत का माहौल है। सुरक्षा वार्ता रुकने के कारण इस सीमावर्ती क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग अपना घर छोड़कर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

लगातार हो रही है भारी झड़प : अब्दिन गांव में हुई यह हिंसक झड़प पिछले 24 घंटों के अंदर तनाव की दूसरी बहुत बड़ी घटना थी। इससे पहले इजरायली सेना ने दक्षिणी सीरिया में दो बंदूकधारियों को मार गिराने का बहुत बड़ा दावा किया था। सीरियाई गांव हादर के मेयर इमाद हसून के अनुसार एक पिकअप ट्रक पर हमले में दो अज्ञात लोग मारे गए। इजरायली सैनिक इन दोनों अज्ञात लोगों के शवों को अपने

साथ लेकर चले गए हैं जिससे गुस्सा और बढ़ गया है।

गांव वालों में खौफ का माहौल : स्थानीय निवासी मोहम्मद अल-हसन ने बताया कि इजरायली सैनिक नियमित रूप से बख्तरबंद गाड़ियों में गांव आते हैं। वे पूरे गांव में घूमते हैं और लोगों के घरों का दरवाजा न खोलने पर उसे जबरन तोड़कर अंदर घुस जाते हैं। सैनिकों की इस डरावनी कार्रवाई से गांव की महिलाओं और मासूम बच्चों में बहुत ज्यादा खौफ पैदा हो गया है। तोपखाने से दागे गए गोलों के डर से अब्दिन के कई नागरिक सोमवार को भी अपने घरों में वापस नहीं लौट सके।

बफर जोन पर इजरायल का कब्जा : दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के सत्ता से हटने के बाद इजरायल ने इस बफर जोन को नियंत्रण में लिया था। इजरायल का कहना है कि उग्रवादी हमलों को रोकने के लिए इस रणनीतिक क्षेत्र पर कब्जा बनाए रखना जरूरी है। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति अहमद अल-शराअ ने गोलाबारी की कड़ी निंदा करते हुए इजरायल से पीछे हटने की मांग की है। 66 वर्षीय किसान सोभी अल-तवलबी ने बताया कि सैन्य तनाव के कारण किसान अपनी फसलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

ठप पड़ी है जरूरी सुरक्षा वार्ता : लोगों को उम्मीद थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में फ्रांस में होने वाली सुरक्षा वार्ता से तनाव काफी कम होगा। लेकिन फिलहाल दोनों देशों के बीच यह महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत पूरी तरह से रुक गई है जिससे निराशा है। सुरक्षा की कमी, रोजगार के अभाव और बिजली-पानी की भारी किल्लत के कारण लोग तेजी से पलायन कर रहे हैं। सीरियाई नागरिकों का कहना है कि वे किसी के लिए खतरा नहीं हैं और सिर्फ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.